शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्यपाल ने सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ अभियोजन की दी मंजूरी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 18 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-230

सुब्रमण्यन स्वामी ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

ब्रिटिश नागरिक राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द हो

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं, इसलिए उनकी भारत की नागरिकता रद्द की जानी चाहिए। राहुल गांधी की नागरिकता का मसला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा है। भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने दिल्ली हाईकोर्ट याचिका दाखिल कर हाईकोर्ट से मांग की है कि वह राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता खारिज करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश दे।

सुब्रमण्यन स्वामी की इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। यह याचिका अधिवक्ता सत्य सभरवाल के माध्यम से दाखिल की गई है। सुब्रमण्यन स्वामी ने साल 2019 में गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि बैकऑप्स लिमिटेड नाम की एक कंपनी साल 2003 में यूनाइटेड किंगडम में पंजीकृत हुई थी। राहुल गांधी इसके सचिव एवं निदेशकों में से एक थे। 10 अक्टूबर 2005 और 31 अक्टूबर 2006 को कंपनी के वार्षिक रिटर्न में राहुल गांधी ने अपनी नागरिकता ब्रिटिश बताई थी। 17 फरवरी 2009 को कंपनी के विघटन आवेदन में भी उनकी नागरिकता ब्रिटिश बताई गई थी। सुब्रमण्यन स्वामी ने कहा कि राहुल गांधी के पास ब्रिटिश पासपोर्ट है। स्वामी ने इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 और भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 का उल्लंघन बताया है।

गृह मंत्रालय ने 29 अप्रैल 2019 को राहुल गांधी को एक पत्र लिखकर उनसे एक पखवाड़े (15 दिन) के भीतर इस संबंध में सही स्थिति से अवगत कराने के लिए कहा था। इस पत्र के पांच साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद गृह मंत्रालय ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया कि इस पर क्या निर्णय लिया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत भी केंद्रीय गृह मंत्रालय से जानकारी मांगी गई थी। लेकिन गृह मंत्रालय ने कोई भी जानकारी देने से इन्कार कर दिया था। जवाब में मंत्रालय ने इतना ही कहा कि आरटीआई अधिनियम की धारा 8 (1) (एच) और (जे) के तहत इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया जा सकता है। राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका दाखिल की गई थी। उसमें गृह मंत्रालय को जल्द जांच के निर्देश दिए जाने की मांग की गई थी। तब उस समय के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने उस याचिका को खारिज कर दी थी। तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा था कि अगर कोई कंपनी किसी फॉर्म में राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक बता देती है तो इसका मतलब यह नहीं कि वे ब्रिटिश नागरिक हो गए। इस मामले में राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उनका बचाव किया था। प्रियंका ने कहा था कि पूरे देश को पता है कि राहुल भारत में जन्मे हैं और भारतीय हैं।

सुब्रमण्यन स्वामी ने 10 अगस्त को सोशल मीडिया फोरम पर एक दस्तावेज साझा किया था।

मोदी-शाह कर रहे राहुल की मदद, गृह मंत्रालय ने फाइल दबाई

तब हाईकोर्ट ने बिना सुने ही खारिज कर दी थी याचिका

राहुल गांधी की नागरिकता के मसले पर इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी विग्नेश शिशिर के वकील अशोक पांडेय ने जनहित याचिका दाखिल की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने बिना सुनवाई पूरी किए याचिका खारिज कर दी थी। वकील अशोक पांडेय ने याचिका में कहा था कि राहुल गांधी भारत के नागरिक नहीं हैं, बल्कि ब्रिटिश नागरिक हैं। इसलिए, वे संविधान के अनुच्छेद 84 (ए) में निहित प्रावधानों के तहत सांसद बनने के पात्र नहीं हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला ने की थी।

इस पर पीठ ने कहा कि उसने याचिकाकर्ता को अपनी दलीलें पेश करने का पर्याप्त मौका दिया है और उनकी सभी दलीलों पर ध्यान दिया गया है, अब वह अपना फैसला सुरक्षित रखने जा रही है। वकील अशोक पांडेय ने पीठ से सुनवाई जारी रखने का आग्रह किया और कहा कि इस मामले में उनके पास कई तथ्य और प्रमाण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक मसले पर कोर्ट में 20-20 दिन बहस सुनी जाती है और आप हमें एक घंटा भी सुनना नहीं चाह रहे। इस पर हाईकोर्ट की पीठ ने वकील पर नकारात्मक टिप्पणी की और कहा, हमें पूरा दिन काम करना है। ऐसे मूड खराब करके काम कैसे होगा। जिन मामलों में 20-20 दिन बहस सुनी जाती है वो मामले सुनने लायक होते हैं। ▶10 पर

पीएम मोदी के बुलावे पर ग्लोबल साउथ समिट में शरीक हुए मोहम्मद यूनुस

आतंकवाद और हिंसावाद से हमें मिलकर निपटना होगा: मोदी

वर्चुअल शिखर बैठक में सौ से अधिक देशों के प्रमुख शरीक हुए

यह माकूल समय है ग्लोबल साउथ के देशों के एकजुट होने का

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

ग्लोबल साउथ समिट के वर्चुअल शिखर बैठक की अध्यक्षता कर रहे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया अनिश्चितता में जी रही है। युद्ध जैसी स्थितियों ने हमारी विकास यात्रा में चुनौतियां बढ़ा दी हैं। हम पहले से ही जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हम स्वास्थ्य, भोजन और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी चिंतित हैं। आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा हैं। ऐसे में यही वह माकूल समय है, जब ग्लोबल साउथ के देश एकजुट हों और एक दूसरे की ताकत बनें। हम एकजुट होकर ही आतंकवाद, हिंसावाद, अलगाववाद और कट्टरतावाद जैसी नकारात्मक चुनौतियों का सकारात्मक जवाब दे पाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में 17 अगस्त को हुए तीसरे ग्लोबल साउथ समिट में बांग्लादेश की तरफ से अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस शामिल हुए। कल ही प्रधानमंत्री मोदी और मोहम्मद यूनुस के बीच फोन पर बात हुई थी। बांग्लादेश में सत्ता बदल के बाद यह पहला मौका है जब दोनों देशों के नेता एक साथ किसी मंच पर नजर आए। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर दुनिया के विकाशसील देशों की आवाज मजबूत करने के लिए ग्लोबल साउथ समिट की शुरुआत की थी। भारत ने सितंबर 2023 में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में भी पुरजोर तरीके से ग्लोबल साउथ कहे जाने वाले पिछड़े और विकासशील देशों की आवाज बुलंद की थी। भारत की अगुवाई में तीसरी बार यह वर्चुअल शिखर बैठक आयोजित की गई, जिसमें सौ से अधिक देशों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह एक ऐसा मंच बना, जहां हमने विकास से संबंधित समस्याओं और प्राथमिकताओं पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत ने ग्लोबल साउथ की आशाओं, आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं पर आधारित जी-20 एजेंडा तैयार किया। जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाली तो हमने संकल्प लिया था कि हम जी-20 को एक नया स्वरूप देंगे। पीएम मोदी ने कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया अनिश्चितता में जी रही है। युद्ध जैसी स्थितियों ने हमारी विकास यात्रा में चुनौतियां बढ़ा दी हैं। हम पहले से ही जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ▶10 पर

कोलकाता में डॉक्टर से बलात्कार और हत्या का मामला

भारत समेत कई देशों में सड़कों पर उतरे लोग

- **देशभर में डॉक्टरों ने किया काम बंद, अस्पतालों में छाया सन्नाटा**
- **घटनास्थल पर सबूत मिटाने की राष्ट्रीय महिला आयोग ने पुष्टि की**

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बीते दिनों एक महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से भारत समेत पूरी दुनिया में गुस्सा है। इसे लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर डॉक्टर्स और मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग लगातार कोलकाता मामले में न्याय की मांग उठा रहे हैं। अब यह विरोध प्रदर्शन वैश्विक स्तर पर पहुंच गया है। दुनियाभर में फैले भारतीय मूल के लोग इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठा रहे हैं और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं। इस घटना के विरोध में देशभर में अस्पतालों में डॉक्टरों ने काम बंद रखा।

कोलकाता की घटना के विरोध में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कायर पर धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बंगाल में बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों और डॉक्टर्स के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में लेक हॉलीवुड पार्क में भी प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और कोलकाता की घटना को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब 250 भारतीय मूल के लोग इकट्ठा हुए और उन्होंने अपने हाथों में लिए प्लेकार्ड और बैनर लहराकर बलात्कार और हत्याकांड की निंदा की और विरोध कर रहे डॉक्टरों के प्रति अपना समर्थन जताया। इसी तरह ह्यूस्टन में रहने वाले भारतीय समुदाय ने भी आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना को लेकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने एक महिला डॉक्टर की मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी पर दुष्कर्म और हत्या को सिस्टम की असफलता करार दिया और सख्त कार्रवाई की मांग की। शिकागो में बंगाली समुदाय के लोगों ने गुरुवार को एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। साथ ही अटलांटा में भी कोलकाता की घटना को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया।

जर्मनी के कोलोग्ने में भी भारतीय मूल के लोग इकट्ठा हुए और डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना पर नाराजगी जाहिर की। ब्रिटेन के लीड्स में भी आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने कहा कि वह घटना को लेकर दुखी और गुस्से में हैं। लोगों ने इस दौरान अपनी बांह पर विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध रखी थी और पीड़िता की याद में एक मिनट का मौन धारण किया। लीड्स के साथ ही मैनचेस्टर में भी लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। साथ ही लंदन के ट्रिनिटी चर्च, एडिनबर्ग की प्रिंसेस स्ट्रीट, पौलेंड के कराकोव, कनाडा के ऑस्टिन में भी लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले पर लगातार विवाद गहराता जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और छात्र सड़क पर उतरकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,750/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 84,113/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0

न्यूनतम : 27^0

आतंकियों के हमेशा 'सॉफ्ट टारगेट' रहे हैं कश्मीर के नेता

37 साल में 1271 नेता आतंकवाद के शिकार हुए

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 17 अगस्त।

विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही कश्मीर में सुरक्षा की चिंता सताने लगी है क्योंकि पाक परस्त आतंकवाद ने एक बार फिर से फन उठा लिया है। इस बार आतंकी कहर जम्मू संभाग पर बरप रहा है। चुनाव आयोग ने भी इसके प्रति चिंता जताते हुए कहा है कि प्रत्येक उम्मीदवार को सुरक्षा प्रदान की जाएगी पर अभी तक का इतिहास यही बताता है कि जम्मू कश्मीर में नेता हमेशा ही आतंकियों के लिए सॉफ्ट टारगेट रहे हैं।

सुरक्षाबलों और प्रदेश सरकार के दावों के बावजूद इस सच्चाई से मुख नहीं मोड़ा जा सकता कि जम्मू कश्मीर में फैले आतंकवाद में नेता आतंकियों के नर्म लक्ष्य रहे हैं। कश्मीर में होने वाले हर किस्म के चुनावों में आतंकियों ने राजनीतिज्ञों को ही निशाना बनाया है। उन्होंने न ही पार्टी विशेष को लेकर कोई भेदभाव किया है और न ही उन नेताओं को बख्शा जिनकी पार्टी के नेता अलगाववादी सोच वाले हों।

यह इसी से स्पष्ट होता है कि पिछले 37 सालों के आतंकवाद के दौर के दौरान सरकारी तौर पर आतंकियों ने 1271 के करीब राजनीति से सीधे जुड़े हुए नेताओं को मौत के घाट उतारा है। इनमें ब्लॉक स्तर से लेकर मंत्री और विधायक स्तर तक के नेता शामिल रहे हैं। ▶10 पर

आतंकवाद से मुकाबले के लिए एसओजी पुनर्जीवित

जम्मू, 17 अगस्त (ब्यूरो)।

प्रदेश के पूर्व एवं दिवंगत मुख्यमंत्री मुफ्ती मुहम्मद सईद के कार्यकाल में पुलिस के जिस विशेष दल एसओजी अर्थात स्पेशल आप्रेशन्स ग्रुप पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया था, उसे फिर से गठित कर जम्मू संभाग में पुनः लौटे आतंकवाद से निपटने की जिम्मेदारी और पावर दे दी गई है। तब एसओजी पर कथित तौर पर कई मानवाधिकार हनन के आरोप कश्मीर मे लगे थे लेकिन इतना जरूर था कि एसओजी ने आतंकियों की कमर जरूर तोड़ दी थी। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है कि जम्मू कश्मीर पुलिस ने आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बढ़ते आतंकी हमलों को खात्म करने के लिए जो विशेष अभियान और योजना तैयार की है उसके तहत जम्मू कश्मीर प्रशासन ने शुक्रवार को जम्मू इलाके के 6 जिलों में 8 एसपी ऑपरेशन तैनात किए हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीतो क्रॉस फिट नामक फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो यूथ विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने सदस्यों के लिए जीतो क्रॉस फिट नामक फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन वसंतनगर स्थित ब्रीदिंग स्पेस में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यूथ सदस्यों का आपसी जुड़ाव व फिटनेस के प्रति रुझान हेतु रहा। सदस्यों में स्वास्थ्य के प्रति जुनून और सबसे अधिक फिट होने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रही। ब्रीदिंग स्पेस के मास्टर कोच हरि व चार अन्य कोच ने कहा कि फिट युवा तो हिट युवा इसलिए फिटनेस और स्वास्थ्य संबंधी बहुमूल्य सुझाव साझा किए। साथ ही प्रायोगिक कई

चुनौतीपूर्ण वर्कआउट के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन भी किया गया।

उन्होंने हैंग-अप, साइड बर्पी, डेडलिफ्ट, स्क्वैट्स और एक दौड़, सीढ़ी चढ़ना और एक गहन रस्साकशी जैसे विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभ्यासों द्वारा टीमों को ग्रैंड फिनाले हेतु चुना। प्रतिस्पर्धा हेतु सभी का उत्साह देखने लायक था। सभी चुनौतियों को पार करते हुए युवा वर्धमान आंचलिया व दिव्या आंचलिया ने सबसे फिट युवा का खिताब जीता। चैप्टर अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि पहला सुख निरोगी काया। इसी ध्येय के साथ शरीर को स्वस्थ और मन को प्रसन्न रखने के लिए मार्निंग वाक, शारीरिक व्यायाम को प्राथमिकता दें। अपने दो वर्षीय कार्यकाल में आप सभी युवाओं ने सदस्यों के साथ जुड़कर अनेक आयाम कर जागरूकता का परिचय दिया है। यूथ विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी ने कहा कि मौजूदा दौर में युवाओं में जिम के अलावा योग, प्रणायाम का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है।

योग क्रियाओं के लिए कोई योग क्लास तो कोई इंटरनेट मीडिया के जरिये घर पर ही सुरक्षित तरीके से अपनी सेहत बना रहे हैं। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की और युवाओं को भारत के भविष्य का पथ प्रदर्शक बताया। कार्यक्रम संयोजक आशीष तपरावत और गौरव दलाल ने आयोजन के विजन पर चर्चा की, जिसमें मनोरंजन के साथ-साथ फिटनेस पर अधिक जोर दिया गया, ताकि सच्ची आजादी का जश्न मनाया जा सके। आयोजन में सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया और कई व्यक्तिगत और समूह फिटनेस चुनौतियां दी गईं। जो उन्होंने की और विजेता बने। संयुक्त सचिव निकिता बडेरा और प्रबंधन समिति के सदस्य यश मेहता, अक्षय डक, लक्षित सोनीगरा और हर्ष सुराना ने समग्र कार्यक्रम व्यवस्था का ध्यान रखा। आयोजन का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। ध्वजारोहण किया गया। अध्यक्ष मनीष कोठारी ने सभी का स्वागत किया। कार्यसमिति सदस्य प्रतीक जैन ने कार्यक्रम का सुचारू रूप संचालन को किया। मुख्य सचिव खुशी पोरवाल ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन टीम को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिनदत्त कुशल सूरी मंडल द्वारा गौशाला में सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी स्वर्णांजना जी की प्रेरणा से श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में गौशाला में गौमाता और अन्य जीवों की सेवा की गई। जिसमें गायों को हरा चारा, गुड़, पक्षियों को दाना आदि खिलाया गया। मंडल द्वारा इस वर्ष 25 से अधिक गौशालाओं में सहायता राशि प्रदान की जाएगी। जीवदया कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, महामंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

मातृछाया ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन की सदस्याओं ने हलसूर स्थित लॉर्ड्स प्राइमरी एंड हाई स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया। वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रगान की धुन में तिरंगा फहराया गया। संगठन की सदस्याओं ने बच्चों को बताया कि स्वतंत्रता से कैसे रहना, कैसे आगे बढ़ना और हमेशा एक दूसरे का सहयोग करते हुए एकता बनाए रखना। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि देशप्रेम का जज्बा दिल में रखकर हम यह संकल्प लें कि हम अपने देश की सेवा करेंगे, उसकी सुरक्षा करेंगे और उसे एक मजबूत, विकसित, और शांतिपूर्ण राष्ट्र बनाएंगे। मातृछाया की सदस्याओं ने बच्चों को मिठाइयां, राष्ट्र ध्वज एवं पाठ्य सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बडोला, उपाध्यक्ष पुष्प बाफना, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठरी, लीला भंसाली, मीना सालेचा, पुष्प सोनिगरा, त्रिशला दांतेवड़िया, मीना सोनिगरा, मंगला खांटेड, मंजू ओस्तवाल, उषा जैन, पवन राठौड़ आदि उपस्थित थी। स्कूल के प्रबंधक ने मातृछाया द्वारा सेवा कार्य की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस पर आनंद सबके लिए कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने 78वां स्वतंत्रता दिवस डिजायर सोसायटी, बन्नेरघट्टा रोड के 28 स्पेशल बच्चों के साथ बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच राष्ट्रीय प्रकल्प आनंद सबके लिए के अंतर्गत एक छोटा प्रयास, बड़ी मुस्कान के लिए कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मंच सदस्य परिवार सहित सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका और आश्रम के मुख्य अतिथि विजया कुमार गुरुजी के द्वारा ध्वजारोहण से हुई। आजादी के पर्व की खुशी में बच्चों का मुँह मीठा कराया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस का महत्व समझाया और इस सोसायटी के बारे में मंच सदस्यों को अवगत कराया। साथ ही शाखा अध्यक्ष ने सभी को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दी और बच्चों को इस आजाद भारत का सुनहरा भविष्य बताते हुए कुछ प्रेरणादायक शब्द कहे जिसे सुनकर बच्चे काफी प्रफुल्लित हुए। नन्हे बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसे सभी दर्शकों ने खूब सराहा। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक कसरत के लिए विशेष रूप से खेल आयोजित किये गए। इस सुनहरे मौके पर राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा के तहत आश्रम को वाटर टैंकर दिया गया, जिसका लोकार्पण भी सभी सदस्यों के उपस्थिति में किया गया। कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने का श्रेय उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल को जाता है, जिनके अथक प्रयासों से राष्ट्रीय विकास एवं एकता के कार्यक्रम बखूबी आयोजित हो पाते हैं। साथ ही कार्यक्रम संयोजकों विक्की अग्रवाल और दीपक बंसल की भी भूमिका सराहनीय रही। इस मौके पर आश्रम के उपाध्यक्ष सुभाष, शिक्षकगण और शाखा सदस्य शशांक सर्राफ, विकास अग्रवाल, आशीष फिटकरीवाला, आयुष अग्रवाला, दीपक जैन और विजय दुदानी परिवार सहित उपस्थित रहे। संयुक्त सचिव गौरव अग्रवाल ने उपस्थित सभी लोगों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आभार प्रकट किया और आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच ने अपने विभिन्न शाखाओं के साथ व्हाट्सऐप पर ऑडियो, वीडियो द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। स्वागत भूमिका बांधते हुए झंडा फहराया गया। वीणा मेदनी ने राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर शशी मंगल ने की। तत्पश्चात वीणा मेदनी ने राष्ट्रीय गीत और देश भक्ति गीत ए मेरे वतन के लोगों गाया। फिल्मों के देशभक्ति गानों के साथ पहला सत्र ध्वजारोहण का संपन्न हुआ। 11 बजे दूसरा सत्र शुरू हुआ, जिसमें देशभक्ति पर स्वरचित रचनाओं की प्रस्तुतियां हुई। जिनमें वीणा मेदनी, भगवती सक्सेना गौड़, एडवोकेट अंजू भारती, गीता चौबे गूंज, अन्नपूर्णा मालवीय, अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर, पुष्पा पांडे, डॉक्टर वत्सला, अनुराधा के, निर्मला कर्ण, इरा जौहरी, माधुरी, डॉक्टर शशी मंगल, नीता गुप्ता, स्नेह लता एवं अनीता सोनी ने भाग लिया।

जीवन में कुछ लक्ष्य निर्धारित करें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर के लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित राजेशमुनि जी ने अपने दैनिक प्रवचन में मद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मद हमारे आध्यात्मिक विकास में बाधक है। हमें जीवन में कुछ लक्ष्य निश्चित कर उसे हासिल करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। मद और अहंकार से दूर रहकर हम हर लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। फिर हम प्रमाद में नहीं रहेंगे और एक भी सांस व्यर्थ नहीं जाएगी। हर समय हमारा जीवन सिर्फ और सिर्फ कषायों में ही व्यर्थ हो रहा है। जीवन को बहुमूल्य समझने वाला अपना एक क्षण भी प्रमाद में नष्ट नहीं करता और लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रयत्नशील रहता है। मुनि ने फरमाया कि पुराने जमाने में खानदान देखकर संबंध किये जाते थे, लेकिन अब व्यक्ति का खानदान पैसे से तौला जाता है। आत्म विकास हेतु हमें जिनशाषन के पाचों रंगों में रंग जाना है। यदि हम मद से भर गए तो हर रंग मैला हो जाएगा। हमारी आत्मा पर दाग लग जाएगा। आत्मबल सभी बलों का राजा होता है। हम अनंत विजय के स्वामी बनने के लक्ष्य से जिएं। आत्म बल के साथ शरीर का बल भी बढ़े ताकि उसके सहारे कर्मों का क्षय कर सकें। धर्म का व्यापार जितना बढेगा उसके सहारे धन भी बढ़ेगा। उस हेतु स्वाध्याय और ध्यान आवश्यक है।

रिषभ मुनि ने अप्रमत्त बनकर जीने का संदेश दिया। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया। धर्मसभा में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

वॉटर प्यूरीफायर मशीन के लोकार्पण के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मालगाला स्थित मंडल द्वारा संरक्षण में लिए गए सरकारी हायर प्राइमरी स्कूल में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया ने कार्यक्रम में समागत स्कूल के शिक्षक कर्मचारी एवं बच्चों का स्वागत किया। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मंडल द्वारा स्कूल में वॉटर प्यूरीफायर मशीन लगवाई गई। मंडल द्वारा बच्चों को उपहार स्वरूप बच्चों के बौद्धिक विकास को ध्यान में रखते हुए एजुकेशनल गेम्स दिए गए।

स्कूल के प्रिंसिपल ने मंडल के कार्यों की सराहना की तथा वॉटर प्यूरीफायर लगाने के लिए मंडल का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मंडल आगे भी इसी तरह स्कूल के विकास में सहयोगी बने।

मंत्री दीपिका गोखरू ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया एवं सुमित्रा बरडिया, मंत्री ललिता डागा, कन्या मंडल प्रभारी मोनिका गांधी, विपुला गोखरू एवं लगभग 200 बच्चों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में लादूलाल, नितेश गोखरू का विशेष सहयोग रहा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा विजयनगर का एक प्रतिनिधिमंडल पूज्य प्रवर आचार्य श्री महाश्रमण जी के चातुर्मास स्थल सूरत में आयोजित महासभा अधिवेशन के तीन दिवसीय प्रतिनिधि सम्मेलन कार्यक्रम में पहुंचा। इस अवसर पर गुरुदेव के दर्शन करने के पश्चात, सभा अध्यक्ष ने विजयनगर की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। साथ ही साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के चातुर्मास की जानकारी प्रदान करते हुए आगामी गुरुदर्शनार्थ संघ यात्रा की जानकारी दी। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, मंत्री दिनेश हिंगड़, उपाध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, सहमंत्री विमल दक और सभा के पूर्व अध्यक्ष राजेश चावत उपस्थित थे।

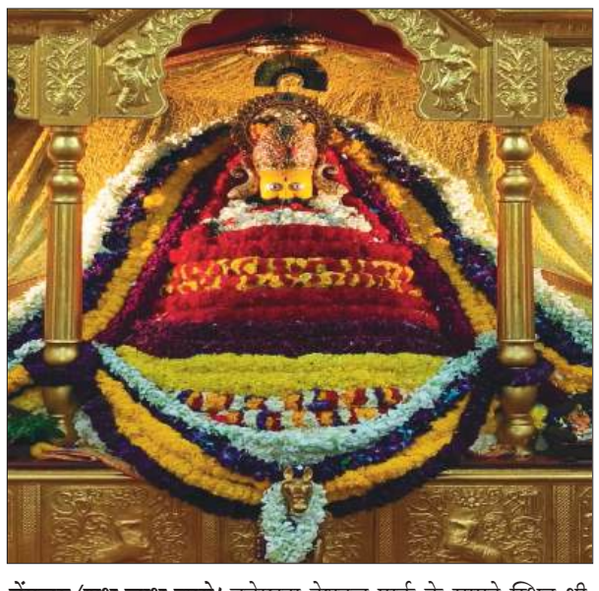

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर प्रांगण में श्रावण मास की शुक्ल एकादशी पर सायं 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार दर्शन का भक्तों ने कतारबद्ध होकर लाभ लिया।

जेबीएन वी-प्रेनर्स ऑल महिला रेफरल ग्रुप के लॉन्च के बाद पहली बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी-प्रेनर्स ऑल महिला रेफरल ग्रुप के लॉन्च के बाद पहली आधिकारिक बैठक शुक्रवार को जीतो ऑफिस चामराजपेट में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। सभी सदस्यों ने अपने व्यवसाय को प्रस्तुत करने और जिन कनेक्शनों की वे अपेक्षा कर रहे थे, के बारे में 30 सेकेंड की प्रस्तुति दी।

सदस्यों ने एक-दूसरे को रेफरेंस और धन्यवाद दिया। केकेजी जोन कन्वीनर तुषार बाफना ने अपने सफर और अनुभव के बारे में बताया कि कैसे जेबीएन आपके व्यवसाय के लिए एक उत्कृष्ट प्लेटफार्म हो सकता है।

उन्होंने नेटवर्किंग, 30 सेकेंड की प्रस्तुति और जेबीएन में आपके व्यवसाय के विकास के महत्व के बारे में भी

जानकारी दी। ट्रेंडसेटर अचीवर रेफरल हेड विक्रम भंसाली ने आगामी क्रिकेट टूर्नामेंट कार्यक्रम की घोषणा की और सभी वी-प्रेनर्स सदस्यों को प्रोत्साहित किया कि यह अन्य रेफरल ग्रुप के सदस्यों के साथ क्रिकेट के माध्यम से जुड़ने का एक बहुत अच्छा अवसर है। एसएसबी एपेक्स को-कन्वीनर रेखा के समर्थन और मार्गदर्शन से बैठक का आयोजन किया गया। जीतो महिला विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी जेबीएन सदस्यों को प्रेरित किया। रेफरल हेड नीलम सांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। पहली आधिकारिक बैठक की शुरुआत सदस्यों के बीच 65400 के व्यवसाय के साथ हुई।

अन्नदानम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद एच बी एस टी हनुमंतनगर द्वारा श्रीनिवासनगर स्थित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के नीचे अन्नदानम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामुहिक नवकार मंत्र के मंगलाचरण से हुई। करीब 300 लोगों को नास्ता वितरण किया गया। अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत किया। मानव सेवा के प्रायोजक डिग्रीमल, गौतम कुमार, मोहित कुमार दक बरार हनुमंतनगर बेंगलूरु रहे। परिषद परिवार द्वारा प्रायोजक परिवार का स्वागत एवं सम्मान जैन पट्ट द्वारा किया गया। इस मौके पर परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या, सभा मंत्री हेमराज मांडोत,

सभा परामर्शक रोशनलाल मांडोत, संस्थापक अध्यक्ष रतन कटारिया, पूर्व अध्यक्ष पवन बोथरा, पूर्व अध्यक्ष एवं एटीडीसी प्रभारी गौतम खाब्या, निवर्तमान अध्यक्ष अंकुश बैद, परिषद उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, मानव सेव प्रभारी दिनेश धोका, विहार-सेवा प्रभारी दीक्षित बाफना, प्रणव धारीवाल, महावीर देरासरिया की उपस्थिति रही। मंत्री संदीप चौधरी ने आभार ज्ञापित किया।

राज्यपाल ने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की दी मंजूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक बड़े घटनाक्रम में, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में अनियमितताओं के संबंध में शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दे दी। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। कर्नाटक राज्यपाल सचिवालय ने राज्यपाल गहलोत की ओर से इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया।

राज्यपाल के विशेष सचिव आर प्रभुशंकर ने शनिवार को इस संबंध में एक आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि राज्यपाल के निर्देशानुसार, मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए अभियोजन की मंजूरी के अनुरोध पर सक्षम प्राधिकारी के निर्णय की प्रति संलग्न कर रहा हूं। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुमार एसपी, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा ने कथित मुडा भूमि घोटाले के संबंध में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने दावा किया था कि सीएम सिद्धरामैया ने मैसूरु शहर के पास 3.17 एकड़ जमीन पर फर्जी दस्तावेज बनाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और अपनी पत्नी के नाम पर मुडा से 14 साइटें आवंटित कीं। सीएम ने आरोपों का खंडन किया था और कहा था कि अगर राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी जाती है तो कांग्रेस सरकार राजनीतिक और कानूनी रूप से लड़ेगी। कर्नाटक कैबिनेट ने भी एक निर्णय लिया था और राज्यपाल को सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ याचिकाओं को खारिज करने और अभियोजन की मंजूरी नहीं देने की सलाह दी थी।

भाजपा पदयात्रा को मिली सफलता: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि मुडा घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ जांच करने की राज्यपाल की अनुमति भाजपा की पदयात्रा की सफलता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं लड़ रही है। हमारा उद्देश्य अवैधता को उजागर करना और दोषियों को दंडित करना है। आइये जानते हैं क्या सच्चाई है। 86 हजार लोगों ने प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया है और सभी इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस जांच से उन्हें न्याय मिलेगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मुडा घोटाले पर सफाई नहीं दे पाए हैं। सदन में एक स्थायी आदेश की अनुमति दी जानी चाहिए थी और लोगों के बीच भ्रम को दूर किया जाना चाहिए था। इससे दूर भागते ही सभी को संदेह हुआ कि इसमें कुछ है। हर चरण में सिद्धरामैया का दखल देखने को मिला। डी-नोटिफिकेशन, भूमि परिवर्तन, इन सभी चरणों में अपने पद के प्रभाव का उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया है कि यह एक बड़ा घोटाला है। अब कांग्रेस द्वारा नफरत की राजनीति करने का कोई मतलब नहीं है। हमारी मांग है कि मुख्यमंत्री इस्तीफा दें, सीबीआई जांच हो और सभी प्लॉट वापस किये जाएं। उन्होंने कहा कि हमारी मांग विस्थापितों को न्याय दिलाने की है। जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब तत्कालीन राज्यपाल ने एक निजी शिकायत की जांच की अनुमति दी थी। क्या आप सहमत हैं कि तब कांग्रेस शामिल थी? अब सीएम को नैतिक जिम्मेदारी पर इस्तीफा दे देना चाहिए। सिद्धरामैया दिखाएं कि येदियुरप्पा ने तब क्या किया था। राज्यपाल सरकार का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस ने उनका विरोध किया तो वह संविधान का अनादर करेंगे। विकास विहीन कांग्रेस हाईकमान के लिए एटीएम का काम कर रही है। उन्होंने शिकायत की कि सरकार के पास तुंगभद्रा जलाशय के गेट की मरम्मत के लिए भी पैसे नहीं हैं। कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का काम भाजपा नहीं कर रही है। उन्होंने साफ किया कि अगर कांग्रेस पार्टी के विधायक पलट जाते हैं तो हम जिम्मेदार नहीं हैं।

सिद्धरामैया के खिलाफ

मुकदमा चलाने की अनुमति देना भाजपा, केंद्र और आरएसएस की साजिश: दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा भूखंड आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देना भाजपा, केंद्र और आरएसएस की साजिश है। यहां शनिवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में उन्होंने कहा भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। हम पहले से ही जानते थे कि यह एक साजिश है। मोदी सरकार सभी संवैधानिक पदों को नष्ट कर रही है और ईडी, आईटी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। राज्यपाल का कार्यालय अब भाजपा कार्यालय बन गया है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी, जिन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। इससे पता चलता है कि राज्यपाल कितने निचले स्तर पर गिर गए हैं। राज्यपाल भाजपा की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। हम इस लड़ाई को कानूनी तौर पर लड़ेंगे। मुख्यमंत्री न तो डिगेंगे और न ही झुकेंगे। दिनेश गुंडू राव ने आरोप लगाया कि भाजपा इतने निचले स्तर पर गिर गई है कि वे गरीबों के लिए खड़े होने वाले एक नेता को नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यपाल गहलोत का व्यवहार सही नहीं था। हमें यह तब पता चला जब उन्होंने मुडा घोटाले को लेकर सीएम को कारण बताओ नोटिस जारी किया। यह सब मोदी और अमित शाह के कार्यालय से संचालित है। मंत्री ने कहा कि जनता भाजपा के कुकृत्यों का भी मुंहतोड़ जवाब देगी। वे (भाजपा) निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने क्या गलती की है। उन्होंने कहा मुडा भूमि अधिग्रहण भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुआ था। भाजपा द्वारा इस लक्ष्य को हासिल करने से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अधिक शक्तिशाली हो जाएंगे। येदियुरप्पा और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बीच तुलना पर राव ने कहा न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े लोकायुक्त के रूप में पहले ही येदियुरप्पा के भ्रष्टाचार के खिलाफ रिपोर्ट दे चुके हैं। येदियुरप्पा और सिद्धरामैया के बीच कोई तुलना नहीं है। तत्कालीन राज्यपाल ने येदियुरप्पा के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने में जल्दबाजी की थी। येदियुरप्पा एक बेहद भ्रष्ट नेता हैं जो कई मामलों में शामिल रहे हैं। भाजपा ने खुद उनके भ्रष्टाचार के कारण उन्हें दो बार सत्ता से बाहर किया था। उन्होंने कहा, मुडा घोटाले के खिलाफ भाजपा की पदयात्रा एक बहुत बड़ा फ्लॉप शो था, जबकि मैसूरु में हमारी रैली एक बड़ी सफलता थी। इसका उपचुनावों से कोई लेना-देना नहीं है। यह सिद्धरामैया को गिराने की सबसे बड़ी साजिश है। हम अंत तक इसके खिलाफ लड़ेंगे।

भाजपा ने सीएम के खिलाफ मंजूरी की सराहना की

राज्यपाल सरकार को अस्थिर करने के लिए केंद्र के हथियार के रूप में कर रहे काम: कांग्रेस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने के कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के फैसले पर शनिवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। दो वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों - उद्योग मंत्री एमबी पाटिल और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने के राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के फैसले की कड़ी निंदा की और इसे सत्ता का घोर दुरुपयोग और कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए राजभवन को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना बताया है। उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने आरोप लगाया राज्यपाल द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता टीजे अब्राहम की याचिका को मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने का फैसला सरकार को गिराने की साजिश का हिस्सा है। शनिवार को बेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि अब्राहम द्वारा राज्यपाल को शिकायत सौंपे जाने के तुरंत बाद मुख्य सचिव ने राजभवन को विस्तृत स्पष्टीकरण दे दिया था। उन्होंने कहा हालांकि, राज्यपाल ने अगले ही दिन जल्दबाजी में कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। जब कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, तो हमें राज्यपाल की भूमिका पर संदेह था। उन्होंने नोटिस वापस लेने के लिए राज्य मंत्रिमंडल की सख्त सलाह की अनदेखी करने के लिए राज्यपाल की आलोचना की। पाटिल ने कहा कि राजभवन ने जेडीएस नेता एच डी कुमारस्वामी और भाजपा मंत्री शशिकला जोले के खिलाफ इसी तरह की याचिकाओं को एक साल से अधिक समय तक नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा जब भाजपा नेताओं द्वारा प्रस्तुत की गई इन शिकायतों को एक साल से अधिक समय तक ठंडे बस्ते में रखा गया, तो अनुमति देने की इतनी जल्दी क्या थी? उन्होंने कहा कि मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप निराधार हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा दिल्ली, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। यह रणनीति अब कर्नाटक में शुरू हो गई है, जिसका पूरी तरह से विरोध किया जाएगा। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने कहा कि जब राज्य में भाजपा सत्ता में थी, तब मुडा ने सिद्धरामैया की पत्नी को 14 जगहें आवंटित की थीं और मुडा के सदस्यों में भाजपा के विधायक भी शामिल थे, जिन्होंने जगहें आवंटित करने का संकल्प लिया था।

उन्होंने चेतावनी दी कि स्पष्ट बहुमत वाली संवैधानिक सरकार को गिराने के प्रयासों का विरोध किया जाएगा। इस बीच, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने एक्स पर कहा राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुडा घोटाले की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए अपनी संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग किया है। कांग्रेस सरकार के भीतर भ्रष्टाचार और पक्षपात के पर्याप्त सबूत और गंभीर आरोपों को देखते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पद छोड़ दें। इस्तीफा देने से पारदर्शी और निष्पक्ष जांच हो सकेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि मुख्यमंत्री के कार्यालय की गरिमा बनी रहे और न्याय मिले।

निखिल ने सीएम के इस्तीफे की मांग की

इस बीच, राज्य युवा मोर्चा जेडीएस नेता निखिल कुमारस्वामी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की अनुमति भाजपा-जेडीएस संघर्ष की जीत है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के पास कोई और विकल्प नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि सिद्धरामैया के इस्तीफा देने तक भाजपा-जेडीएस अपना संघर्ष जारी रखेगी। एक बड़े घटनाक्रम में, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने शनिवार को मुडा में कथित अनियमितताओं के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी।

प्रशिक्षु डॉक्टर से बलात्कार और हत्या का विरोध

डॉक्टरों ने बेंगलूरु, तुमकुरु, मांड्या, मैसूरु, कोलार और अन्य केंद्रीय स्थानों पर किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोलकाता में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में शनिवार को 24 घंटे के राष्ट्रीय और राज्यव्यापी डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के कारण बाहरी मरीज इलाज के लिए संघर्ष करते रहे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई भयावह घटना की निंदा करते हुए देश भर के डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में, ओपीडी सेवाएं बाधित हो गई और मरीज संघर्ष कर रहे थे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने सुबह 6 बजे से 24 घंटे के लिए देश भर में गैर-आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को बंद करने की घोषणा की थी। इसमें कहा गया कि विरोध के बावजूद सभी आवश्यक सेवाएं और घायलों को बहाल रखा जाएगा।

आईएमए ने कहा कि आरजी कर की घटना ने अस्पताल में हिंसा के दो आयामों को सामने ला दिया है। महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थानों की कमी के कारण अपराध का बर्बर पैमाने और समन्वित सुरक्षा प्रोटोकॉल की कमी के कारण गुंडागर्दी। अपराध और बर्बरता ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। बयान में कहा गया है कि आज चिकित्सा समुदाय और राष्ट्र दोनों पीड़ित हैं, डॉक्टरों और अस्पतालों के खिलाफ हिंसा को संबोधित करने के लिए एक महत्वपूर्ण नीति की आवश्यकता है। डॉक्टरों का निकाय प्रस्तावित अस्पताल संरक्षण विधेयक, 2019 में संचारी रोग अधिनियम, 1897 में 2023 संशोधनों को शामिल करने के लिए एक केंद्रीय अधिनियम पर जोर दे रहा है। इसमें कहा गया है कि इस कदम से 25 राज्यों में मौजूदा कानून मजबूत होगा। इस स्थिति में, आईएमए ने सुझाव दिया कि कोविड महामारी के दौरान बनाए गए अध्यादेश की तरह एक अध्यादेश उचित होगा। आईएमए ने मांग की है कि अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए और पहले चरण में सुरक्षा योग्यताएं अनिवार्य की जाएं। सभी अस्पतालों के सुरक्षा प्रोटोकॉल किसी हवाई अड्डे से कम नहीं होने चाहिए। पहला कदम अनिवार्य सुरक्षा योग्यताओं के साथ अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित करना है।

इसमें कहा गया है कि सीसीटीवी, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और प्रोटोकॉल का पालन किया जा सकता है। इसने रेजिडेंट डॉक्टरों के काम करने और रहने की स्थिति में पूरी तरह से बदलाव लाने का आह्वान किया, जिसमें 36 घंटे की ड्यूटी शिफ्ट और जहां पीड़िता थी, वहां आराम करने के लिए सुरक्षित स्थानों की कमी शामिल थी। हड़ताली डॉक्टरों ने एक निश्चित समय सीमा के भीतर कोलकाता की भयावहता की गहन जांच करने और अस्पताल परिसर की बर्बरता में शामिल लोगों की पहचान करने और उन्हें देश के लिए अनुकरणीय सजा के साथ न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया है। डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर, राज्य भर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को आपातकालीन उपचार नहीं मिलने से जूझना पड़ा, जबकि केसी जनरल अस्पताल, ईएसआई और राजधानी बेंगलूरु के अन्य अस्पतालों में ओपीडी बंद कर दी गई, जिन मरीजों को तत्काल उपचार की आवश्यकता थी, उनकी जांच की गई। चूंकि नेलमंगला में सार्वजनिक अस्पताल पूरी तरह से बंद था, एक बुजुर्ग दंपति का दृश्य जो ऑटो में आया और उचित सलाह के बिना अस्पताल परिसर में कुछ घंटों तक डॉक्टर का इंतजार करता रहा, दिल दहला देने वाला था। केसी जनरल अस्पताल में पहुंचने वाले मरीज आपातकालीन उपचार के लिए अपना नाम पंजीकृत कराने के लिए कतार में इंतजार कर रहे थे। अस्पताल में भर्ती मरीजों का इलाज सामान्य तरीके से किया जा रहा है, लेकिन बाहरी मरीजों का इलाज बंद कर दिया गया है, जिससे मरीजों को परेशानी हो रही है।

आपातकालीन उपचार और दुर्घटना उपचार हमेशा की तरह किए गए। डॉक्टरों ने बेंगलूरु, तुमकुरु, मांड्या, मद्दूर, मैसूरु, चिकबल्लापुर, कोलार और अन्य केंद्रीय स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे बाह्य रोगी उपचार में समस्याएं पैदा हुईं। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने डॉक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मरीजों को कोई परेशानी न हो और डॉक्टरों ने आपातकालीन मरीजों का इलाज किया। विरोध के मद्देनजर एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग ने डॉक्टरों को छुट्टी न देने का सख्त सर्कुलर जारी किया और ड्यूटी पर आए डॉक्टरों ने भर्ती मरीजों और आपातकालीन मरीजों का इलाज किया।

बेंगलूरु समेत राज्य भर में अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में मानसून का दूसरा चरण शुरू हो गया है, जिसके लिए राज्य भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी किया है। आईएमडी अधिकारियों के अनुसार 20 अगस्त तक कर्नाटक में भारी बारिश होने की संभावना है। सिलिकॉन सिटी, बेंगलूरु में अगले पांच दिनों तक बारिश का कहर जारी रहने का अनुमान है, साथ ही मलनाड और राज्य के उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में भी भारी बारिश होने की संभावना है। उडुपी, बीदर, शिवमोग्गा, दक्षिण कन्नड़, कलबुर्गी, यादगीर, विजयपुरा और दावणगेरे जिलों में बारिश का अलर्ट घोषित किया गया है। कर्नाटक के दक्षिणी आंतरिक भागों में भी भारी बारिश होने की संभावना है। नतीजतन, कुछ जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ने की संभावना है, साथ ही अगले दो दिनों में बांधों में जल स्तर और बढ़ने की उम्मीद है। खास तौर पर, बीदर के ओराद में शुक्रवार को 5 सेमी बारिश हुई, जबकि हुक्केरी में भी 5 सेमी, चित्रदुर्ग में 7 सेमी और चामराजनगर और बांदीपुर में 5 सेमी बारिश दर्ज की गई। बेंगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण, कोलार, मैसूरु, शिवमोग्गा, हासन, मांड्या, रामनगर और चामराजनगर सहित दक्षिणी कर्नाटक के अधिकांश जिलों को आईएमडी ने बारिश की चेतावनी दी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने मुडा घोटाले में सीएम पर मुकदमा चलाने की मंजूरी के बीच समर्थन का दिया आश्वासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के बाद कांग्रेस हाईकमान ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से बात की। सूत्रों ने पुष्टि की कि एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और के.सी. वेणुगोपाल ने सीएम सिद्धरामैया को व्यक्तिगत रूप से फोन किया और उन्हें आश्वासन दिया कि इस समय हाईकमान उनके साथ है। उन्होंने सीएम सिद्धरामैया को सांत्वना दी और उन्हें शांत रहने तथा मुश्किल समय में हिम्मत न हारने को कहा। उन्होंने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि वे मंजूरी आदेश से कानूनी रूप से निपटेंगे। सूत्रों ने पुष्टि की कि हाईकमान ने उन्हें राज्यपाल के फैसले के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने के निर्देश दिए। इस बीच, कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग फोरम के सदस्य सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के फैसले के खिलाफ बेंगलूरु में सड़कों पर उतर आए। सदस्यों ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत को पिछड़े वर्गों के हितों के खिलाफ बताते हुए पोस्टर लिए और उनके पोस्टर भी जलाए।

उन्होंने विरोध प्रदर्शन में टायर भी जलाए। दूसरी ओर, अभियोजन की मांग करते हुए राज्यपाल से शिकायत करने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक प्रदीप कुमार एस.पी. ने शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष एक कैविएट याचिका दायर की, जिसमें प्रार्थना की गई कि उनका पक्ष सुने बिना अभियोजन के लिए सहमति के निर्णय के संबंध में कोई अंतरिम स्थगन आदेश जारी न किया जाए। प्रदीप ने कहा कि जब घोटाला हुआ, तब सीएम सिद्धरामैया उपमुख्यमंत्री और मैसूरु के प्रभारी मंत्री थे। सीएम सिद्धरामैया मुडा के सदस्य हैं। उन्हें प्रक्रियाओं के बारे में व्यक्तिगत जानकारी और पूरी जानकारी है और उन्होंने बहुत ही चतुराई से पहले अपने साले के नाम पर और फिर अपनी पत्नी के नाम पर जमीन पंजीकृत करवा ली। पंजीकरण प्रक्रिया सरकारी गेस्ट हाउस में की जाती है। 2004 में आरटीसी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आवंटित भूमि कृषि भूमि नहीं थी और पहले से ही विकसित थी। अगर सीएम सिद्धरामैया में कोई नैतिकता है, जिन्होंने दावा किया कि उनके पूरे करियर में कोई काला धब्बा नहीं है और वे दलितों और पिछड़ों के चैंपियन हैं, तो उन्होंने एक दलित की जमीन कैसे छीन ली। वे पिछड़े वर्गों के नेता कैसे हो सकते हैं? उन्होंने अभियोजन पक्ष की मांग को असंवैधानिक बताते हुए राज्यपाल को सलाह देने के कैबिनेट के फैसले की भी आलोचना की। मामला सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ व्यक्तिगत आरोपों से जुड़ा है। व्यक्तिगत मुद्दे से कैबिनेट का क्या लेना-देना है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ जांच संभवतः मैसूरु लोकायुक्त द्वारा की जाएगी।

राजभवन का दुरुपयोग कर रही है केंद्र सरकार: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा अभियोजन की अनुमति दिए जाने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफा देने का मुद्दा ही नहीं उठता। कांग्रेस के सभी मंत्री और विधायक मुख्यमंत्री के साथ हैं। हेब्बालकर ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि सिद्धरामैया ने कोई गलत काम नहीं किया है और भाजपा ने उन पर मुडा घोटाले का आरोप लगाया है। मंत्री ने कहा भगवा पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए राज्यपाल और राजभवन के कार्यालय का दुरुपयोग करने के लिए जानी जाती है। कांग्रेस नेता ने आगे आरोप लगाया कि वे विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली सरकारों को हटाने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया चार दशकों से अधिक समय से राजनीति में हैं और उन पर कोई कलंक नहीं लगा है। मुडा घोटाले की जांच चल रही थी और रिपोर्ट आने से पहले राज्यपाल ने अभियोजन की अनुमति दे दी। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह कदम एक राजनीतिक जादू-टोना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की अनुमति से सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा और सिद्धरामैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे।

मनुष्य विवेक से काम लेः साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरूधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रद्या जी ने कहा कि जिस मानव ने इस धरती पर मानव देह पाकर भी कोई काम भला नही किया हो, कोई यश प्राप्त करे जैसा एक भी काम नही किया, अपने हाथों से दान नही दिया और कोई सुकृत, भलाई, परोपकार सेवा का कार्य नही किया तो वह व्यक्ति जिन्दा होते हुए भी मृत के समान है। जिसने नेत्र होते हुए भी सम्यक ज्ञान प्राप्त नहीं किया, विवेक प्राप्त नहीं किया तो वो प्राणी नेत्र होते हुए भी अंधे के समान है। जो पाप करके हंसता हैं, एक दिन फिर उसे अवश्य ही रोते हुए अपने किए पाप-कर्मो का भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु महावीर ने उत्तराध्ययन सूत्र में फरमाया है कि जीवन के मरण काल में जगत का सारा धन और इतनी बड़ी पृथ्वी भी तुम्हें बचाने में असमर्थ हैं, यह पास में रहा सारा धन और यह जगत के भौतिक पदार्थ, स्वजन-परिजन सब मानव की रक्षा करने में सहायक नहीं होते हैं। व्यक्ति के किए कर्म ही अंत में जीव के साथ जाते हैं। चक्रवर्ती का पद और इन्द्र का वैभव भी मिल जाये लेकिन संतोष का आत्मिक गुण जीवन में नहीं तो सब व्यर्थ है। शरीर नर और पशु दोनों को मिला हैं लेकिन दोनों की आकृति और प्रकृति में भिन्नता है। पशु में सोचने- समझने की शक्ति नहीं हैं। लेकिन इंसान में सोचने-समझने की शक्ति होते हुए भी यदि उसे विनय - विवेक संतोष के साथ जीवन जीने की कला नही आयी तो फिर उस मनुष्य और पशु में कोई फर्क नहीं रह जाता है।

भाजपा को मेरा इस्तीफा मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

कांग्रेस सरकार राज्यपाल द्वारा अभियोजन की अनुमति दिए जाने के खिलाफ लड़ेगी कानूनी लड़ाई: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुडा घोटाले में अभियोजन की अनुमति दिए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने का दावा करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस फैसले को असंवैधानिक करार दिया है और राज्यपाल पर विधिवत निर्वाचित सरकार को गिराने के लिए केंद्र की कठपुतली के रूप में काम करने का आरोप लगाया है। राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता टी जे अब्राहम को कथित मुडा घोटाले में अभियोजन की अनुमति दिए जाने के बाद शनिवार को बेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा और जद (एस) तथा राज्य के कुछ विपक्षी नेताओं ने कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए षड्यंत्र रचा है, क्योंकि उत्तराखंड, झारखंड और दिल्ली की सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया मेरे खिलाफ अभियोजन शुरू करने के लिए कोई अनियमितता या कारण नहीं है। हम राज्यपाल के फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं उठता और राज्यपाल पर आरोप लगाया कि शिकायत मिलने के दिन ही उन्होंने कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। कांग्रेस के सभी विधायक, कैबिनेट मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय नेता पूरी तरह से मेरे पीछे हैं। यह एक राजनीतिक साजिश है। राज्यपाल केंद्र की कठपुतली हैं। भाजपा को मेरा इस्तीफा मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा नेता सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की सफलता और चुनाव पूर्व गारंटी के वादों के क्रियान्वयन से ईर्ष्या करते हैं, जिसका लोगों ने व्यापक रूप से स्वागत और सराहना की है। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सामाजिक न्याय और लोगों की समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से गारंटी के खिलाफ है।

उन्होंने जेडी(एस) पर भी भाजपा के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया, जिसने लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा से हाथ मिलाया है। सिद्धरामैया ने कहा राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी, भाजपा मंत्रियों मुरुगेश निरानी, शशिकला जोले और खनन कारोबारी जनार्दन रेड्डी के खिलाफ शिकायतों पर एक साल से अधिक समय तक कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने बताया कि यहां तक कि लोकायुक्त ने भी नवंबर में कुमारस्वामी द्वारा दी गई अवैध खनन अनुमतियों की जांच करने की अनुमति मांगी थी। राज्यपाल ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

मान, अंहकार से विनय गुण का होता है नाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि हमें छोटा जीवन मिला है, माता पिता के मन में खुशियों का फूल खिला है।

फूल मुरझाने से पहले अपने छोटे से जीवन में प्रीति के सौरभ में आत्मा को भावित कर लेना चाहिए। आगम दशवैकालिक में क्रोध से प्रीति का नाश होता है। संसार में परस्पर व्यवहार में प्रीतियोग से ही जीवन में मीठास रहती है। प्रीति में निस्वार्थ प्रेम हितकारी चिन्तन तथा परस्पर सहयोग देते हैं और लेते भी है। द्वेष का बड़ा पुत्र क्रोध है, छोटा अंहकार है, ये दोनों जिस घर परिवार में आ जाते है वहाँ आग की जरूरत नहीं रहती है। ये दोनों आत्मा को नित्य गर्मी (अग्नि) देते ही रहते हैं। प्रीति से परिवार पलता है अभ्युदय होता है। क्रोध से परिवार का विकास रुकता है। भगवान महावीर ने कहा है कि क्रोध से प्रीति का नाश होता है, मान- अंहकार से विनय गुण का नाश होता है।

क्रोधी नहीं सहनशील बनो विषय पर कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित बेंगलूरु महिला मंडल गांधीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संस्कार शाला का पहला चरण क्रोधी नहीं सहनशील बनो विषय पर शनिवार को चामराजपेट स्थित जेएसएस कस्तूरबा स्कूल में कार्यशाला आयोजित किया गया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत अध्यक्ष रिजु डुंगरवाल ने किया। मुख्य प्रशिक्षिका पूर्व अध्यक्ष निर्मला गादिया ने विद्यार्थियों को ज्ञान मुद्रा के द्वारा महाप्राण ध्वनि, श्वास की प्रक्रिया, ध्यान का प्रयोग, लाफ्टर योगा के द्वारा हम क्रोध को कैसे शांत करके सहनशील बन सकते हैं, का प्रशिक्षण देते हुए कहा हम जो चाहते हैं वह नहीं मिलता या शिक्षक के डांटने, ज्यादा भूख लगने पर, दोस्तों के साथ झगड़ा होने पर, कोई हमें नीचा दिखाएं तब गुस्सा आना सहज है। लेकिन उसे रोकने का प्रयास करना चाहिए। क्रोध करने से बहुत सी हानियां होती है। वहीं मौन रहने से वह अपनी ओर आकर्षित होते हैं। गुस्से से हम अपने पर, अपनी भाषा पर, अपनी परिस्थिति पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। गुस्सा एक भावनात्मक विचार है भावनाओं को बदलने से हम शांत हो सकते हैं, गुस्सा आने पर वह स्थान छोड़ दें, ठंडा पानी पिए, प्रतिक्रिया न करें, एक से 10 तक गिनती करें। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण के बाद सवालों के जवाब दिए। ट्रस्टी मंजुला प्रसाद ने मंडल के कार्यों की सराहना की। विद्यार्थी हर रोज प्रायोगिक प्रशिक्षण करेंगे इसका आश्वासन दिया। पीटी मास्टर प्रभु देवा ने मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों में नोटबुक्स का वितरण किया गया।। संयोजिका तारा सेठिया का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर संतोष सोलंकी, लीला सेठिया, ममता सेठिया की उपस्थिति रही।

भक्तजनों ने भगवान शिव की आरधना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री कुमावत समाज कॉटन पेट भवन में श्रावण मास की जागरण हुई। भजन संध्या का आगाज गायक मुखी राम बंजारा ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कृष्णा गौशाला के संचालन और माताजी परम भक्त पुखराज महाराज और बर आश्रम से पधारे देव ऋषि महाराज का सम्मान किया गया। समाज के अध्यक्ष माणिकचंद सीदड, उपाध्यक्ष राजूराम अडानिया ने सम्मान किया। संचालन सम्पतज चांदोरा ने किया। इस अवसर पर प्रसादी का अयोजन रखा गया। जागरण

के लाभार्थी कालूराम एकलिया, सम्पतराज चांदोरा, महेन्द्र नाराणिया, हनुमान नागोरा, चम्पालाल लारना रहे।

क्रिकेट के साथ ध्वजारोहण समारोह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बोम्मनहल्ली देवरचिकनहल्ली क्रिकेट क्लब की तरफ से हर साल की तरह इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाई गई। इसमें राष्ट्रगान के साथ मां सरस्वती की पूजा करते हुए ध्वजारोहण किया गया। मिठाई बांटी गई। साथ ही फ्रेंडशिप क्रिकेट मैंच का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर प्रकाश कुमावत, रामपाल माली, रामनिवास माली, संदीप कुमावत, देवेश कुमावत, प्रकाश नारानिया, सुरेश, लक्ष्मणराम माली, राकेश प्रजापत, कुलदीप जांगिड, राकेश सीरवी, जगदीश, मनोहर माली सुरेश आदि उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राजाजीनगर संघ ने सात दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा में सूरत में विराजित श्रमण संघीय आचार्य डॉ शिवमुनि, सोजत में विराजित प्रवर्तक सुकनमुनि, भीम में विराजित उप प्रवर्तक विनयमुनि एवं गौतममुनि गुणाकर, मंगलवाड में विराजित उप प्रवर्तक कोमलमुनि, उदयपुर में विराजित साध्वी उमरावकंवर एवं साध्वी संयमलता, मुंबई में विराजित साध्वी कुमुदलता, सूरत में विराजित साध्वी इन्दुप्रभा एवं साध्वी मनीषा व अन्य साधु साध्वीवृन्द के दर्शन का लाभ लिया। इस अवसर पर राजाजीनगर संघ से मंत्री नेमीचंद दलाल, पूर्व उपाध्यक्ष शांतिलाल चाणोदिया, किशोर दलाल, पूर्व मंत्री ज्ञानचंद लोढ़ा व अन्य उपस्थित रहे।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *परीनिहास इवेंट्स द्वारा हंपी नगर ग्रंथालय में आयोजित सुपर वुमन फैशन शो कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर इवेंट्स के शंकर एवं अन्य लोग मौजूद थे।*

मुंबई हमले में शामिल तहव्वुर राणा को झटका भारत प्रत्यर्पित करने का रास्ता खुला

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

26/11 मुंबई हमले में शामिल तहव्वुर हुसैन राणा को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर हुसैन राणा को कैलिफोर्निया की एक अदालत ने झटका देते हुए फैसला सुनाया है कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि है और इसके तहत तहव्वुर हुसैन राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

मामले की सुनवाई करने वाली अपीलीय अदालत ने अपने फैसले में कहा है, भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को प्रत्यर्पित किए जाने की अनुमति है। तहव्वुर हुसैन राणा (63) ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी और अमेरिका के अपीलीय अदालत में याचिका की थी। अदालत ने तहव्वुर हुसैन राणा की याचिका खारिज कर दी। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आतंकवादी हमलों में उसकी कथित भागीदारी को लेकर उसे भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। पैनल ने माना कि तहव्वुर हुसैन राणा का कथित अपराध संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आता है।

इस फैसले के बाद तहव्वुर राणा के जल्द भारत प्रत्यर्पित किए जाने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। तहव्वुर राणा साल 2008 के मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमले में वांछित है। तहव्वुर हुसैन राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी है।

उस पर भारत की आर्थिक राजधानी मुबई में हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकवादी संगठन को मदद देने के भी गंभीर आरोप हैं। अदालत ने राणा को एक विदेशी आतंकवादी संगठन को सहायता प्रदान करने के अलावा डेनमार्क में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की नाकाम साजिश रचने का भी दोषी ठहराया। हालांकि, राणा के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। भारत में अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए राणा के पास सभी कानूनी विकल्प खत्म नहीं हुए हैं। बता दें कि साल 2008 में पाकिस्तान से नाव के जरिए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकी मुंबई में दाखिल हुए थे। उन आतंकियों ने करीब 60 घंटे तक मुंबई को बंधक बनाए रखा था। इस दौरान आतंकियों ने 160 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना में 26 विदेशी नागरिक भी मारे गए थे। इस हमले से पूरा देश स्तब्ध रह गया। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए नौ आतंकियों को मार गिराया। जबकि, एक आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा गया। जिसे बाद में फांसी की सजा सुनाई गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सेना में पूर्व चिकित्सा अधिकारी तहव्वुर हुसैन राणा 1990 में कनाडा चला गया था। शिकागो जाने से पहले वह कनाडा का नागरिक बन गया।

झारखंड में सरकारी नौकरी की परीक्षाएं और रिजल्ट टाले जाने से नाराज छात्र सड़क पर उतरे

रांची, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड में स्टाफ सेलेक्शन कमीशन कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (एसएससी-सीजीएल) एग्जाम सहित सरकारी नौकरी की अन्य परीक्षाएं बार-बार टालने और कई परीक्षाओं के रिजल्ट लंबे समय से पेंडिंग रखे जाने से नाराज छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा।

शनिवार को रांची में राज्यभर से बड़ी संख्या में जुटे छात्र मोरहाबादी मैदान के पास सड़क पर घंटों जमे रहे। छात्रों ने सीएम आवास घेरने का ऐलान किया था, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद दोपहर 12 बजे से छात्र सड़क पर ही बैठकर नारेबाजी करने लगे। जेएसएससी की ओर से स्टाफ सेलेक्शन कमीशन कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल को बार-बार टाले जाने से छात्रों में सबसे ज्यादा नाराजगी है। हालांकि, जेएसएससी ने 21 एवं 22 सितंबर को परीक्षा की तिथि की घोषणा की है। प्रदर्शन करने वाले छात्रों का कहना है कि इन तारीखों में यूपीएससी और झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षाएं पहले से निर्धारित हैं। ऐसे में इस परीक्षा की तारीखें एक बार फिर टलनी तय है। इस परीक्षा की तारीख पहले अठारह बार टल चुकी है। एक बार परीक्षा ली गई तो उसका पेपर लीक हो गया।

छात्रों का कहना है कि झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन नौ साल से एक ही परीक्षा पर अटका है और इस बीच छात्रों की एज एक्सपायर हो रही है। कई अन्य परीक्षाओं के नाम पर भी मजाक हो रहा है। झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की मुख्य परीक्षा का परिणाम महीनों से पेंडिंग रखा गया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सीटें बेचने और अपने लोगों को बैक डोर से नौकरियां देने की साजिश के तहत इस तरह का खिलवाड़ हो रहा है। शाम पांच बजे तक सड़क पर जमे छात्र मांग कर रहे थे कि सीएम हेमंत सोरेन, सरकार का कोई मंत्री या मुख्य सचिव स्वयं आकर आश्वस्त करें कि जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा की प्रक्रिया विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले पूरी हो जाएगी, तभी वे यहां से हटेंगे।

धनखड़ का उद्योग और व्यापार क्षेत्रों से स्थानीय उत्पादन को प्राथमिकता देने का आग्रह

नेल्लोर (आंध्र प्रदेश), 17 अगस्त (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां उद्योग, व्यापार और वाणिज्य क्षेत्रों से अनावश्यक आयातों के बजाय स्थानीय उत्पादन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

श्री धनखड़ ने स्वदेशी के एक पहलू और स्थानीय लोगों के लिए मुखर होने के प्रतिबिंब के रूप में आर्थिक राष्ट्रवाद की अवधारणा पर जोर देते हुए अर्थव्यवस्था पर अनावश्यक आयात के नकारात्मक प्रभाव को उजागर किया जिसमें विदेशी मुद्रा की निकासी और भारतीय श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसरों का नुकसान शामिल है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, कालीन, वस्त्र और खिलौनों जैसी आयातित वस्तुओं पर हमारी निर्भरता न केवल हमारी विदेशी मुद्रा को विदेश भेज रही है बल्कि घरेलू उद्यमिता के विकास में भी बाधा डाल रही है। उन्होंने उद्योग से स्थानीय उत्पादन का समर्थन करके इस मुद्दे को हल करने की अपील की जो बदले में भारतीय श्रमिकों को काम प्रदान करेगा और उद्यमिता को बढ़ावा देगा।

उपराष्ट्रपति ने यहां के निकट वेंकटचलम में स्वर्ण भारत ट्रस्ट की 23वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राकृतिक संसाधनों के इष्टतम उपभोग की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया और नागरिकों से वित्तीय शक्ति के बजाय आवश्यकता के आधार पर संसाधनों का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक ताकत से प्रेरित प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बड़ा खतरा है। बेतहाशा खर्च के खिलाफ चेतावनी देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस तरह की हरकतें भविष्य की पीढ़ियों की भलाई को खतरे में डाल देंगी। उन्होंने कहा, अगर हम पैसे की ताकत के आधार पर अनावश्यक रूप से खर्च करते हैं तो हम भविष्य की पीढ़ी को खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने मूल्य संवर्धन के बिना लौह अयस्क जैसे कच्चे माल के निर्यात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रथा न केवल रोजगार की संभावनाओं को कम करती है बल्कि देश के आर्थिक ढांचे को भी कमजोर करती है।

उन्होंने कहा, हमारे लौह अयस्क को बिना किसी अतिरिक्त मूल्य के बंदरगाहों से निकलते देखना दुखद है। एक राष्ट्र के रूप में हम दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों पर आसान और त्वरित धन को प्राथमिकता नहीं दे सकते। श्री धनखड़ ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के प्रति अपनी प्रशंसा और सम्मान व्यक्त करते हुए राष्ट्र के कल्याण के लिए श्री नायडू के आजीवन समर्पण को उजागर किया, उनके सार्वजनिक जीवन को आकार देने वाले आदर्शों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। समारोह में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, समीरा नजीर, वेंकैया नायडू, उषा नायडू, मंत्री आनम रामनारायण रेड्डी, पी नारायण शामिल हुए।

भारत में मंकीपॉक्स का फिलहाल कोई मामला नहीं, स्थिति पर कड़ी नजर : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि वह मंकीपॉक्स की स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है। साथ ही बीमारी के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए तैयारी और सावधानी के उपाय किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में फिलहाल मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) का कोई मामला सामने नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया कि अत्यधिक सावधानी के तौर पर कुछ उपाय किए जाएं। सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य इकाइयों को संवेदनशील बनाने के साथ-साथ परीक्षण प्रयोगशालाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं को तैयार किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंकीपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित करने के मद्देनजर यह बैठक बुलाई गई थी।विश्व स्तर पर, 2022 के बाद से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 116 देशों में मंकीपॉक्स के कारण 99,176 मामले और 208 मौतें दर्ज की हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2022 की घोषणा के बाद से, मार्च 2024 में आखिरी मामले के साथ भारत में कुल 30 मामले पाए गए थे।

केंद्र ने कहा कि स्थिति की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक संयुक्त निगरानी समूह की बैठक आयोजित की गई। हालांकि आने वाले हफ्तों में बाहर से आने वाले मामलों का पता चलने की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया गया है, लेकिन यह आकलन किया गया है कि प्रकोप का जोखिम वर्तमान में भारत के लिए कम है।

स्वीडन और पाकिस्तान में एमपॉक्स के मामलों की रिपोर्ट सामने आने के बाद, संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य अधिकारियों से भारत के प्रमुख हवाई अड्डों पर घातक संक्रामक बीमारी की जांच शुरू करने का आग्रह किया ताकि इसके प्रसार को रोकने में मदद मिल सके। गौरतलब है कि एमपॉक्स एक वायरल बीमारी है, जो आमतौर पर किसी के संपर्क में आने से फैलती है। अब तक कई लोगों में इस तरह का संक्रमण देखा जा चुका है। यह एक तरह से फ्लू जैसी बीमारी है। इससे शरीर में मवाद से भरे दाने भी होते हैं। एमपॉक्स को मंकीपॉक्स के नाम से भी जाना जाता है। अब तक कई देशों में यह वायरस अपना कहर दिखा चुका है। यह ऑर्थोपॉक्स वायरस जींस से संबंधित बीमारी होती है। इस बीमारी की पहचान सबसे पहले 1958 में बंदरों में हुई थी। इसके बाद यह इंसानों में फैलती चली गई।

जहानाबाद भगदड़ कांड में थानाध्यक्ष सहित 11 पुलिसकर्मी निलंबित

जहानाबाद, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार के जहानाबाद जिले के बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर भगदड़ मामले में जिला प्रशासन ने बराबर थानाध्यक्ष समेत 11 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि 12 अगस्त को लगभग 01:00 बजे रात्रि में बराबर पहाड़ी स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के परिसर के पास घटे भगदड़ की घटना की जांच के लिए जिला प्रशासन के द्वारा अपर समहर्ता, आपदा की अध्यक्षता में जांच कमेटी का गठन किया गया था। जांच कमेटी द्वारा 15 अगस्त 2024 को अपनी रिपोर्ट जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक जहानाबाद को सौंपी गई है।

बराबर स्थित श्रावणी मेले के दौरान विधि व्यवस्था के संधारण, भीड़ नियंत्रण एवं मेडिकल व्यवस्था सुचारू रहे इसके लिए दंडाधिकारियों ,पुलिस पदाधिकारियो, पुलिस बल तथा मेडिकल टीम की व्यवस्था/प्रतिनियुक्ति जिला प्रशासन के स्तर से की गई है। भगदड़ की दुखद घटना के दौरान जो भी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/कर्मी कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाए गए हैं अथवा कार्य स्थल पर उपस्थित के बावजूद अपने कार्यों के निर्वहन में असफल रहे हैं ,के विरुद्ध कार्यवाही की अनुशंसा जांच कमेटी द्वारा की गई है। जांच कमिटी से प्राप्त प्रतिवेदन में कर्तव्य निर्वहन में शिथिलता बरतने वाले पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रारंभिक जांच एवं घटना के तुरंत बाद राहत एवं बचाव कार्य में पुलिस बल द्वारा की गई प्रतिक्रिया की समीक्षा की गई। इस समीक्षा के आधार पर पुलिस पदाधिकारी, जिला बल के सिपाहियों, बीए-सएपी एवं बीएचजी द्वारा कर्तव्य निर्वहन में शिथिलता बरतने के आरोप में कुल 48 व्यक्तियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस निर्गत करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की गई है।

सूत्रों ने बताया कि कमिटी के प्रतिवेदन के आलोक में अब तक कुल 11 पुलिस पदाधिकारी/पुलिस कर्मियों के विरुद्ध स्पष्टीकरण मांग करने के पश्चात निलंबित कर विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इनमें 03 पुलिस अवर निरीक्षक, 01 पुलिस अवर निरीक्षक सह थानाध्यक्ष(बराबर थाना), 01 पुलिस सहायक अवर निरीक्षक एवं 6 सिपाही शामिल है। प्रतिनियुक्त सिविल दंडाधिकारियों में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, मखदुमपुर के कार्य स्थल से अनुपस्थित रहने के कारण इनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा जांच कमेटी द्वारा की गई है, जिसके आलोक में इन पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने की अनुशंसा जिला द्वारा संबंधित विभाग को भेजी गई है। साथ ही सिविल सर्जन जहानाबाद एवम् दो चिकित्सकों के विरुद्ध भी आरोप पत्र गठित करते हुए संबंधित विभाग को अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की अनुशंसा जिला से भेजी गई है।

सूत्रों ने बताया कि जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक जहानाबाद के द्वारा अब तक जांच प्रतिवेदन में सामने आए तथ्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्यवाही की जा रही है। तथापि अग्रेतर अन्वेषण में अन्य दंडाधिकारियों/पुलिस पदाधिकारी/पुलिस बल/मेडिकल टीम या अन्य प्रतिनियुक्त कर्मियों के विरुद्ध भी यदि कोई लापरवाही सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी नियमसम्मत अनुशासनात्मक/दंडात्मक कार्यवाही अध्यारोपित की जाएगी।

संदीप घोष दूसरे दिन भी सीबीआई कार्यालय में हुए पेश

कोलकाता, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

आरजी कर अस्पताल में नौ अगस्त को महिला डॉक्टर से बलात्कार और हत्या मामले में तलब किए जाने के बाद शनिवार को अस्पताल के अपदस्थ प्रिंसिपल संदीप घोष सीबीआई कार्यालय पहुंचे। इस बीच सरकारी अस्पतालों के कनिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल लगातार नौवें दिन भी जारी रहने से सरकारी अस्पतालों में अनिश्चित काल के लिए काम बंद है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

घोष ने डॉक्टरों के दबाव के बाद आरजी कर अस्पताल से इस्तीफा दे दिया था इसके बाद उन्हें ममता बनर्जी सरकार ने राष्ट्रीय चित्तरंजन नेशनल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में फिर से नियुक्त कर दिया था। बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश से बाहर कर दिया गया। घोष शुक्रवार को दूसरी बार सुबह 10 बजे सीबीआई दफ्तर में पेश हुये। सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को उठाए जाने के बाद दोपहर 3 बजे सीबीआई ने उनसे 7 घंटे तक पूछताछ की।

घोष जब सीबीआई कार्यालय में प्रवेश कर रहे थे तो उन्होंने मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए पत्रकारों से कहा, मत लिखिए, मुझे सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली से सीबीआई की विशेष टीम ने अब तक अस्पताल के 13 चिकित्सकों से पूछताछ की है। संघीय जांच एजेंसी 31 वर्षीय द्वितीय वर्ष की महिला चिकित्सक के बलात्कार और हत्या के मामले के साथ साथ बाद स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अस्पताल के आपातकालीन भवन के चिकित्सा उपकरणों, दवाओं और दूसरी मंजिल तक बहुमूल्य साक्ष्य और चिकित्सा उपकरण को नष्ट किये जाने के संबंध में जानकारी और सबूत जुटाना चाहती है।

पीड़िता के माता-पिता का मानना है कि उनकी इकलौती बेटी के खिलाफ अपराध में और भी लोग शामिल थे।

उन्होंने कहा कि आरजी कर अस्पताल के अधिकारियों ने उन्हें परेशान किया। उनका कहना है कि उन्हें पहला मोबाइल कॉल (शुक्रवार सुबह 1053 बजे) आया जिसमें स्पष्टीकरण दिया गया कि उनकी बेटी बीमार है और उसे अस्पताल आना चाहिए। बाद में उनके पहुंचने पर बताया गया कि बेटी ने आत्महत्या कर ली है, जिसके बाद वे करीब 12.30 बजे पहुंचे तो उन्हें करीब 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। उन्होंने कहा, हमें समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने हमे अपनी बेटी का शव देखने से इनकार क्यों किया और तुरंत शव को अस्पताल से ले जाया गया।

इस बीच, प्रशिक्षु डॉक्टर की मौत के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा देशभर में 24 घंटे के लिए डॉक्टरों की सेवाएं बंद करने के बाद शनिवार को ओपीडी में काम-काज ठप पड़ गया। आईएमए प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया सभी आवश्यक सेवाएं बहाल रखी जाएंगी। हताहतों को संभाला जाएगा। हालांकि नियमित ओपीडी काम नहीं करेंगी और वैकल्पिक सर्जरी नहीं की जाएंगी। उन सभी क्षेत्रों में जहां भी आधुनिक चिकित्सा डॉक्टर सेवा प्रदान कर रहे वापसी होगी हैं।

रिजिजू ने ओड़ीशा के नवनिर्वाचित सदस्यों को सदन की गरिमा बनाए रखने की दी सलाह

भुवनेश्वर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को ओडिशा विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को सदन की गरिमा बनाए रखने और प्रजातंत्र के हित में सदन में कोई हंगामा नहीं करने की सलाह दी।

ओडिशा विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री रिजिजू ने कहा कि उन्हें सदन में अनुशासन बनाये रखना चाहिए और कोई हंगामा नहीं करना चाहिए। श्री रिजिजू ने भुवनेश्वर पहुंचने के बाद कहा कि वह यहां नवनिर्वाचित सदस्यों के साथ अपने अनुभव बांटने आए हैं, सदस्यों को शिक्षा देने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि वह ओडिशा विधानसभा में युवा और अनुभवी सदस्यों के आपसी तालमेल को देखकर बहुत खुश हैं। यह एक बहुत अच्छा संकेत है।

इस कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, राज्य के संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग, विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

विपक्षी दलों बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री को ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किए जाने के विरोध में ओरिएंटेशन कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया और कहा कि इससे सदन की गरिमा कम होती है। बीजद की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि उनकी पार्टी ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का फैसला किया है क्योंकि केंद्रीय मंत्री को निमंत्रण देना परंपरा का उल्लंघन है और मुख्यमंत्री का पदावनति करके दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार विधानसभा परिसरों में सभी कार्यक्रमों में केवल वे लोग शामिल होते हैं जो ओडिशा से सीधे जुड़े होते हैं। बीजद नेता प्रताप देव ने कहा कि पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं के माध्यम से संसदीय मानदंडों के बारे में अपने नवनिर्वाचित पार्टी नेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए 25 अगस्त को अपने पार्टी मुख्यालय शंख भवन में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

पुलिस भर्ती में 60 हजार नौजवानों को मिलेगा अवसर

20 प्रतिशत महिलाओं की होगी नियुक्तिः सीएम योगी

जिला स्तरीय रोजगार व ऋण मेले में शरीक हुए सीएम

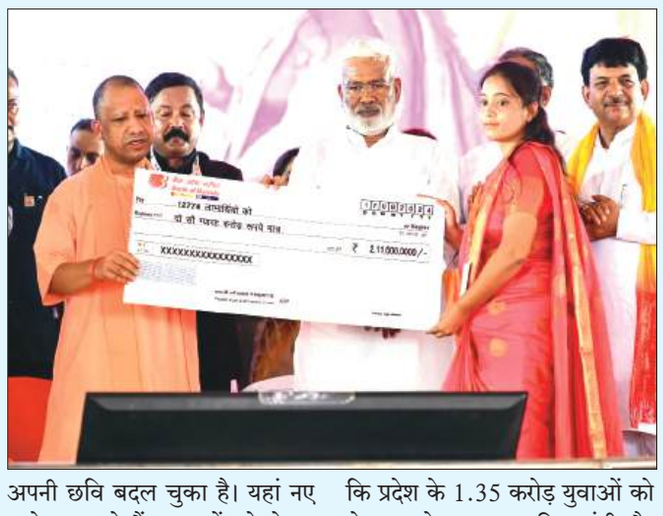

अंबेडकर नगर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में अगस्त महीने की 5 तारीखें बेहद महत्वपूर्ण होने जा रही हैं। प्रदेश में 23, 24, 25 व 30 तथा 31 अगस्त को पुलिस भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा और ऐसा पहली बार हो रहा है जब प्रदेश में इतने बड़े स्तर पर पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित हो रही है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 60 हजार से अधिक युवक-युवतियों को सरकारी नौकरी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अंबेडकर नगर के कटेहरी स्थित देव इंद्रावती महाविद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेले में ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदेश में होने वाली 60 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की भर्ती में 20 प्रतिशत बेटियों को भी नियुक्ति दी जाएगी। वे प्रदेश की सड़कों पर उतरकर शोहदों का सही इलाज करेंगी। अपराधियों, माफिया और अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। वो समय गया, जब प्रदेश में चाचा-भतीजा की गैंग वसूली करने निकलती थी। अब तो जो भी ऐसा करेगा उनकी संपत्ति जब्त कराकर जरूरतमंद में बंटवा दी जाएगी। प्रदेश में किसी बेईमान को, अपराधी को और अराजकता को बढ़ावा देने वाले तत्वों को छूट नहीं दी जाएगी। कार्यक्रम में कुल 6,752 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र तथा 13,866 छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिए गए। वहीं, 14 बैंकों के माध्यम से 12,774 लाभार्थियों को कुल 211 करोड़ रुपए के ऋण का वितरण किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि श्रावण मास में मुझे श्रवण की इस पावन स्थली पर युवाओं के साथ संवाद का अवसर प्राप्त हुआ है। इस पावन धरा को नमन करते हुए यहां के अन्नदाता किसानों समेत सभी नागरिकों का अभिवादन करता हूं। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले में 46 कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉल को देखा, महिला स्वयंसेवियों की कार्यप्रणाली को देखा और उद्यमियों के प्रयास देखे। ये देखकर संतोष हो रहा है कि कभी आपराधिक व अराजक तत्वों समेत माफिया के लिए कुख्यात अंबेडकरनगर आज अपनी छवि बदल चुका है। यहां नए उद्योग आ रहे हैं, युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। आज हमारा अंबेडकरनगर किसी मायने में कम नहीं है। अंबेडकर नगर अयोध्या धाम की परिवर्तन यात्रा का न केवल साक्षी है बल्कि लाभ भी पा रहा है। अंबेडकर नगर से पूर्वांचल व गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे भी होकर गुजर रहे हैं। यहां हम औद्योगिक गलियारा भी बना रहे हैं और दोनों एक्सप्रेसवेज के किनारे औद्योगिक टाउनशिप भी बनाएंगे। इससे यहां के युवाओं को उनके जनपद में ही रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

सीएम योगी ने कार्यक्रम में कहा कि फरवरी 2023 में आयोजित सबसे बड़े इन्वेस्टर समिट में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो कि प्रदेश के 1.35 करोड़ युवाओं को रोजगार के अवसर की गारंटी है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर नगर में भी इन्वेस्टर समिट के माध्यम से 6000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा कार्यक्रम में 46 कंपनियां हिस्सा ले रही हैं जो कि जनपद के 21 हजार युवाओं को रोजगार देंगी और उनके प्लेसमेंट के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बैंक यहां आए हैं जिनके जरिए स्वरोजगार की आकांक्षा रखने वाले लोगों को मध्यम, सूक्ष्म व लघु उद्योगों की स्थापना के लिए ओडीओपी, पीएम विश्वकर्मा समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत ब्याज मुक्त ऋण का अवसर उपलब्ध कराएगा। इससे रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अगस्त महीने की 05 तारीखें बेहद महत्वपूर्ण होने जा रही हैं। प्रदेश में 23, 24, 25 व 30 तथा 31 अगस्त को पुलिस भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब प्रदेश में इतने बड़े स्तर पर पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित हो रही है। प्रदेश के हर जिले के युवा को इस पूर्ण पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस में 60 हजार से अधिक युवाओं की भर्ती होने जा रही है। पुलिस भर्ती में बेटियों को भी 20 प्रतिशत नियुक्ति दी जाएगी। वह प्रदेश की सड़कों पर उतरकर शोहदों का सही इलाज करेंगी। अपराधियों, माफिया और अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। जो भी ऐसा करेगा, उसकी संपत्ति जब्त कराकर जरूरतमंदों में बंटवा दी जाएगी। प्रदेश में बेईमान, अपराधी और अराजकता को बढ़ावा देने वाले तत्वों को छूट नहीं दी जाएगी।

इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मत्स्य मंत्री डॉ0 संजय निषाद, व्यावसायिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जल निगम के एक्जेक्यूटिव इंजीनियर की घर में घुसकर हत्या

सुल्तानपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) की शनिवार सुबह उनके आवास पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात में जल निगम के सहायक अभियंता और उसके सहयोगी का नाम सामने आ रहा है। इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने चार टीमें गठित कर दी हैं। पुलिस ने एक्सईएन के ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस हत्या की वजह पता करने का प्रयास कर रही है।

जल निगम ग्रामीण के एक्सईएन संतोष कुमार (52) विनोबापुरी मोहल्ले में किराए के मकान में अकेले रहते थे। वह फरवरी 2023 से यहां तैनात थे। शनिवार सुबह 9.15 बजे संतोष को मरणासन्न हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक जल निगम में तैनात सहायक अभियंता अपने एक साथी के साथ सुबह करीब 8.15 बजे एक्सईएन के आवास पर पहुंचा था।

दोनों ने एक्सईएन के ड्राइवर संदीप को दही जलेबी लाने के लिए भेज दिया था। कुछ देर बाद जब ड्राइवर कमरे पर लौटा तो देखा कि एक्सईएन के मुंह पर टेप चिपका हुआ था और दोनों लोग उन्हें पीट रहे थे। ड्राइवर के शोर मचाने पर दोनों हमलावर वहां से भाग निकले। इसी बीच वहीं पास में रहने वाले जल निगम के कर्मचारी केदारनाथ को मारपीट की सूचना मिली तो वह अपने साथियों के साथ एक्सईएन के आवास पहुंच गए। उन्होंने एक्सईएन को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस को ड्राइवर पर भी शक है इसलिए उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ये घटनाक्रम उसी ने पुलिस से साझा किया है। हत्या में शामिल अधिकारी और उसके साथी की धरपकड़ के लिए एसपी सोमेन बर्मा ने चार टीमें लगा दी हैं।

एक्सईएन की हत्या की सूचना मिलते ही सुबह 9.30 बजे एसपी सोमेन बर्मा जांच करने उनके आवास पर पहुंचे। कुछ ही देर में डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना भी वहां आ गईं।

फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलित कराए गए। डीएम कुछ देर बाद वहां से चली गईं लेकिन एसपी करीब दो घंटे तक जांच पड़ताल करते रहे। एक्सईएन संतोष कुमार मूलरूप से बलिया के रहने वाले थे। एक्सईएन का प्रयागराज में भी मकान है, जहां उनका परिवार रहता है। पुलिस अफसरों ने संतोष की मौत की सूचना उनके घरवालों को दे दी है।

झंडे का अपमान करने वाले 6 लोगों पर हाईकोर्ट सख्त

तिरंगे पर जबरन लिखवाई थी कुरान की आयतें

प्रयागराज, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तिरंगा झंडे का अपमान करने के मामले में 6 मुस्लिमों के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। ये सभी आरोपी एक धार्मिक जुलूस में अपने हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे थे। इन तिरंगों पर इस्लामी किताब कुरान की आयतें एवं कलमा लिखा हुआ था।

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विनोद दिवाकर ने कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपित द्वारा किया गया कृत्य भारतीय ध्वज संहिता 2002 के तहत दंडनीय है। जस्टिस दिवाकर ने आगे कहा कि आवेदकों द्वारा राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम 1971 की धारा 2 का उल्लंघन किया गया है। अदालत ने कहा कि भारतीय ध्वज तिरंगा धार्मिक नैतिकता और सांस्कृतिक मतभेदों से परे राष्ट्र की एकता और विविधता का प्रतीक है। अदालत

ने कहा, यह भारत की सामूहिक पहचान और संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करने वाला एक एकीकृत प्रतीक है। तिरंगे के प्रति अनादर का कृत्य दूरगामी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव डाल सकता है, विशेष रूप से भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि तिरंगा पर कुरान की आयतें एवं कलमा आदि लिखने की घटनाओं का फायदा वे लोग उठा सकते हैं जो सांप्रदायिक विवाद पैदा करना चाहते हैं या विभिन्न समुदायों के बीच गलतफहमियों को बढ़ावा देना चाहते हैं। इसलिए कुछ व्यक्तियों के कार्यों का उपयोग पूरे समुदाय को कलंकित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की जालौन पुलिस ने पिछले साल आरोपित गुलामुद्दीन एवं 5 अन्य लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम 1971 अधिनियम की धारा 2 के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में आरोपितों ने जमानत की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। उनके वकील ने तर्क दिया कि जांच से यह पता नहीं चला कि एफआईआर में उल्लेखित झंडा तिरंगा है या तीन रंगों वाला कोई अन्य झंडा।

आरोपितों के वकील ने आगे तर्क दिया कि पुलिस रिकॉर्ड पर ऐसा कोई सबूत नहीं ला सकी, जिससे यह पता चले कि अधिनियम की धारा 2 और 3 में निर्दिष्ट राष्ट्रीय ध्वज के साथ कोई शरारत की गई थी। वकील ने यह भी कहा कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को प्लांट किया था और आरोपितों को झूठे मामले में फंसाया गया था।

राज्य सरकार की ओर से पेश एडिशनल गवर्नमेंट एडवोकेट (एजीए) ने कहा कि जूलुस के दौरान तिरंगा लगाया गया था। इस दौरान देखा गया कि तिरंगे पर अरबी में कुछ लिखा हुआ है। बात में पता चला कि ये आयत और कलमा हैं। इस मामले में पुलिस कॉन्स्टेबल खुर्शीद आलम, एशानुल्लाह और रामदास ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया है। सरकारी वकील ने कहा, जब शहर काजी मौलाना साबिर अली को जालौन तलब कर पढ़वाया गया तो उन्होंने कहा कि इसमें अरबी में ला इलाही इलिल्लाह मुहम्मद उल रसूल अल्लाह लिखा था, जिसका अर्थ है अल्लाह के सिवाय कोई इबादत करने लायक नहीं है। इसके अलावा, मुस्लिमों के पैगंबर मुहम्मद के नवाजे अली की तलवार जुल्फकार से संबंधित आयत लिखी हुई थी।

तमाम तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी और कहा कि इस पर निर्णय ट्रायल कोर्ट ही ले सकता है। अदालत ने कहा कि समन आदेश में ऐसी कोई अवैधता, विकृति या अन्य कोई महत्वपूर्ण त्रुटि नहीं पाई गई है, जिससे सीआरपीसी की धारा 482 के तहत शक्तियों के प्रयोग में न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप करने का औचित्य सिद्ध हो सके।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश

यूपी में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती रद्द

प्रयागराज, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षकों भर्ती की पूरी लिस्ट रद्द कर दी गई है। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने दिया है। मामला आरक्षण में हुए भ्रष्टाचार को लेकर है। जिसमें हाईकोर्ट की डबल बेंच ने फैसला सुनाते हुए 2019 की 1 जून 2020 को जारी पूरी मेरिट सूची ही रद्द कर दी। कोर्ट ने मामले में 13 मार्च 2023 के एकल पीठ के आदेश को संशोधित करते हुए कहा कि सामान्य श्रेणी के लिए निर्धारित मेरिट में आने पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को सामान्य श्रेणी में ही माइग्रेट किया जाएगा।

यह फैसला न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने महेंद्र पाल समेत 90 विशेष अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। इसके साथ ही कोर्ट ने यूपी सरकार को आदेश दिया कि तीन

महीने के भीतर नई मेरिट लिस्ट बनाई जाए। नई मेरिट लिस्ट में बेसिक शिक्षा नियमावली और आरक्षण नियमावली का पालन होना चाहिए। दरअसल, कैंडिडेट्स ने पूरी भर्ती पर सवाल उठाया था और कहा था कि 19 हजार शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण घोटाला हुआ है।

अखिलेश यादव सरकार के राज्य में 1.72 लाख शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक के रूप में समायोजित किया गया था। इसे हाईकोर्ट ने कैंसिल कर दिया था। इसके बाद कोर्ट ने नए सिरे से सहायक शिक्षकों की भर्ती करने का आदेश दिया था। इसके बाद 68,500 सहायक शिक्षकों की भर्ती हुई थी। इस भर्ती पर भी सवाल उठे और जब सीबीआई ने मामले की जांच भी की। यूपी सरकार ने 69,000 सहायक शिक्षकों की भर्ती के लिए दिसंबर 2018 में विज्ञापन निकाला थी। जिसके लिए जनवरी 2019 में परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस परीक्षा भर्ती में 4 लाख 10 हजार उम्मीदवारों ने भाग लिया था। जिसमें से लाख 40 हजार कैंडिडेट्स सफल भी हुए थे। इसके बाद जब मेरिट लिस्ट निकाली गई तो नया बखेड़ा खड़ा हो गया। जिन कैंडिडेट्स को उम्मीद था कि उनका सेलेक्शन हो जाएगा, वे खाली हाथ रह गए थे।

हाईकोर्ट के इस फैसले से योगी सरकार को झटका लगा है। वहीं विपक्ष के साथ-साथ अपनों ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है। अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल शिक्षक भर्ती की मेरिट लिस्ट पर सवाल उठाती रही हैं। हाईकोर्ट के फैसले के बाद उन्होंने कहा कि खुद पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी माना था कि भर्ती में आरक्षण नियमों की अनदेखी हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है।

अनुप्रिया पटेल ने कहा, 69000 शिक्षक भर्ती मामले में माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत है। खुद पिछड़ा वर्ग आयोग ने माना था कि इस भर्ती मामले में आरक्षण नियमों की अनदेखी हुई। अब जबकि माननीय उच्च न्यायालय ने आरक्षण नियमों का पूर्ण पालन करते हुए नई मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश दिया है, तब उम्मीद करती हूं कि वंचित वर्ग के प्रति न्याय होगा। जो माननीय उच्च न्यायालय ने कहा है, मैंने भी हमेशा वही कहा है। मैंने इस विषय को हमेशा सदन से लेकर सर्वोच्च स्तर पर उठाया है। जब तक इस प्रकरण में वंचित वर्ग को न्याय नहीं मिल जाता मैं इस विषय को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए लगातार हर संभव प्रयास करती रहूंगी। केशव प्रसाद मौर्य ने भी कहा, शिक्षकों की भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फ़ैसला सामाजिक न्याय की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। यह उन पिछड़ा व दलित वर्ग के पात्रों की जीत है जिन्होंने अपने अधिकार के लिए लंबा संघर्ष किया। उनका मैं तहेदिल से स्वागत करता हूं।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यूपी सरकार को आदेश दिया है कि वह 3 महीने के अंदर नई मेरिट लिस्ट जारी करे। हाई कोर्ट ने यह भी कहा है कि नई मेरिट लिस्ट में बेसिक शिक्षा नियमावली और आरक्षण नियमावली का पूरा पालन होना चाहिए।

कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे पटरी से उतरे

ट्रैक पर था लोहे का भारी सामान, तोड़फोड़ की साजिश की आशंका

कानपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस के 22 डब्बे शनिवार-रविवार (16-17 अगस्त) की रात 2.35 बजे पटरी से उतर गए। यह हादसा कानपुर के गोविंदपुरी से थोड़ा आगे हुआ। यात्रियों के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पटरी पर लोहे के भारी समान से टकराकर डिब्बे पटरी से उतरे। मामले की जांच खुफिया एजेंसी कर रही है।

जिस समय यह घटना हुई, उस समय साबरमती एक्सप्रेस (19168) उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गुजरात के अहमदाबाद जा रही थी। ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के कर्मी, पुलिस और फायर

विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस घटना में कोई भी यात्रा या रेल कर्मचारी घायल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, साबरमती एक्सप्रेस (वाराणसी से अहमदाबाद) का इंजन आज सुबह 02:35 बजे कानपुर के पास ट्रैक पर रखी किसी वस्तु से टकराया और पटरी से उतर गया। इंजन पर भारी टक्कर के निशान पाए गए हैं। सबूतों को सुरक्षित रख लिया गया है। आईबी और यूपी पुलिस इस मामले में काम कर रही है। यात्रियों या कर्मचारियों को कोई चोट नहीं आई है। यात्रियों के लिए आगे अहमदाबाद की यात्रा के लिए ट्रेन की व्यवस्था कर दी गई है। आशंका है कि जानबूझकर लोहे के भारी समान ट्रैक पर रखे गए थे।

इस हादसे को लेकर ट्रेन के ड्राइवर ने भी कहा है कि हादसा प्रथम दृष्टया बोल्डर के इंजन से टकराने की वजह से हुआ है। ड्राइवर ने कहा कि जैसे ही बोल्डर इंजन से टकराया, वैसे ही इंजन का कैटल गार्ड मुड़ गया। घटना के बाद ऊछच्, -ऊछच्, कमर्शियल हेड, टेक्निकल हेड, मेडिकल टीम पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि ट्रैक की मरम्मत करके ट्रेन सेवा बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

सच्चे विजेता हैं ये !

खेल के मैदान में जाने से पहले ही जो जीता हुआ हो, वो ही तो है सच्चा विजेता। नहीं समझे। अरे भई! अपने आत्मविश्वास के जरिए हर चुनौती पर खरा उतरने की क्षमता वाले इस शख्स मैट के बारे में जानेंगे तो समझ भी जाएंगे...

कामयाब तीरंदाज बनने के लिए क्या चाहिए आपको???...सही है, मौसम का साथ और निशाना साधने की क्षमता तो चाहिए ही। पर जरा सोचिए, यदि हाथ ही न हो तो क्या निशाना साध पाएंगे आप?...अरे! हां जरूर साध पाएंगे, बस जरा सी मेहनत ढेर सारी लगन के साथ। यकीन नहीं होता न हमारी बात का। तो चलिए हम आपको मिलवाते हैं ऐसे ही एक शख्स से जो इन दोनों बातों के बल पर ही न सिर्फ अपने निशाने का पक्का है

बल्कि अपने नाम विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज करवा चुका है। धुन के धनी इस व्यक्ति का नाम है मैट स्ट्टजमैन। मैट का जन्म बिना हाथों के हुआ था, लेकिन अभी इनके नाम सबसे लम्बी दूरी (230 यार्ड) का निशाना साधने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस बार के पैराओलम्पिक में तीरंदाजी टीम के सदस्य भी हैं।

दिल से...

मेरा नाम मैट है, ये सब आप जान ही गए हैं। मेरा जन्म तो हुआ था बिना हाथों के, पर भगवान ने मुझे दो बेहतरीन तोहफों से नवाजा। पहले हैं मेरे अभिभावक, जिन्होंने मुझे बताया कि असंभव तो कुछ भी नहीं। और दूसरी है मेरी पत्नी, जो मुझमे नई शक्ति का संचार करती है। अपने हर प्रदर्शन के पहले अपने पूरे परिवार का ध्यान करता हूं, और उनकी आंखों में दिखने वाली शक्ति से मुझमें नई ऊर्जा प्रवाहित होने लगती है। मेरे हाथ न होने का कभी भी मलाल नहीं रहा, क्योंकि मेरे शरीर का सबसे ज्यादा ताकतवर हिस्सा मेरे पैर हैं। मजेदार बात तो यह है कि मेरा घर मेरे मुताबिक भी नहीं बनाया गया। बल्कि मैंने खुद को उसके मुताबिक तैयार किया है। मैं सामान्य जिंदगी जीता हूं। मेरे तीन बच्चे हैं, उनका पूरा ख्याल रख लेता हूं। उनके डायपर चेंज करने के अलावा उनको दूध या पानी जैसी वस्तुएं भी सर्व करता हूं।

ऐसे साधते हैं निशाना

आपके दिमाग में ये बात जरूर चल रही होगी कि बिना हाथ के भला कैसे निशाना साधा जा सकता है?...दरअसल, मैट एक स्टूल पर बैठ जाते हैं और एक पैर को जमीन पर रखकर खुद को संतुलित करते हैं। अब दूसरे पैर से अपने धनुष को संभालते हैं। अब निशाना साधने के लिए बाणों को कंधों के बीच दबाते हैं। निशाना सटीक होने के लिए कुछ देर तक उसे नाक की सीध से देखते हैं। और जब छोड़ते हैं अपने तीर को यूं सन्न से करके तो वह अपने तयशुदा स्थान पर लगता है।

क्या है पैरा ओलम्पिक

जैसा कि आप जानते ही हैं कि कुछ दिनों बाद खेलों का महाकुंभ यानी ओलम्पिक शुरू होने वाला है। तभी आयोजित होता है पैराओलम्पिक भी। दरअसल, 1976 में पैराओलम्पिक की नींव रखी गई थी। पहला पैराओलम्पिक स्वीडन में हुआ था। हालांकि, इसकी शुरुआत पचास वर्ष पूर्व ही इग्लैंड में की जा चुकी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद डॉक्टर लुडविंग गुटमैन ने शारीरिक विकलांगों को मुख्य धारा से जोड़ने की नियम से इसे शुरू किया था। उनका मानना था कि खेलें आत्मविश्वास बढ़ाने का बढ़िया तरीका हैं।

- ऑस्कर पिस्टोरियसबिना पैरों के तेज धावक। 25 वर्षीय ऑस्कर 100, 200, और 400 मीटर की पैराओलंपिक प्रतिस्पर्धाओं में कई गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। इस बार भी ये कारनामा करने को उत्सुक हैं।
- डेनियल ब्राउनमैट के अलावा डेनियल भी इग्लैंड की टीम की तरफ से आर्चरी टीम में शामिल हैं। 2008 के बीजिंग ओलम्पिक में और 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतर प्रदर्शन किया था।

कविता

बादल आए

बादल आए, बारिश लाए,
मौसम सुहावना होता जाए।
पानी से भर गई गली-नालियां,
झूमे फसलों की डालियां।
सारी धरती ही लहराए, बादल आए...।
छाई घटाएं मोर नाचता,
खुशी में सारे पंख खोलता।
खुशियों के वह गीत सुनाए, बादल आए...।
झड़ी सावन की जब भी लगे,
बारिश में नहा के दिल न भरे।
नहाने से कोई ना हटाए, बादल आए...।
तेज-तेज बरसें बौछारें,
पंछी गाते पंख पसारे।
कुदरत सारी खुशी मनाए, बादल आए...।

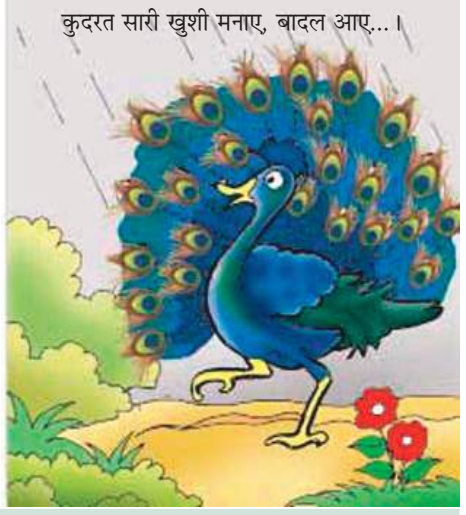

क्या आप जानते हैं?

अरे! मान भी जाओ

- सऊदी अरब का क्षेत्रफल 830000 वर्गमीटर है, पर उसमें एक भी नदी नहीं है।
- ऊंट के शरीर में पित्ताशय नहीं होता।
- दुनिया में इजराइल एकमात्र ऐसा देश है जहां महिलाओं के लिए सैनिक शिक्षा अनिवार्य है।
- सेलफिश पानी में इतनी तेजी से दौड़ सकती है जितनी तेजी से घोड़ा जमीन पर दौड़ सकता है।
- केंचुए के शरीर में चार जोड़ी हृदय होते हैं।
- विश्व में चीन एक ऐसा देश है जिसकी सर्वाधिक सीमाएं हैं, 13 देशों की सीमाओं से जुड़ा हुआ है।
- कॉकरोच के एक अंड कवच में 16 अंडे होते हैं।
- मेलकिन पक्षी की निचली चोंच में एक प्राकृतिक थैला होता है, जिसमें करीब 5 लीटर पानी या 4 किलोग्राम मछलियां समा सकती हैं।
- बच्चों के द्वारा चबाने वाला चुइंगम 'सैपोडिल्ला' नामक वृक्ष के दूध को जमाकर बनाया जाता है। इसके वृक्ष मैक्सिको और मध्य अमेरिका में पाए जाते हैं।
- टाइटैनिक पहला जहाज था, जिसमें एसओएस सिग्नल का प्रयोग किया गया था।
- विश्व में सबसे सुन्दर गुलाब के फूलों की घाटी बुल्गारिया में है।
- सीधे हाथ का प्रयोग ज्यादा करने वाले लोग सीधी तरफ से ही भोजन भी करते हैं।

जादू नहीं चला

चीचू चूहे की परीक्षा में मात्र कुछ ही दिन रह गए थे। लेकिन थोड़ी देर पढ़ने के बाद ही उसका सिर चकराने लगता और उसे धुंधला दिखाई देता। पहले तो चीचू ने विशेष ध्यान नहीं दिया पर समस्या बढ़ने पर मम्मी को बताया। चीचू की समस्या जानकर मम्मी भी परेशान हो उठी।

पहले मम्मी ने उसे डॉक्टर बंदर को दिखाना चाहा, लेकिन उन्होंने अपना इरादा बदल लिया। वजह थी मीकू की मम्मी। पिछले दिनों से वह चीचू को पढ़ते हुए देखकर बोल रही थीं, 'पता नहीं, चीचू कैसे सारा दिन पढ़ता रहता है। मेरे मीकू को तो थोड़ा-सा पढ़ने पर ही सिर दर्द होने लग जाता है।'

चीचू और उसकी मम्मी मधुवन के ओझा रीछपाल के पास गईं और सब सुनाया। रीछपाल अपने नाथुनों को फैलाते हुए बोला, 'यह सब मीकू की मां की करनी है। किसी से जादू करवाया है ताकि यह बीमार पड़ जाए और परीक्षा न दे पाए।'

'आप ही कुछ कीजिए न महाराज।' चीचू की मम्मी गिड़गिड़ाने लगी।

'मैं तो पूरी कोशिश करूंगा पर पूजापाठ के लिए कुछ खर्च आपको उठाना पड़ेगा' रीछपाल ने कहा।

'खर्च की आप चिंता न करें, महाराज।' चीचू की मम्मी ने जवाब दिया।

'तो ठीक है, आप तीन डिब्बे शहद के और दो सौ रुपए नकद ले आइए। तब तक मैं तावीज तैयार कर देता हूं।' रीछपाल पेट पर हाथ फेरते हुए बोला।

'मेरा बेटा ठीक हो जाएगा ना?' चीचू की मम्मी ने पूछा तो रीछपाल ने कहा- 'हां, हां, अवश्य पास हो जाएगा।' एक दिन बाद आकर उन्होंने पैसे दिए और तावीज लेकर चलीं गईं। 'बेटा, इसे अपने बाजू पर बांध लो...' उन्होंने चीचू से कहा।

'लेकिन मम्मी...'

'लेकिन-वेकिन नहीं, जल्दी करो। मुझे रीछपाल ने सब कुछ बताया है।' और मम्मी ने विस्तार से चीचू को सब बताया। चीचू को अपनी मम्मी के अंधविश्वासी होने पर बहुत दु:ख हुआ। उसने मम्मी से बहस करना उचित नहीं समझा और चुपचाप तावीज ले लिया, लेकिन मम्मी के जाते ही उसने तावीज रख दिया। शाम को चीचू ने डॉक्टर को दिखाया तो पता चला कि ज्यादा पढ़ने की वजह से दर्द हो रहा है। जिसके लिए डॉक्टर ने उसे दूध, अंडे और फलों का सेवन करने को कहा। कुछ दिनों के बाद चीचू की परिक्षाएं हुई और थोड़े दिनों बाद परिणाम भी आ गए। उसका नाम मैरिट लिस्ट में था।

चीचू ने अपनी मम्मी की आंखों पर से अंधविश्वास के पर्दे को हटाने की ठानी इसलिए रोते हुए घर आकर मम्मी से बोला, 'आपका ओझा तो कहता था कि मैं पास हो जाऊंगा। मगर मैं तो फेल हो गया।'

मम्मी को विश्वास नहीं हुआ। भला रीछपाल का तावीज बेअसर कैसे हो गया।

वह उसी समय चीचू को साथ लेकर रीछपाल के डेरे जा पहुंची।

चीचू ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पहले ही रीछपाल की अक्ल ठिकाने लगाने की योजना बना ली थी। सब रीछपाल के घर के पास तैयारी के साथ खड़े थे।

चीचू की मम्मी ने जाते ही रीछपाल को बुरा-भला कहना शुरू कर दिया। पहले तो रीछपाल घबरा गया, लेकिन जल्दी ही उसने अपने डर पर काबू पा लिया और बोला, 'मैंने तो आपसे पहले ही कहा था कि मीकू की मम्मी ने टोना किया है। उसका टोना ज्यादा प्रभावशाली निकला।'

'आपका मतलब है आंटी ने मुझ पर टोना किया था?' चीचू ने बोला।

'अरे, तुम उसे आंटी कहते हो?' रीछपाल ने गुस्सा दिखाते हुए कहा- 'उसने तो तुम्हारा...' लेकिन उसकी बात पूरी होने से पहले ही मीकू ने पीछे से आकर पूरे जोर से डंडा उसके सिर पर दे मारा।

'हाय। मैं मर गया...' रीछपला चीखा। तभी झाड़ियों में छुपे हुए बाकी के साथी भी बाहर निकल आए और उन सबने रीछपाल की पिटाई शुरू कर दी।

रीछपाल दर्द से कराहने लगा। तब चीचू ने कहा, 'रीछपाल महोदय, आपको इतना तो मालूम नहीं कि आप पर कष्ट आने वाला है, आप दूसरों का भाग्य क्या बताएंगे?'

फिर चीचू ने अपनी मम्मी से कहा, 'अब आप स्वयं ही देख लो मम्मी, इस ढोंगी ने आपको कैसे ठग लिया।'

'अब आंटी को भी खुशखबरी सुना ही दें।' मीकू ने कहा।

'कैसी खुशखबरी?' मम्मी ने हैरानी से उसकी ओर देखा।

'आंटी, चीचू अव्वल आया है और इसका नाम मैरिट लिस्ट में है।'

'सच?' मम्मी का चेहरा खुशी से खिल उठा। पर अगले ही पल उन्होंने रीछपाल को पीटना शुरू कर दिया, 'मुए, तू मुझे बेवकूफ बनाता रहा। चल भाग यहां से, अगर जान प्यारी है तो।'

रीछपाल गिड़गिड़ाने लगा। उसने कान पकड़कर वादा किया कि अब वह यह धंधा छोड़ देगा और अन्य जंगलवासियों की तरह मेहनत किया करेगा।

चीचू की आंखों में दर्द था, तो मम्मी उसे रीछपाल के यहां ले गई। यह रीछपाल कोई डॉक्टर नहीं था, फिर क्या था? जानने के लिए पढ़िए कहानी।

रंग भरो

अंतर ढूंढो

यहां दो चित्र दिए गए हैं, इन दोनों में कुछ अंतर हैं। आपको वे अंतर ढूंढने हैं। जरा नजरें जमाइए तो...।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

नेपाल का गोसाईंकुंड जहां हलाहल विष से व्याकुल भगवान शिव को मिली थी शांति

काठमांडू, 17 अगस्त। (एजेंसियां)। जनै पूर्णिमा अर्थात् रक्षा बन्धन के अवसर पर नेपाल के पवित्र तीर्थ गोसाईंकुंड में स्नान के लिए श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। गोसाईंकुंड क्षेत्र विकास समिति के अनुसार नागपंचमी से शुरू हुई धार्मिक यात्रा जनै पूर्णिमा तक जारी रहेगी।

गोसाईंकुंड तीर्थ में स्नान करने के लिए रामेछाप, दोलखा, काभ्रेपलानचोक, सिंधुपालचोक, नवलपरासी, चितवन, कास्की, मकवानपुर, पर्सा, काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर, धादिंग, नुवाकोट जिले से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। भारत के भी कई प्रदेशों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता है कि जनै पूर्णिमा के दिन सभी देवी-देवता गोसाईंकुंड में निवास करते हैं। इस कुंड में स्नान करने से सभी-देवताओं के दर्शन एक ही स्थान पर हो जाएंगे और सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। यह धार्मिक यात्रा काफी कठिन होती है और काफी

जनै पूर्णिमा मेले के लिए श्रद्धालुओं का गोसाईंकुंड पहुंचना शुरू

ऊंचाई पर होने के कारण यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की बीमारी या ऑक्सीजन की कमी से पीड़ित यात्रियों की सहायता के लिए सरकार की तरफ से नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस और नेपाल पुलिस की चिकित्सीय टीम और सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

गोसाईंकुंड के बारे में पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान निकले कालकूट विष को पूरे विश्व कल्याण के लिए भगवान शिव ने स्वयं निगलते हुए अपने गले में धारण कर लिया था। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान शिव विष की जलन को शांत करने के लिए अपने त्रिशुल से जिस क्षेत्र में वार कर जल का प्रवाह निकाला था यह वही गोसाईंकुंड झील के रूप में जाना जाता है। गोसाईंकुंड को शिवकुंड और त्रिशूलधारा भी कहा जाता है।

समुद्र तल से 4,380 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गोसाईंकुंड विक्रम संवत् 2063 में विश्व विरासत की सूची में शामिल किया गया। वेटलैंड्स में भी सूचीबद्ध गोसाईंकुंड लैंगटांग राष्ट्रीय सम्पदा के भीतर एक संरक्षित क्षेत्र है और इसे एक बहुत ही आकर्षक और मनमोहक स्थान भी माना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

टेलीविजन देखना भी करता है कैलोरी बर्न करने में मदद

लंदन। जब हम किसी खेल को टीवी पर देखते हैं, तो हमारी भावनाओं में उतार-चढ़ाव होता है। जैसे ही हमारी टीम कोई गोल करती है या जीत जाती है, हम खुशी में उछलते हैं, ताली बजाते हैं या चिल्लाते हैं। ये सारी एक्टिविटी हमें कैलोरी बर्न करने में मदद करती हैं। जिससे यह आपका वजन कम करने में सहायक सिद्ध होती है। यह दावा किया है ब्रिटेन के लाफबॉरो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने। शोधकर्ताओं ने इस बात को एक फार्मूला में भी डाल दिया है जिसे उन्होंने द पावर ऑफ सेलिब्रेशन नाम दिया है। इस फॉर्मूले में उन्होंने उन चीजों को शामिल किया है, जो कैलोरी बर्न करने में भूमिका निभाती हैं, जैसे कि दर्शक का वजन, खेल देखने का तरीका, जश्न मनाने का तरीका और समय। जब हम कोई खेल देखते हैं, तो हमारे शरीर में एड्रेनालाईन और डोपामाइन जैसे हार्मोन निकलते हैं। ये हार्मोन हमें उत्साहित करते हैं और हमारी दिल धड़कने की गति बढ़ाती है। इसके परिणामस्वरूप हमारी मसल्स एक्टिव हो जाती हैं और हम कैलोरी बर्न करते हैं।फुटबॉल में 90 मिनट के मैच में उछल कूद या चिल्ला कर प्रतिक्रिया देने पर 540 कैलोरी बर्न करते हैं। तीरंदाजी में एक घंटे के मैच में ताली बजाकर अन्य प्रतिक्रिया देते हैं तो 106 कैलोरी कम कर सकते हैं। एथलेटिक्स में एक घंटे के मैच में कूदना, तेज गति में प्रतिक्रिया देने पर 162 कैलोरी बर्न करते हैं। टेनिस में तीन घंटे तक मैच देखते हैं और बढ़-चढ़कर प्रतिक्रिया देते हैं तो 432 कैलोरी बर्न होती है। यह शोध हमें बताता है कि खेल को देखना सिर्फ मनोरंजन ही नहीं है, बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि टीवी देखकर हम पूरी तरह से व्यायाम को नहीं बदल सकते।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का विस्तार, यूनुस ने चार और सलाहकारों को किया शामिल

ढाका। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का विस्तार किया गया और मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली टीम

में चार और सलाहकार शामिल किये गये। नए सलाहकारों में अर्थशास्त्री वहीदुद्दीन महमूद, पूर्व कैबिनेट सचिव अली इमाम मजूमदार, पूर्व ऊर्जा सचिव मोहम्मद फौजुल कबीर खान और लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी शामिल हैं। इन चार सदस्यों के शामिल होने के साथ ही अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद में सदस्यों की संख्या बढ़कर 21 हो गई। यूनुस और 13 अन्य सलाहकारों को आठ अगस्त को शपथ दिलाई गई थी। दो सलाहकारों को 11 अगस्त को तथा एक को इसके एक दिन बाद शपथ दिलाई गई थी। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विद्यार्थियों के व्यापक प्रदर्शन के बाद शेख हसीना (76) को इस्तीफा देना पड़ा था और पांच अगस्त को वह देश छोड़कर भारत चली गयी थीं। राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता ने बताया कि
राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सरकार के मुख्यालय बंगभवन में चार नये सलाहकारों को शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि सलाहकार परिषद और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में एक सादे समारोह में उन्हें शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि यूनुस बाद में उनके विभागों का आवंटन करेंगे। ज्यादातर सलाहकार नागरिक समाज के लोग, शिक्षाविद, गैर सरकारी संगठन और अधिकार समूह के नेता हैं।

चीन में 4000 शवों को चोरी कर बेचा गया, 80 लोग गिरफ्तार

बीजिंग। चीन में लोगों को कैसे-कैसे दिन देखने पड़ रहे हैं। अपनी तरक्की के बड़े-बड़े दावे करने वाले इस मुल्क में लोगों के शवों के साथ व्यापार हो रहा है। लाभ के लिए शवों की चोरी हो रही है और उसे बेचा जा रहा है। चीन में 2015 से लेकर 2023 के बीच में 4000 से अधिक मानव शवों को चोरी छुपे बेचा गया। इस कारोबार में लगभग 400 करोड रुपए शव चोरों ने कमाए। पुलिस ने 80 लोगों को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। चोरों का यह गिरोह बोन ग्राफ्ट के लिए शवों की चोरी कर उन्हें बेचता था। चीन के कई राज्यों के शव दाह गृह और मेडिकल लैबोरेट्री से शवों की चोरी की जाती थी। सोशल मीडिया में जब शव के चोरी की खबरें सामने आई। उसके बाद पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई शुरू की थी।

सबसे बड़े आतंकी तो वे हैं जो इन सीटों पर बैठे हैं, इतना कहते ही मचा बवाल

तुर्की संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसद भिड़े, जमकर चले लात-घूंसे

अंकारा, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

तुर्की की संसद में तीखी बहस के बाद सत्तारूढ़ एकेपी पार्टी के सदस्यों और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर मारपीट हुई। विवाद का कारण विपक्षी सांसद की ओर से अपने सहयोगी को सदन में बुलाने की मांग था, जो सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण जेल में बंद है लेकिन एक सांसद चुने जाने के बाद भी जेल में बंद हैं। वर्कर्स पार्टी ऑफ तुर्की (टीआईपी) के सदस्य अहमत सिक ने अपने सहयोगी कैन अटाले की रिहाई की मांग की। संसद में हुई इस मारपीट के वीडियो में दिख रहा है कि सत्ताधारी एकेपी पार्टी के सांसद मुक्का मारने के लिए दौड़ रहे हैं। दर्जनों लोग इस मारपीट में शामिल हो गए। कुछ दूसरों को रोकने की कोशिश कर रहे थे। मारपीट के बाद संसद की सफेद सीढ़ियों पर खून बिखरा दिख रहा है।

बता दें जेल में होने के बावजूद अटले को मई 2023 में सांसद चुना गया था। संसद ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी, लेकिन एक अगस्त को संवैधानिक कोर्ट ने उनके निष्कासन को अमान्य घोषित कर दिया। सत्र के दौरान सिक ने एक तीखा भाषण देते हुए सत्तारूढ़ एकेपी पर आरोप लगाया कि वह अपने विरोधियों को आतंकी बताते हैं। उन्होंने कहा कि हमें आश्चर्य नहीं है कि आप कैन अटाले को आतंकी कहते हैं। आप हर उस व्यक्ति को आतंकी कहते हैं जो आपका पक्ष नहीं लेता है।

सिक ने कहा कि सबसे बड़े आतंकी तो वे हैं जो इन सीटों पर बैठे हैं। उनके इतना कहते ही एकेपी सांसद भड़क गए और उन्होंने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। झड़प के बाद डिप्टी पार्लियामेंट स्पीकर ने संसद स्थगित कर दी। तीन घंटे से ज्यादा के ब्रेक के बाद सत्र फिर शुरु हुआ।

तब इसकी अध्यक्षता संसद अध्यक्ष ने की। संसद ने एक वोट में सिक को एकेपी के खिलाफ उनके बयान के लिए और एकेपी के अलपे ओजलान को सिक पर हमले के लिए फटकार लगाई। मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी के नेता ओजगुर ओजेल ने कहा कि सांसदों ने महिलाओं को भी मुक्का मारा जो की शर्मनाक है।

21 साल तक सिर्फ चावल-सब्जी खाकर रहा

कंजूस शख्स ने दो दशक में बचाये 7.22 करोड़ रुपए

टोक्यो, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जापान में एक आदमी करीब 2 दशकों तक काम करने के बाद 7.22 करोड़ रुपये बचाने में कामयाब हो गया। इसके बाद उसने सिर्फ 45 साल की उम्र में रिटायरमेंट लेने का ऐलान कर दिया और अब वह मस्त जिंदगी जी रहा है।

यह कहानी इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। जानकारी के मुताबिक जापान के एक शख्स ने आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने का अनोखा प्लान बनाया। उसने सबसे पहले एक कंपनी जॉइन की, जिसमें उसकी सालाना सैलरी 50 लाख येन (करीब 27 लाख रुपये) थी। उसने अगले 20 सालों में 10 करोड़ येन (5.37 करोड़ रुपये) बचाने का टारगेट रखा। इसके लिए उसने कंपनी के एक हॉस्टल में रहने का फैसला किया और जैसे-तैसे फर्नीचर की व्यवस्था की। इसके बाद उसने अपने खाने-पीने से लेकर अन्य चीजों पर कम से कम खर्च करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने बेहद सिंपल चीजों से गुजर-बसर की। वह खाने में सिर्फ चावल और सब्जियां खाता था। कभी-कभी एनर्जी ड्रिंक या कोला और बिस्किट खाकर सो जाता था। जब उसका ओवन खराब हो गया, तो उसने शकरकंद को कार की गर्म विंडशील्ड पर पकाकर

जापानी करंसी येन की कीमत में गिरावट हो रही है, जिससे युवक की टेंशन बढ़ गई है

खाया। उसने करीब 21 सालों तक एयर कंडीशनर का इस्तेमाल नहीं किया और गर्मियों में गीली टीशर्ट पहनकर सोया। उसने जमकर ओवरटाइम भी किया और पैसे कमाए।

इस तरह उसने दो दशकों तक यही लाइफस्टाइल फॉलो की और फिर उसने 45 साल की उम्र में रिटायरमेंट लेने का ऐलान कर दिया। 20 साल 10 महीने की कड़ी मेहनत के बाद वह अपना टारगेट पूरा करने में सफल रहा। वह शख्स 45 साल की उम्र में रिटायर हो गया और उसने करीब 135 मिलियन येन (करीब 72.20 करोड़ रुपये) इकट्ठा कर लिए। अब वह अच्छी जिंदगी जी रहा है और सभी सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहा है। अब वह अपने ब्रेकफास्ट में 4 अंडे खाता है और उसने नया ओवन भी खरीद लिया है। हालांकि जापानी करंसी येन की कीमत में गिरावट हो रही है, जिससे उसकी टेंशन बढ़ गई है। उसे डर है कि कहीं 21 साल की मेहनत बर्बाद न हो जाए।

इस्लामिक संगठन के नेता ने रखे अपने विचार

बांग्लादेश में शरिया कानून लागू होगा हिंदू अपने धर्म का पालन करेंगे

ढाका, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश का सबसे बड़े इस्लामिक संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम 2010 में बना था। ये संगठन जल्द ही धर्म की प्रेशर पॉलिटिक्स का सेंटर बन गया। पीएम मोदी के बांग्लादेश दौरे के विरोध से लेकर अल्पसंख्यकों पर हमले में भी इसका नाम आया। शेख हसीना सेकुलर होने की वजह से उनका विरोधी रहा यह संगठन नदेश में शरिया कानून लागू करने की वकालत करता रहा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में संगठन से जुड़े अबुल फैयाज मोहम्मद खालिद हुसैन धार्मिक मामलों के सलाहकार हैं। संगठन के वाइस प्रेसिडेंट मुहिउद्दीन रब्बानी भारत में देवबंद से पढ़े हैं। संगठन के निशाने पर सिर्फ अल्पसंख्यक ही नहीं बल्कि मुस्लिम भी रहते हैं। एक साक्षात्कार में मुहिउद्दीन रब्बानी ने कहा कि हम अहमदियाओं को मुस्लिम नहीं मानते। वे काफिर हैं। हमारा संगठन बांग्लादेश में इस्लाम, कुरआन, हदीस की हिफाजत के लिए काम करता है। हम इस्लाम की हिफाजत करने और दीन को लोगों तक पहुंचाने के लिए मुसलमानों के लिए काम करते हैं। हमारा संगठन इंटरनेशनल लेवल पर काम करता है।

उन्होंने कि ये देश अंग्रेजों से आजाद हुआ, तब मुसलमानों का दावा था कि हम इस्लामी निजाम पर इस मुल्क को चलाएंगे। हम ये अब भी कहते हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम ऐसा निजाम है, जिसमें गैर मुस्लिम के अधिकार की भी बात होती है। इस्लाम के अलावा दूसरे किसी धर्म में ऐसी बात नहीं है। प्रतिमाओं के संबंध में वो कहते हैं कि मंदिरों और मूर्तियों को कैसे तोड़ देंगे। हिंदू अपने धर्म का पालन करेगा, उनकी मूर्ति की हिफाजत की जाएगी।

इस्लामी हुकूमत कायम हो जाए तो इस्लाम खुद ही सबको इंसाफ के तौर पर हक देगा। जहां तक म्यूजिक की बात है, तो जो इस्लाम में जायज होगा, हम उसके आधार पर तय करेंगे। हम म्यूजिक, आर्ट पसंद नहीं करते। इसके खिलाफ पुरजोर बात करेंगे। उन्होंने भारत के लोगों को संदेश देते हुए कहा कि आप हमारे पड़ोसी हैं। हमारे भाई हैं। आप सभी हिंदुओं के साथ मिल-जुलकर रहें, जैसा हम बांग्लादेश में रहते हैं।

इंडिया डे परेड : अयोध्या के श्री राम मंदिर की झांकी को लेकर अमेरिका में खड़ा हुआ विवाद

वाशिंगटन, 17 अगस्त। (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में होने वाली इंडिया डे परेड में अयोध्या में नए बने राम मंदिर की झांकी तैराने की योजना है। इसको लेकर वहां के कुछ संगठनों ने ऐतराज जताया है और इसे एंटी मुस्लिम बताया है। इसको लेकर न्यूयॉर्क के मेयर को चिट्ठी भी लिखी गई है और कहा गया है कि मंदिर तैराने की योजना को इवेंट से हटा दिया जाए। इस पत्र में कहा गया है कि राम मंदिर की अनुकृति को तैराना मुस्लिम विरोधी होगा। इतना ही नहीं, संगठनों ने यह भी कहा कि ऐसा करना मस्जिद के गिराने की घटना को ग्लोरीफाई करना होगा।

पत्र लिखने वाले संगठनों में अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस काउंसिल, इंडियन अमेरिका मुस्लिम काउंसिल और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स हैं। पत्र में कहा गया है कि झांकियों की मौजूदगी इन समूहों की हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा को भारतीय पहचान से मिलाने की इच्छा को दिखाती है। लेकिन भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।

बता दें कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। देश और दुनिया में बसे श्रद्धालु भगवान राम के दर्शन के लिए आ रहे हैं। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स और गवर्नर केथी होचुल को लिखे पत्र में कुछ संगठनों ने आपत्तियां उठाई हैं। वहीं, झांकी का आयोजन कर रही अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि यह एक हिंदू पूजा स्थल का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उद्देश्य भारतीय और हिंदू पहचान के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखे जाने वाले देवता का महिमामंडन करना है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कवायद है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स ने कहा कि परेड भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती है।

इसमें विभिन्न समुदायों की झांकियां शामिल होंगी। एडम्स ने इस हफ्ते की शुरुआत में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि नफरत के लिए कोई जगह नहीं है।

दुनियाभर में कई लोग विचित्र हैं या यूं कहें कि अद्‌भुत शक्तियों के मालिक हैं

इस महिला की आंखें नहीं एक्स-रे मशीन हैं, शरीर के अंदर देख लेती है

लंदन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दुनियाभर में कई लोग हैं, जो अद्भुत शक्तियों के मालिक हैं। इनमें से कोई पूरा का पूरा हवाई जहाज खा लेता है और उसके शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, किसी का शरीर चुंबक जैसा होता है, जिससे लोहे की चीजें अपने आप चिपक जाती हैं। ऐसी ही एक शख्स रशियन गर्ल नताशा डेमकिना हैं, जो अब 37 साल की हैं। नताशा को लेकर दावा किया गया है कि उनकी आंखों में एक्स-रे विजन है। यानी कि वे अपनी खुली आंखों से किसी के भी शरीर के अंदर देख सकती हैं और बीमारियों को पहचान सकती हैं। हालांकि, नताशा ने जब एक्सरे विजन का दावा किया तब उनकी बातों पर किसी को यकीन नहीं था, लेकिन बाद में धीरे-धीरे लंदन, न्यूयॉर्क और जापान के डॉक्टर और वैज्ञानिकों ने उसके इस प्रतिभा पर सहमती व्यक्त कर दी।

मैं बीमारी की सही पहचान कर लेती हूं

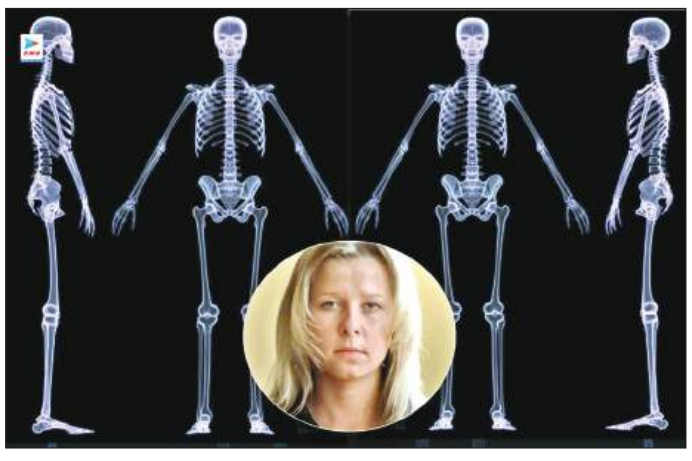

नताशा ने कहा था कि मैं जो भी देखती हूं, उसे समझने में थोड़ा समय लेती हूं। मैं एक्सरे की तरह ज्यादा तेजी से काम नहीं करती, लेकिन बीमारी की सही पहचान कर लेती हूं। नताशा ने दावा कि वे किसी बीमारी के शुरुआती स्टेज को भी पहचान जाती हैं, जिसे

चिकित्सक भी जल्द नहीं पकड़ पाते। नताशा के अनुसार 10 साल की उम्र तक वे एक सामान्य बच्ची थीं, तब तक उनके अंदर एक्स-रे विजन नहीं था। लेकिन बाद उनके अंदर ये गुण आने शुरू हो गए। डॉक्टर नताशा के एक्सरे विजन की बार-बार परीक्षा लेते और वे उसकी पहचान कर उन्हें गलत साबित करतीं। डॉक्टरों ने नताशा को कृत्रिम घुटने को पहचानने के लिए कहा, जिसे उन्होंने पहचान लिया। इसके बाद कई बार उनका टेस्ट लिया गया, वे सफल हुईं। लेकिन एक बार उनके एक्सरे विजन पर सवाल खड़े हो गए।

वैज्ञानिकों ने भी किया टेस्ट

दरअसल, वैज्ञानिकों की एक टीम ने नताशा को लेकर टेस्ट प्लान किया। साइंटिस्ट ने 6 लोगों को चुना, जिनके शरीर में कोई न कोई दिक्कत थी। उन तमाम समस्याओं को एक पेपर पर लिखा गया। फिर उनकी तस्वीरें नताशा को देकर पूछा गया कि उन फोटोज को देखकर बताएं कि वहां प्रॉब्लम किस शख्स से जुड़ी है। वैज्ञानिकों को लगा कि नताशा टेस्ट को चुटकी में हल कर देंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंसान और उसकी समस्या को वे मैच करने में असफल रही हैं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि नताशा के पास कोई एक्सरे विजन नहीं है, वे सिर्फ अंदाजा लगाकर समस्या बतलाती हैं।

स्वदेश लौटीं विनेश फोगाट, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद विनेश फोगाट शनिवार को स्वदेश लौट आईं। दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही विनेश को रोते हुए देखा गया। पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद एयरपोर्ट पर उनका ऐतिहासिक स्वागत किया गया।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और अन्य सहित कई उल्लेखनीय लोग , विनेश के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। प्रशंसकों ने नाचते हुए 29 वर्षीय शीर्ष पहलवान का स्वागत किया। इससे पहले सुबह, फोगट के परिवार, दोस्त, रिश्तेदार और प्रशंसक उनका स्वागत करने के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के बाहर बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

हवाईअड्डे पर पहुंचते ही भावुक विनेश फोगाट ने देश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं सभी देशवासियों को धन्यवाद देती हूं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं। उनकी वापसी से हरियाणा में उनके पैतृक गांव बलाली में जश्न का माहौल है, जहां उनके भव्य स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं।

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट के प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें प्रशंसकों का पसंदीदा बना दिया है, भले ही संयुक्त रजत पदक के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) में उनकी अपील इस सप्ताह की शुरुआत में खारिज कर दी गई थी, जिसके कारण उन्हें पेरिस में लंबे समय तक रहना पड़ा।

बलाली में इस अवसर पर कुल 750 किलोग्राम बूंदी के लड्डू तैयार किए गए हैं। ग्रामीणों द्वारा गोल्डन लड्डू करार दिया गया यह लड्डू, विनेश के लिए महसूस किए गए गर्व का प्रतीक है। विनेश की घर वापसी सिर्फ वापसी नहीं है बल्कि पूरे गांव के लिए गर्व का क्षण है, जो भारत के लोगों के मन में अपने ओलंपिक नायक के प्रति गहरी प्रशंसा और प्यार को दर्शाता है।

बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक के साथ दिल्ली में किया रोड शो

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगट ने पेरिस ओलंपिक से लौटने के बाद शनिवार को दिल्ली में रोड शो किया। रोड शो में बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद थे। साक्षी मलिक ने कहा, विनेश ने देश के लिए जो किया है, वह बहुत कम लोग कर पाते हैं। उन्हें और अधिक सम्मान और सराहना मिलनी चाहिए...। इस बीच, बजरंग पुनिया ने कहा, देशवासी उन्हें जबरदस्त प्यार दे रहे हैं, आप देख सकते हैं कि देश ने उनका कैसे स्वागत किया। इससे पहले शनिवार को पहलवान विनेश फोगट दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। पेरिस से लौटने पर विनेश ने कहा, मैं सभी देशवासियों का शुक्रिया अदा करती हूं, मैं बहुत भाग्यशाली हूं। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली वह पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं। हरियाणा में जन्मी यह पहलवान एयरपोर्ट के बाहर निकलने के बाद भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोने लगी।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध को ठुकराने के बाद पर्थ स्कॉर्चर्स में शामिल होंगे फिन एलन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के राष्ट्रीय अनुबंध को ठुकराने के बाद, स्टार कीवी खिलाड़ी फिन एलन दो साल के सौदे पर पर्थ स्कॉर्चर्स से जुड़ेंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, स्कॉर्चर्स आने वाले दिनों में एलन के क्लब में जाने की पुष्टि करेगा। एलन ने हमेशा टी20 प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। उनका स्ट्राइक रेट 168.60 है, जो वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के बाद सबसे छोटे क्रिकेट प्रारूप में कम से कम 3000 रन बनाने वाले किसी भी बल्लेबाज के लिए दूसरा सबसे अधिक है। टी20आई में, कीवी सलामी बल्लेबाज ने दो शतक बनाए और 2022 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ़ एक बड़ा प्रभाव डाला। हालांकि, एलन का टी20 विश्व कप 2024 निराशाजनक रहा, जब उन्होंने कीवी टीम के लिए चार पारियाँ खेलने के बाद केवल 35 रन बनाए। इससे पहले गुरुवार को डेवोन कॉनवे और फिन एलन ने न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंधों को ठुकरा दिया था। हालांकि, कॉनवे ने केन विलियमसन की तरह कैजुअल एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं और श्रीलंका के व्हाइट-बॉल मैचों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। वह एसए20 में भाग लेंगे। कॉनवे और एलन दोनों को पिछले महीने अनुबंध सूची में शामिल किया गया था और अब उन्हें बदल दिया जाएगा। कॉनवे ने इस प्रक्रिया के दौरान उनके समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडली) को धन्यवाद दिया।

कमर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर हुए महमूदुल हसन

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके नियमित सलामी बल्लेबाज महमूदुल हसन कमर की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। बीसीबी ने अभी तक महमूदुल के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है। बीसीबी के मुख्य चिकित्सक देबाशीष चौधरी ने शनिवार को क्रिकबज से पुष्टि करते हुए कहा, हमें महमूदुल के बारे में एक मेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि उनके दाहिने कमर में चोट लगी है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें तीन सप्ताह के लिए आराम दिया जा रहा है। टेस्ट टीम में शामिल होने से पहले इस्लामाबाद में शाहीन्स के खिलाफ खेलने वाली बांग्लादेश ए टीम का हिस्सा रहे महमूदुल को फील्डिंग के दौरान चोट लग गई और इसके परिणामस्वरूप वे दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके।

2024 महिला टी20 विश्वकप की मेजबानी करना चाहता है जिम्बाब्वे

हरारे। बांग्लादेश में जारी हिंसा और खराब हालातों को देखते हुए जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि वह महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी करने तैयार है। इससे पहले बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) ने भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) से विश्वकप की मेजबानी करने की अपील की थी पर बीसीसीआई ने इंकार कर दिया था। ऐसे में जिम्बाब्वे बोर्ड को मेजबानी मिलने का अवसर दिखा और उसने प्रस्ताव दे दिया। जिम्बाब्वे ने अब तक विश्वकप क्वालीफायर 2023 और 2018 की मेजबानी की थी। उसकी टीम हालांकि क्वालीफाइ नहीं होने कारण एक बार भी विश्वकप में भाग नहीं ले पाई है। जिम्बाब्वे अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी के लिए भी टूर्नामेंट का मेजबान बनना चाहता है। जिम्बाब्वे साल 2026 में नामीबिया के साथ पुरुष अंडर 19 विश्वकप और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर एकदिवसीय विश्वकप की सह मेजबानी भी करेगा। तब तक देश में दो और नये अंतरराष्ट्रीय मैदान भ बन जाएंगे। जिम्बाब्वे बोर्ड हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब के मैदान को टी-20 विश्वकप के आयोजन के तौर पर पेश कर सकता है। इन मैदानों पर 2023 विश्वकप क्वालीफायर के सभी मैच हुए थे।

पीकेएल 2024 नीलामी :

खिलाड़ियों पर जमकर बरसे पैसे सचिन तंवर 2.15 करोड़ में बिके

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए नीलामी समाप्त हो गई। मुम्बई में हुए दो दिवसीय ऑक्शन में 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। ऑक्शन के दौरान खिलाड़ियों पर जमकर पैसे बरसे हैं। सचिन तंवर 2.15 करोड़ रुपये के साथ पीकेएल 2024 के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें तमिल थलाइवाज ने खरीदा है। ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह प्रो कबड्डी लीग प्लेयर ऑक्शन में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने। उन्हें हरियाणा स्टीलर्स ने 2.07 करोड़ रुपये में खरीदा।

पीकेएल के 11वें सीजन के लिए सभी टीमों ने तीन कैटेगरी में कुल 88 खिलाड़ियों को रिटेन किया था। एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स कैटेगरी में 22, रिटेन्ड यंग प्लेयर्स श्रेणी में 26 और एक्साइटिंग न्यू यंग प्लेयर्स कैटेगरी में 40 प्लेयर रिटेन किए गए हैं।

सबसे महंगे खिलाड़ी

- 2.07 करोड़ - मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह, ईरान (हरियाणा स्टीलर्स)
- 1.97 करोड़ - गुमान सिंह (गुजरात जायंट्स)
- 1.725 करोड़-पवन कुमार सहरावत (तेलुगु टाइटंस)
- 1.30 करोड़-भारत हुडा (यूपी योद्धा)

ये रही पूरी टीमें

बंगाल वॉरियर्स की पूरी टीम
रेडर्स - विश्वास एस, नितिन कुमार, महारुद्र गरजे, सुशील काम्ब्रेकर, मनिंदर सिंह, चाई-मिंग चांग, आकाश बी चौहान, अर्जुन राठी, प्रणय विनय राणे
डिफेंडर- श्रेयस उंबरदंड, आदित्य एस. शिंदे, मंजीत, दीप कुमार, दीपक अर्जुन शिंदे, यश मलिक, फजल अत्राचली, नितेश कुमार, मयूर जगन्नाथ कदम, प्रवीण ठाकुर, हेम राज, संभाजी वबाले, वैभव भाऊसाहेब गरजे
ऑलराउंडर- सागर कुमार

बेंगलुरु बुल्स की पूरी टीम
रेडर्स -सुशील, अक्षित, मंजीत, पंकज, अजिंक्य पवार, प्रदीप नरवाल, प्रमोत सैसिंग, जय भगवान, जतिन
डिफेंडर - पोनपार्थिबन सुब्रमण्यन, सौरभ नंदल, आदित्य पोवार, लकी कुमार, पार्टिक, अरुलनंथाबाबू, रोहित कुमार, अक्षित, हसुन थोंगक्रूआ
ऑलराउंडर- चंद्रनायक एम, नितिन रावल
गुजरात जायंट्स की पूरी टीम
रेडर्स -राकेश, प्रतीक दहिया, नितिन, गुमान सिंह, मोनू, हिमांशू, हिमांशू सिंह, आदेश सिवाच
डिफेंडर- सोमबीर, वाहिद रेजाइमेहर, नीरज कुमार, हर्ष लाड, मोहित, मनुज, नितेश
ऑलराउंडर- जितेंद्र यादव, बालाजी डी, मोहम्मद एस्माईल नबीबख्श, राज डी. सालुंखे, रोहन सिंह

दबंग दिल्ली की पूरी टीम
रेडर्स -नवीन कुमार, आशु मलिक, मनु, मोहित, सिद्धार्थ सिरीश देसाई, मोहम्मद मिजानुर रहमान, हिमांशु, परवीन, राहुल, विनय
डिफेंडर- हिम्मत अंतिल, आशीष, योगेश, विक्रांत, संदीप, मोहम्मद बाबा अली, गौरव छिल्लर, राहुल, रिंकू नरवाल
ऑलराउंडर- आशीष, नितिन पंवार, बृजेन्द्र सिंह चौधरी

जयपुर पिंक पैंथर्स की पूरी टीम
रेडर्स -अर्जुन देशवाल, रितिक शर्मा, अभिजीत मलिक, सोमबीर, श्रीकांत जाधव, विकास खंडोला, नीरज नरवाल, के. धरणीधरन, नवनीत
डिफेंडर- अंकुश, अभिषेक केएस, रेजा मीरबाघेरी, नितिन कुमार, रौनक सिंह, सुरजीत सिंह, अर्पित सरोहा, मयंक मलिक, रवि कुमार, लकी शर्मा
ऑलराउंडर- अमीर हुसैन मोहम्मदमलेकिज, आमिर वानी

हरियाणा स्टीलर्स की टीम
रेडर्स - विनय तेवतिया, शिवम पटारे, विशाल टेटे, जयसूर्या एनएस, घनश्याम मगर, जी. अभिषेक, विकास जाधव
डिफेंडर- मणिकंदन एन, हरदीप, जयदीप दहिया, राहुल सेठपाल, संजय, मोहित, आशीष गिल, मणिकंदन एस।
ऑलराउंडर- साहिल, मोहम्मदरेजा शादलू, नवीन, संस्कार मिश्रा

पटना पाइरेट्स की पूरी टीम
रेडर्स -कुणाल मेहता, सुधाकर एम, संदीप कुमार, साहिल पाटिल, दीपक, अयान, जंग-कुन ली, मीतू, प्रविंदर, देवांक
डिफेंडर- मनीष, अबिनंद सुभाष, नवदीप, शुभम शिंदे, हामिद नादेर, त्यागराजन युवराज, दीपक राजेंद्र सिंह, प्रशांत कुमार राठी, सागर, अमन, बाबू मुरुगासन
ऑलराउंडर- अंकित, गुरदीप

पुनेरी पलटन की पूरी टीम
रेडर्स - पंकज मोहिते, मोहित गोयत, नितिन आर, आकाश शिंदे, आदित्य शिंदे, आर्यवर्धन नवले, अजित वी कुमार
डिफेंडर- संकेत सावंत, अबिनेश नादराजन, गौरव खत्री, वैभव कांबले, दादासो पुजारी, तुषार दत्ताराय अधावड़े, मोहित, अली हादी, अमन, मोहम्मद अमान, विशाल, सौरव
ऑलराउंडर- असलम मुस्तफ़ा इनामदार, अमीर हसन नोरूजी

तमिल थलाइवाज की पूरी टीम
रेडर्स -विशाल चहल, रामकुमार मयंदी, नितिन सिंह, नरेंद्र कंडोला, धीरज बैलमारे, सचिन तंवर, सौरभ फगारे
डिफेंडर- एम अभिषेक, हिमांशु यादव, सागर राठी, आशीष, मोहित, साहिल गुलिया, अनुज गावड़े, रौनक, नितेश कुमार, अमीरहोसैन बस्तमी
ऑलराउंडर- मोईन सफागी

तेलुगु टाइटंस की पूरी टीम
रेडर्स -रोहित, चेतन साहू, प्रफुल्ल जवारे, ओंकार पाटिल, नितिन, मंजीत, आशीष नरवाल
डिफेंडर- अजीत पवार, अंकित, सागर, कृष्ण ढुल, मिलाद जब्बारी, मोहम्मद मलक, सुंदर
ऑलराउंडर- संजीवी एस, पवन सहरावत, शंकर गदाई, विजय मलिक, अमित कुमार

यू मुंबा की पूरी टीम
रेडर्स - शिवम, अजीत चौहान, मंजीत, एम. धनसेकर, स्तुवर्ट सिंह, विशाल चौधरी, सतीश कन्नन
डिफेंडर- गोकुलकन्नन एम, रिंकू, लोकेश घोसलिया, बिट्टू, सोमबीर, मुकिलन शनमुगम, सनी, दीपक कुंडू, सुनील कुमार, अमीन घोरबानी, परवेश भैंसवाल, आशीष कुमार
ऑलराउंडर- अमीरमोहम्मद जफरदानेश, शुभम कुमार

यूपी योद्धाओं की पूरी टीम
रेडर्स -गगना गौड़ा, सुरेंद्र गिल, शिवम चौधरी, केशव कुमार, हेइदराली एकरामी, भवानी राजपूत, अक्षय आर. सूर्यवंशी
डिफेंडर- सुमित, आशु सिंह, जयेश महाजन, गंगाराम, हितेश, सचिन, साहुल कुमार, मोहम्मदरेज़ा कबौद्रहंगी, महेंद्र सिंह
ऑलराउंडर- भरत, विवेक

आईसीसी अंडर-19 पुरूष क्रिकेट विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 की मेजबानी करेगा नेपाल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल 12 से 21 अप्रैल, 2025 तक काठमांडू में आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 की मेजबानी करेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) ने उक्त पुष्टि की। इस डिवीजन 1 इवेंट का विजेता आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करेगा।

सीएएन ने अपने 'एक्स' अकाउंट में यह भी जोड़ा कि मेजबान नेपाल के अलावा, अफगानिस्तान, ओमान, हांगकांग, सिंगापुर और यूएई एशियाई क्षेत्र के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। ओमान और हांगकांग ने डिवीजन 2 टूर्नामेंट से फाइनलिस्ट होने के कारण इस इवेंट के लिए क्वालीफाई किया।

नेपाल ने इस साल दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 2024 आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भाग लिया, जहाँ उन्होंने ईस्ट लंदन के बफ़ेलो पार्क में अफगानिस्तान के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत दर्ज करके सुपर सिक्स चरण के लिए क्वालीफाई किया। पुरुषों का अंडर-19 विश्व कप 2026 जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा, जहां 16 टीमें टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से पांच क्षेत्रीय क्वालीफायर से आएंगी।

फरवरी में 2024 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप फाइनल में भारत को 79 रनों से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया गत विजेता के रूप में प्रतियोगिता में उतरेगा।

मेजबान जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के अलावा, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने 2026 की शुरुआत में होने वाले इस आयोजन के लिए स्वचालित योग्यता हासिल कर ली है।

यह प्रतियोगिता का सोलहवाँ संस्करण भी होगा जो 1988 में शुरू हुआ था और अब क्रिकेट कैलेंडर में एक द्विवार्षिक आयोजन है। भारत ने रिकॉर्ड पाँच मौकों पर पुरुष अंडर-19 विश्व कप जीता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने चार बार जीत हासिल की है। पाकिस्तान दो बार विजयी हुआ है, जबकि बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने एक-एक बार जीत हासिल की है।

डूरंड कप 2024 : मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच ग्रुप चरण मैच रद्द

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

रविवार को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में ईस्ट बंगाल और मोहन बागान सुपर जायंट के बीच होने वाला डूरंड कप ग्रुप चरण का मैच संभावित सुरक्षा कारणों से रद्द कर दिया गया है।आरजी कर मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद शहर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, शहर की पुलिस ने कथित तौर पर सुरक्षा प्रदान करना एक बड़ी चुनौती बताया है।

मोहन बागान पहले ही टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन इस रद्द मैच से मिला एक अंक ईस्ट बंगाल को मुश्किल में डाल सकता है। अंतिम-आठ के लिए, छह ग्रुप-टॉपर्स और दो सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान वाली टीमें कट बना लेंगी।

ईस्ट बंगाल ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है, लेकिन गोवा, जो शनिवार को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शिलांग लाजोंग से खेलेगा, नॉकआउट के लिए कट बनाने के लिए कोलकाता स्थित संगठन से आगे निकल सकता है। कथित तौर पर दोनों प्रतिद्वंद्वी टीमों के प्रशंसक रविवार को मैच के दौरान पीड़ित के साथ एकजुटता दिखाने की योजना बना रहे थे।

लीमा में होने वाली विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में 42 एथलीटों के साथ उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

इस महीने के अंत में लीमा में आयोजित होने वाली आगामी अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 के लिए प्रवेश सूची जारी कर दी गई है, जिसमें 134 टीमों के 1700 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। भारत में विभिन्न खेलों में 42 एथलीट भाग लेंगे। यह आयोजन 27-31 अगस्त के बीच एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में होगा।

कोलंबिया में 2022 के संस्करण में, भारत तीन पदक (2 रजत और 1 कांस्य) के साथ संयुक्त 25वें स्थान पर रहा था।

स्पर्धा में भाग ले रहे खिलाड़ियों की सूची

पुरुष वर्ग

हिमांशु, सचिन - 10,000 मीटर रेस वॉक; कार्तिक राजा अरुमुगम, मुराद कालूभाई सिरमन - 400 मीटर बाधा दौड़; अंकुल, रिहान चौधरी, बापी हांसदा, अबीराम प्रमोद, जय कुमार, - 4×400 मीटर रिले; बापी हांसदा, जय कुमार - 400 मीटर; सिद्धार्थ चौधरी, अनुराग सिंह कलेर - गोला फेंक; मृत्युम जयराम दोंदापति - 100 मीटर; हरिहरन कथिरवन, नयन प्रदीप सारदे - 110 मीटर बाधा दौड़; साहिल खान - 800 मीटर; सारुक खान, रणवीर अजय सिंह - 3000 मीटर स्टीपलचेज़; देव कुमार मीना - पोल वॉल्ट; प्रतीक - हैमर थ्रो; रितिक - डिस्कस थ्रो; मो. अट्टा साजिद - लंबी कूद; दीपांशु शर्मा, रोहन यादव - भाला फेंक

महिला वर्ग

आरती - 10,000 मीटर रेस वॉक; रुजुला अमोल भोंसले, नियोले अन्ना कार्नेलियो, सुदीक्षा वल्दुरी, अबिनया राजराजन, सिया अभिजीत सावंत - 4×100 मीटर रिले; नीरू पहतक, उन्नति अयप्पा बोलैंड - 200 मीटर; नीरू पहतक, अनुष्का कुंभार - 400 मीटर; तमन्ना - गोला फेंक; अबिनया राजराजन- 100 मीटर; उन्नति अयप्पा बोलैंड - 100 मीटर बाधा दौड़; एकता डे - 3000 मीटर स्टीपलचेज़; अमानत कंबोज, निकिता कुमारी - डिस्कस थ्रो; पावना नागराज - लंबी कूद; पूजा - ऊंची कूद; लक्सिता विनोद सैंडिलिया - 800 मीटर, लक्सिता विनोद सैंडिलिया - 1500 मीटर; नीरू पहतक, कनिस्ता तेन्ना मारिया देवा शेकर, सैंड्रामोल साबू, श्रावणी सचिन सांगले, अनुष्का कुंभार - 4×400 मीटर रिले।

मिश्रित रिले 4×400 मीटर टीम - नीरू पहतक, श्रावणी सचिन सांगले, सैंड्रामोल साबू, रिहान चौधरी, बापी हांसदा, जय कुमार।

मैं नदीम का रिकॉर्ड तोड़ सकता था, लेकिन शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी: नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा को लेकर पूरी तरह सकारात्मक थे और उनका मानना था कि वह स्वर्ण पदक विजेता का ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ सकते थे, लेकिन उनके शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी। चोपड़ा ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से चूक गए, उन्होंने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में नीरज ने कहा, नदीम बहुत मेहनती खिलाड़ी है और उसके खिलाफ़ प्रतिस्पर्धा हमेशा सकारात्मकता से भरी होती है और उस दिन भी मुझे पूरा यकीन था कि हमारा मुक़ाबला अच्छा होगा। जब उसने अपने दूसरे प्रयास में ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया तो इसने सभी पर दबाव बनाया, लेकिन चूंकि मैंने पहले भी उसके साथ प्रतिस्पर्धा की थी, इसलिए मुझे पूरा यकीन था कि मैं अपने दूसरे प्रयास के बाद उसका रिकॉर्ड तोड़ दूंगा जो 90 के करीब था, लेकिन किसी तरह मेरे शरीर ने इसकी अनुमति नहीं दी। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि फाइनल के दौरान उनका लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था।

उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा नहीं कर सकता... अरशद नदीम का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.18 मीटर था, जो उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में फेंका था, और मेरा पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर था... मैं खुद को अपनी चरम सीमा तक नहीं धकेल सकता था। मानसिक रूप से मैं तैयार था, लेकिन शारीरिक रूप से, मैं खुद को फिर से प्रशिक्षित कर रहा था। रनवे पर मेरा लेगवर्क वैसा नहीं था जैसा होना चाहिए था। मेरे प्रयास व्यर्थ जा रहे थे। नदीम के थ्रो के तुरंत बाद मेरा थ्रो अच्छा था, क्योंकि मैं बेहद सकारात्मक था...।

नीरज ने अपनी अगली प्रतियोगिता का भी खुलासा किया और कहा कि वह 22 अगस्त से शुरू होने वाले लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, मैंने आखिरकार 22 अगस्त से शुरू होने वाले लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लेने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और बीजिंग 2008 से डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले, चोपड़ा ने ग्रुप बी क्वालिफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर का थ्रो हासिल किया था, जो उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ ऑल टाइम थ्रो था। नदीम के साथ प्रतिस्पर्धी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद, जहां चोपड़ा ने अपने आमने-सामने के मुकाबलों में 9-0 की बढ़त बनाई थी, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में नदीम का 90.18 मीटर का थ्रो चोपड़ा के शीर्ष प्रयास से आगे निकल गया। अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफलता के बाद, नीरज ने अपने प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त किया।

नीरज ने कहा, यह अच्छा थ्रो था, लेकिन मैं अपने प्रदर्शन से खुश नहीं था। मेरी तकनीक और रनवे उतना अच्छा नहीं था। (मैं) केवल एक थ्रो ही कर पाया, बाकी में मैंने फाउल किया।

नीरज ने कहा, (अपने) दूसरे थ्रो के लिए मुझे लगा कि मैं भी इतनी दूर तक थ्रो कर सकता हूं। लेकिन भाला फेंक में, अगर आपका रन इतना अच्छा नहीं है, तो आप बहुत दूर तक थ्रो नहीं कर सकते। भारतीय शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी, जो मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन भी हैं, ने कहा कि पेरिस में खिताब बचाने के लिए लगी चोटों ने कुछ अंतर पैदा किया और उन्हें चोट से मुक्त रहने और अपनी तकनीक पर काम करना होगा।

26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पिछले दो या तीन साल मेरे लिए इतने अच्छे नहीं रहे। मैं हमेशा चोटिल रहता हूं। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की, लेकिन मुझे अपनी चोट (चोट से मुक्त रहने) और तकनीक पर काम करना होगा।

आरबीआई ने पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म के लिए कड़े किए मानदंड, पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार की उम्मीद

मुंबई,17 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ने पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी -पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) के लिए मानदंड कड़े कर दिए।

आरबीआई द्वारा जारी संशोधित मास्टर निर्देश के अनुसार, पी2पी प्लेटफॉर्म को निवेश उत्पाद के रूप में पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए, जिसमें अवधि-लिंक्ड सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न, लिक्विडिटी विकल्प आदि जैसी विशेषताएं हों।

2017 जारी किए गए दिशा-निर्देश

उसने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) को किसी भी बीमा उत्पाद को क्रॉस-सेल नहीं करना चाहिए, जो क्रेडिट वृद्धि या क्रेडिट गारंटी की प्रकृति का हो।

जब तक ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं का मिलान/मैपिंग बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार नहीं किया जाता है, तब तक कोई ऋण वितरित नहीं किया जाना चाहिए।

आरबीआई ने 2017 में पी2पी लेंडिंग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। ऐसा प्लेटफॉर्म एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है जो पीयर-टू-पीयर लेंडिंग में शामिल प्रतिभागियों को एक ऑनलाइन मार्केटप्लेस/प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

हालांकि, यह देखा गया है कि इनमें से कुछ प्लेटफॉर्म ने कुछ ऐसी प्रथाओं को अपनाया है, जो मास्टर डायरेक्शन 2017 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं।

तुरंत प्रभावी हुई नई गाइडलाइन

इसमें कहा गया है कि ऐसी प्रथाओं में, अन्य बातों के अलावा, निर्धारित फंड ट्रांसफर मैकेनिज्म का उल्लंघन, पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को निवेश उत्पाद के रूप में बढ़ावा देना, जिसमें अवधि से जुड़े सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

इसमें लिक्विडिटी विकल्प प्रदान करना और कई बार प्लेटफॉर्म होने के बजाय जमाकर्ता और उधारदाता की तरह काम करना शामिल है। कुछ संस्थाओं द्वारा उल्लंघन के मद्देनजर, आरबीआई ने संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए। संशोधित दिशा-निर्देश तुरंत प्रभावी हो गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू सीमेंट आईपीओ से जुटाएगी 4000 करोड़

मुंबई। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ से जुड़े दस्तावेज सौंपे हैं। एक खबर के अनुसार बाजार नियामक को सौंपे दस्तावेज में कहा गया है कि कंपनी आईपीओ से करीब 4,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। सेबी को भेजे गए दस्तावेज में कहा गया है कि कंपनी ने ताजा निर्गम के जरिये 2,000 करोड़ रुपये और बिक्री पेशकश से अन्य 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना तैयार की है। जेएसडब्ल्यू समूह ने पहले कहा था कि वह वर्ष 2024 में अपनी सीमेंट इकाई को सूचीबद्ध कराएगी। समूह के ऊर्जा, बंदरगाह और इस्पात पहले से ही सूचीबद्ध व्यवसाय हैं। बंदरगाह वर्टिकल में जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को कुछ समय पहले ही सूचीबद्ध कराया गया था। पिछले साल अगस्त में जेएसडब्ल्यू समूह के उत्तराधिकारी एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने 2024 के लिए सूचीबद्धता योजनाओं को साझा करते हुए कहा था कि आईपीओ से मिलने वाली पूंजी से समूह को अपने 6 करोड़ टन क्षमता के लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अपने सीमेंट व्यवसाय की क्षमता चार साल में तीन गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी की क्षमता इस समय 2.06 करोड़ टन सालाना है जिसे बढ़ाकर वह 6 करोड़ टन करने का लक्ष्य है।

गूगल भारत सहित छह देशों में लाएगा 'एआई ओवरव्यू' फीचर

नई दिल्ली। टेक सेक्टर की प्रमुख कंपनी गूगल ने भारत सहित छह देशों में 'एआई ओवरव्यू' फीचर लाने की घोषणा कर दी है। भारत में कंपनी अंग्रेजी और हिंदी में 'एआई ओवरव्यू' शुरू कर रही है और साथ ही देश में पहली बार लोकप्रिय फीचर्स भी पेश कर रही है। कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा ?कि यह आपको लैंग्वेज टॉगल बटन के साथ अंग्रेजी और हिंदी रिज्ल्ट के बीच आसानी से स्विच करने में मदद करेगा, और सुनो बटन पर टैप करके टेक्स्ट-टू-स्पीच के साथ प्रतिक्रियाओं को सुनने में मदद करेगा। इसे भारत, यूनाइटेड किंगडम, जापान, इंडोनेशिया, मैक्सिको और ब्राजील में शुरू क?या जा रहा है। सर्च के प्रोडक्ट मैनेजमेंट की एक वरिष्ठ निदेशक ने कहा कि टेस्टिंग के दौरान हमने देखा कि भारतीय यूजर्स अन्य देशों की तुलना में एआई ओवरव्यू के जवाबों को अधिक बार सुनते हैं। हम सर्च करते समय प्रासंगिक वेबसाइटों की जांच करने के लिए और अधिक तरीके पेश कर रहे हैं। डेस्कटॉप पर एआई ओवरव्यू के लिए दाहिने हाथ के लिंक डिस्प्ले के साथ ऊपरी दाईं ओर साइट आइकन पर टैप करके मोबाइल पर भी पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम एआई को विकसित करते हैं, हम विभिन्न स्रोतों से लोगों को जानकारी तक पहुंचने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कंपनी एआई ओवरव्यू के टेक्स्ट के भीतर सीधे प्रासंगिक वेब पेजों के लिंक जोड़ने का भी परीक्षण कर रही है। इससे लोगों के लिए क्लिक करना और उन साइटों पर जाना और भी आसान हो जाता है, जिनमें उनकी रुचि है।

क्रेडिट कार्ड बंद करने में देरी करने पर बैंक को देना होगा जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक अगर कोई ग्राहक क्रेडिट कार्ड को बंद कराने का आवेदन देता

है तो उस पर 7 दिन के अंदर प्रॉसेस शुरू करना जरूरी होता है। अगर कार्ड जारी करने वाली बैंक या संस्था ऐसा नहीं कर पाती है तो 7 दिन की अवधि के बाद उस पर 500 रुपये हर दिन के हिसाब से जुर्माना लगता है और यह राशि ग्राहक को देनी होती है। हालांकि एक बात का ध्यान देना जरूरी है कि आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भी बकाया नहीं होना चाहिए। यह नियम आरबीआई ने साल 2022 में पेश किया था। किसी भी क्रेडिट कार्ड को बंद कराने से पहले आपको उसका बकाया चुकाना होता है। जब तक बकाया नहीं चुकाया जाता है तब तक क्रेडिट कार्ड बंद नहीं होगा। बहुत से लोग क्रेडिट कार्ड बंद करवाने से पहले रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम नहीं करते हैं। आपने खर्च करके ये प्वाइंट कमाया है। ऐसे में यह रिडीम करना आपका हक ह। कई बार लोग अपने क्रेडिट कार्ड पर कुछ रिकरिंग पेमेंट्स की स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन लगा देते हैं, जैसे इंश्योरेंस प्रीमियम, ओटीटी मंथली चार्ज या कुछ और. बंद कराने से पहले इसे पूरी तरह से क्लियर कर दें। अब आपको बैंक को फोन करके बताना होगा कि आप क्रेडिट कार्ड बंद करना चाहते हैं। इसके बाद वह डिटेल मांगेगा, जिसके बाद प्रॉसेस शुरू किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्रिटिश नागरिक...

इसमें स्वामी ने दावा किया कि राहुल गांधी ने एक ब्रिटिश कंपनी के लिए दाखिल किए गए एनुअल रिटर्न में खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया है। स्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी यह पूछते हुए कठघरे में खड़ा किया कि क्या सोनिया गांधी उन्हें ब्लैकमेल कर रहीं हैं कि उसके दबाव में वो राहुल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे? स्वामी ने 12 अगस्त को विराट हिंदुस्तान संगम नामक संस्था के राष्ट्रीय महासचिव जगदीश शेट्टी का एक पोस्ट शेयर किया। इसमें पोस्ट में दावा किया गया है कि मोदी सरकार राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर नरमी बरत रही है। पोस्ट में कहा गया है, यह सबूत है कि मोदी सरकार नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मामलों में राहुल-सोनिया के प्रति उदारता दिखा रही है। सुब्रमण्यन स्वामी ने मूल शिकायत दर्ज करवाई थी और दोनों बेल पर बाहर हैं। संबंधित इनकम टैक्स केस और नेशनल हेराल्ड हाउस को खाली करने के केस में सोनिया और राहुल की तरफ से फाइनल अपील सुप्रीम कोर्ट में 2018 से ही लंबित है लेकिन सरकार के सॉलिसिटर जनरल या उनके वकीलों की टीम मामले को आगे बढ़ाने में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। शेट्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कार्यालय को टैग करते हुए पूछा कि आज उन लोगों के प्रति उनका रुख इतना नरम क्यों है? उन्होंने लिखा, नियमों के तहत सोनिया-राहुल के मामलों की भी त्वरित सुनवाई क्यों नहीं हो रही है जैसा कि दूसरे नेताओं के साथ हो रहा है? यह देश जानना चाहता है।

स्वामी ने 10 अगस्त को ही एक और पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने गृह मंत्रालय की तरफ से राहुल गांधी को भेजी गई चिट्ठी साझ की है। उन्होंने लिखा, राजनाथ सिंह जब गृह मंत्री थे तब मंत्रालय ने राहुल गांधी को यह चिट्ठी भेजी थी। अब अमित शाह गृह मंत्री हैं जो तब से इस मामले को दबाए हैं। स्वामी ने अब ताजा पोस्ट में कहा है, गृह मंत्रालय राहुल गांधी को दंडित करने में असफल रहा तो मेरे सहयोगी वकील सत्य सभरवाल ने एक पीआईएल फाइल की है। मंत्रालय ने राहुल को यह पूछते हुए कारण बताओ नोटिस भी नहीं जारी किया कि आखिर उनकी नागरिकता खत्म क्यों नहीं की जाए। राहुल गांधी ने गृह मंत्रालय को जवाब देने से इनकार कर दिया, इसलिए पीआईएल दाखिल की गई है।

दरअसल, सुब्रमण्यन स्वामी लंबे समय से आरोप लगा रहे हैं कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन की एक कंपनी में डायरेक्टर के तौर पर अपनी नागरिकता ब्रिटिश बताई है। भारत में दोहरी नागरिकता का नियम नहीं है। भारत का कोई नागरिक जैसे ही किसी दूसरे देश की नागरिकता लेता है, उसकी भारतीय नागरिकता अपने आप खत्म हो जाती है। ऐसे में सुब्रमण्यन स्वामी का सवाल है कि अगर राहुल ब्रिटिश नागरिक हैं तो उनकी भारतीय नागरिकता कैसे बरकरार है? अगर राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं ही नहीं तो वो चुनाव कैसे लड़ सकते हैं या कोई संवैधानिक पद कैसे हासिल कर सकते हैं?

राहुल गांधी यूके में रजिस्टर्ड बैकऑप्स लिमिटेड नाम की कंपनी के निदेशक और सचिव पद पर रहे हैं। कंपनी के 10 अक्टूबर 2005 से 31 अक्टूबर 2006 तक के सालाना रिटर्न में राहुल की राष्ट्रीयता ब्रिटिश और जन्मतिथि 19 जून 1970 बताई। सुब्रमण्यन की शिकायत पर गृह मंत्रालय ने अप्रैल में राहुल के खिलाफ एक नोटिस जारी किया था। राहुल को ब्रिटिश नागरिक होने के आरोपों पर 15 दिन के अंदर जवाब देने को कहा था। लेकिन गृह मंत्रालय ने उस नोटिस का आज तक फॉलोअप नहीं किया।

तब हाईकोर्ट ने...

वकील अशोक पांडेय ने पीठ से आग्रह भी किया कि वे पर्सनल न हों। इस पर दोनों जज बिफर पड़े। उन्होंने वकील अशोक पांडेय को रोकते हुए कहा, बस! आपने हमारे धैर्य की परीक्षा ली है। आप न्यायालय को हल्के में नहीं ले सकते। अब, हम उठ रहे हैं। हाईकोर्ट ने दलील दी कि क्या याचिका दाखिल करने के पहले वे सक्षम प्राधिकारी के पास गए? इसके जवाब में जब याचिकाकर्ता ने प्रशासन के निचले पायदान से शीर्ष तक जाने और दरवाजा खटखटाने के बार निराश होकर हाईकोर्ट आने की बात कही तो उसे हाईकोर्ट ने बिल्कुल अनसुना कर दिया। तब हाईकोर्ट की पीठ ने यह भी कह दिया कि उसके हाथ बंधे हुए हैं क्योंकि वह एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान ज्यादा कुछ नहीं कर सकता और याचिका खारिज कर दी।

आतंकवाद और...

हम स्वास्थ्य, भोजन और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी चिंतित हैं। आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह वह समय है, जब ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर एक-दूसरे की ताकत बनें। हमें एक-दूसरे के अनुभव से सीखना होगा और एक-दूसरे की क्षमताओं को साझा करना होगा। भारत ग्लोबल साउथ के साथ सहयोग करने और अपने अनुभवों और क्षमताओं को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम व्यापार, समावेशी विकास, एसडीजी की प्रगति और महिला नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने बताया कि स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर उनका उनका मिशन एक विश्व, एक स्वास्थ्य और दृष्टिकोण आरोग्य मैत्री, जिसका मतलब है स्वास्थ्य के लिए मित्रता। मानवीय संकट के दौरान भारत अपने मित्र देशों की मदद सबसे पहले करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आप सभी के बहुमूल्य विचारों और सुझावों के लिए मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी ने हमारी साझा चिंताओं और महत्वाकांक्षाओं को सामने रखा है। आपके विचारों से यह बिल्कुल साफ है कि ग्लोबल साउथ एकजुट है। आपके सुझावों में हमारी व्यापक भागीदारी का प्रतिबिंब है। आज की हमारी चर्चा से आपसी सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने का रास्ता तैयार हुआ है। मुझे विश्वास है कि इससे हमारे साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सभी की बात सुनने के बाद, आज मैं आपके सामने भारत की ओर से एक व्यापक वैश्विक विकास योजना का प्रस्ताव रखना चाहता हूं। इस प्रस्ताव की नींव भारत की विकास यात्रा और विकास साझेदारी के अनुभवों पर आधारित होगी। यह प्रस्ताव ग्लोबल साउथ के देशों द्वारा स्वयं निर्धारित की गई विकास प्राथमिकताओं से प्रेरित होगा। यह मानव केंद्रित होगा, और विकास के लिए बहुआयामी होगा और मल्टी-सेक्टोरल दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा। यह डेवलपमेंट फायनेंस के नाम पर जरूरतमंद देशों को कर्ज तले नहीं दबाएगा। यह पार्टनर देशों के संतुलित और सतत विकास में सहयोग देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपने तनावों और संघर्षों से जुड़ी चिंताओं को भी प्रकट किया है। यह हम सभी के लिए गंभीर विषय है। इन चिंताओं का समाधान न्यायिक और समावेशी ग्लोबल गवर्नेंस पर निर्भर करता है। ऐसे संस्थान जिनकी प्राथमिकताओं में ग्लोबल साउथ को वरीयता मिले। जहां विकसित देश भी अपने दायित्व और कमिटमेंट पूरे करें। ग्लोबल नॉर्थ और साउथ के बीच की दूरी को कम करने के लिए हम कदम उठाएं। अगले महीने, संयुक्त राष्ट्र में भविष्य पर विचार हेतु होने वाली बैठक इस सब के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव बन सकती है ।

भारत समेत...

इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आयोग का कहना है कि जिस जगह डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की गई, वहां पर अचानक मरम्मत का काम किया गया है। इससे ये आशंका है कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के लिए वहां मरम्मत कार्य किया गया। साथ ही एनसीडब्ल्यू ने कहा कि पुलिस को तुरंत अपराध स्थल को सील कर देना चाहिए था।राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा गठित दो सदस्यीय जांच समिति ने इस घटना के संबंध में अपनी रिपोर्ट में सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और जांच में खामियों का खुलासा किया है। आयोग ने कहा, राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के कथित दुष्कर्म और हत्या से जुड़ी मीडिया में आई उस दुखद घटना का स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग स्थिति की गंभीरता से चिंतित है और उसने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। आयोग की दो सदस्यीय जांच समिति में डेलिना खोंगडुप और पश्चिम बंगाल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वकील सोमा चौधरी शामिल हैं। समिति ने जांच में पाया कि घटना के दौरान वहां कोई सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था, जिससे रात्रि पाली के दौरान ड्यूटी पर आए चिकित्सक, इंटर्न और नर्सों को पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी गई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अपराध स्थल पर सबूतों के साथ छेड़छाड़ किए जाने की आशंका है। जिस स्थान पर महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म किया गया था, वहां अचानक मरम्मत कार्य किए जाने की पुष्टि हुई है। जबकि स्थानीय पुलिस प्रशासन को अपराध स्थल को तुरंत सील कर देना चाहिए था। आयोग ने कहा कि अस्पताल में महिला चिकित्सा कर्मचारियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। इसमें खराब रखरखाव वाले शौचालय, रौशनी की अपर्याप्त व्यवस्था और सुरक्षा उपायों का भी पूर्ण अभाव था। महिला डॉक्टर का शव उत्तरी कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल के सेमिनार हॉल के अंदर से मिला था। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी हत्या से पहले यौन शोषण की पुष्टि हुई। इसके बाद एक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया गया था।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या के मामले में एक डॉक्टर ने देश के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। पत्र सिकंदराबाद के आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज की बीडीएस डॉक्टर मोनिका सिंह लिखा है। डॉक्टर की तरफ से पत्र याचिका दायर करने वाले वकील सत्यम सिंह ने बताया कि डॉ. मोनिका ने मुख्य न्यायाधीश को भेजी पत्र याचिका में मांग की है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती की जाए ताकि प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स और अपराध स्थल की सुरक्षा की जा सके। पत्र में ये भी मांग की गई है कि यह तैनाती तब तक रहनी चाहिए, जब तक इस मामले पर सुनवाई चल रही हो। पत्र में लिखा गया है कि जिस तरह से लोगों को धमकाया जा रहा है और सबूतों से छेड़छाड़ हो रही है, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में दखल देना चाहिए और स्वतः संज्ञान लेना चाहिए।

दूसरी तरफ, आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, बंगाल की परिस्थितियां बहुत विचित्र हैं और जो हुआ वह अत्यंत दुखद है। डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, हम उनके साथ हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर यह सोचता हूं कि जो कुछ हुआ है, उसका विरोध होना चाहिए और दोषी लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष से महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में आज फिर पूछताछ हुई। सीबीआई अस्पताल के पूर्व प्राचार्य को पूछताछ के लिए शुक्रवार को अपने साथ ले गई थी और उनसे देर रात तीन बजे तक पूछताछ की गई।

कोलकाता की घटना के बाद जारी विरोध प्रदर्शन का असर हुआ है और देश के अस्पतालों में डॉक्टर्स और मेडिकल क्षेत्र ले जुड़े लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाने शुरू हो गए हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है, अस्पतालों में काम करने वाले लोगों, खासकर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा यह एक गंभीर मुद्दा है। उनके लिए सुरक्षित माहौल होना चाहिए और मैंने मंगलवार को इस बारे में सभी एसोसिएशनों, डॉक्टरों, नर्सों की एक बैठक भी बुलाई है। हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि मौजूदा कानून में क्या है, हम क्या कर सकते हैं और प्रोटोकॉल क्या हैं? डॉक्टर विरोध कर सकते हैं लेकिन लोगों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी इस पर सहमत हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में हुई डॉक्टर की हत्या के विरोध में दिल्ली समेत पूरे देश में डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। एम्स ने मरीजों की सुविधा के लिए इमरजेंसी को बाधित न करने का फैसला लिया है। आज सुबह 6 बजे से 24 घंटे की हड़ताल शुरू हो गई। निजी अस्पतालों केवल आपातकालीन में सुविधा मिल रही है। डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधे रखी।दिल्ली के जनकपुरी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज परेशान हुए। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी दिन भर विरोध प्रदर्शन चलता रहा। इस दौरान सीनियर फैकेल्टी ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को संबोधित किया और ममता बनर्जी जमकर निशाना साधा। पश्चिमी दिल्ली के सबसे बड़े दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भी केवल इमरजेंसी चालू रही। उत्तर पूर्वी दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इसके अलावा दिल्ली एम्स में रेजिडेंट डॉक्टर, नर्स और टेक्निकल स्टाफ भी प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं।

इसके अलावा निजी अस्पताल में भी हड़ताल चालू है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के कौशांबी में यशोदा अस्पताल में डॉक्टरों का प्रदर्शन हुआ।रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन यूसीएमएस (यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज) और जीटीबीएच (गुरु तेग बहादुर अस्पताल) ने भी आज अपनी हड़ताल जारी रखी। बीते शुक्रवार को एम्स, सफदरजंग, लेडी हार्डिंग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज सहित दूसरे मेडिकल कॉलेजों के हजारों छात्रों ने निर्माण भवन का घेराव किया। देर शाम तक डॉक्टर निर्माण भवन पर बैठकर प्रदर्शन करते रहे।

इस दौरान पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश भी की, लेकिन डॉक्टर अपनी जगह से नहीं हटे। वहीं, देर शाम डॉक्टरों ने सफदरजंग अस्पताल से इंडिया गेट तक कैंडल मार्च निकाला। इसके अलावा अलग-अलग कॉलेज व अस्पतालों में डॉक्टरों ने अपने स्तर पर प्रदर्शन किया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की देशव्यापी हड़ताल के तहत दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने शनिवार को आपातकालीन सेवाएं भी बंद करने का फैसला किया था। 24 घंटे चलने वाली इस हड़ताल में निजी अस्पताल भी शामिल रहे। पूरे 24 घंटे तक दिल्ली के सभी क्लिनिक, नर्सिंग होम, डायग्नोस्टिक सेंटर पूरी तरह से बंद रहेंगे। आपातकालीन सेवाओं को भी बंद रखा जाएगा।

37 साल में ...

हालांकि वे मुख्यमंत्री या उप-मुख्यमंत्री तक नहीं पहुंच पाए लेकिन ऐसी बहुतेरी कोशिशें उनके द्वारा जरूर की गई हैं।

राज्य में विधानसभा चुनावों के दौरान सबसे ज्यादा नेताओं को निशाना बनाया गया है। इसे आंकड़े भी स्पष्ट करते हैं। वर्ष 1996 के विधानसभा चुनावों में अगर आतंकी 75 से अधिक नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतारने में कामयाब रहे थे तो वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव उससे अधिक खूनी साबित हुए थे जब 87 नेता मारे गए थे।

ऐसा भी नहीं था कि बीच के वर्षों में आतंकी खामोश रहे हों बल्कि जब भी उन्हें मौका मिलता वे लोगों में दहशत फैलाने के इरादों से नेताओं को जरूर निशाना बनाते रहे थे। अगर वर्ष 1989 से लेकर वर्ष 2005 तक के आंकड़े लें तो 1989 और 1993 में आतंकियों ने किसी भी नेता की हत्या नहीं की और बाकी के वर्षों में यह आंकड़ा 8 से लेकर 87 तक गया है। इस प्रकार इन वर्षों में आतंकियों ने कुल 1271 नेताओं को मौत के घाट उतारा।

अगर वर्ष 2008 का रिकॉर्ड देखें तो आतंकियों ने 16 के करीब कोशिशें नेताओं को निशाना बनाने की अंजाम दी थीं। इनमें से वे कई में कामयाब भी रहे। वर्ष 2008 में यह कोशिश लोकतांत्रिक सरकार के सत्ता में रहते हुए अंजाम दी गई थी जिस कारण जनता में जो दहशत फैली वह अभी तक कायम है।

अब जबकि प्रदेश में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है, आतंकी भी अपनी मांद से बाहर निकलते जा रहे हैं। उन्हें सीमा पार से दहशत मचाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। वे अपनी कोशिशों की शुरुआत भी कर चुके हैं। हालांकि बड़े स्तर के नेताओं को तो जबरदस्त सिक्युरिटी दी गई है पर निचले और मंझोले स्तर के नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए बाहर निकलने में खतरा महसूस हो रहा है। ऐसे नेताओं को एक से दो व्यक्तिगत सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा मुहैया करवाई जा रही है जो आतंक के स्तर के आगे ऊंट के मुंह में जीरे के समान कही जा सकती है।

आतंकवाद से ...

ऐसा इस संभाग में आतंकी घटनाओं में बढ़ोतरी और केंद्र शासित राज्य में विधानसभा चुनावों को देखते हुए एक एहतियाती उपाय के तौर पर किया गया है। गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती की ओर से जारी एक आदेश के मुताबिक कठुआ, किश्तवाड़, उधमपुर, रियासी, राजौरी और पुंछ जिलों में आठ एसपी (ऑपरेशन) तैनात किए गए हैं।

सरकारी आदेश के मुताबिक इन सभी एसपी को सशस्त्र पुलिस में डिप्टी कमांडेंट के रूप में उनकी पिछली भूमिकाओं से तबादला कर दिया गया है। यह फैसला 9 जून के बाद से जम्मू इलाके में 18 आतंकवादी घटनाओं के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के बीच आया है।

गौरतलब है कि हाल के दिनों में सीमा पार से कई आतंकी घुसपैठों को अंजाम दिया गया है। सीमा पार से आने वाले इन आतंकियों ने सेना पर कई खतरनाक हमले किए हैं. जिनमें कई जवान शहीद हो गए हैं। इस आदेश के मुताबिक कठुआ और राजौरी जिलों में दो एसपी (ऑपरेशन) होंगे, जबकि शेष जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियानों का प्रबंधन करने के लिए एक-एक एसपी ऑपरेशन होगा।

ये एसपी अपने संबंधित इलाकों की निगरानी करेंगे, सख्त नियंत्रण और बढ़ी हुई सतर्कता सुनिश्चित करेंगे। आदेश के मुताबिक निसार अहमद को कठुआ में कंडी और सीमावर्ती इलाकों के लिए एसपी (ऑपरेशन) के रूप में तैनात किया गया है। जबकि औमेर इकबाल को बिलावर, बनी, बसोहली और मल्हार इलाकों के साथ ऊपरी कठुआ इलाका सौंपा गया है।

इसी आदेश के मुताबिक राजौरी में चरणजीत सिंह थन्नामंडी, दरहाल, राजौरी और मंजाकोट इलाकों में ऑपरेशन की देखरेख करेंगे, जबकि वजाहत हुसैन बुद्धल और कंडी बेल्ट के लिए जिम्मेदार होंगे। वहीं इफरोज अहमद किश्तवाड़ में, मशकूर अहमद रियासी के अरनास, गुलाबगढ़, माहौर, चसाना और पसाना इलाकों में, पृथपाल सिंह बसंतगढ़ में, उधमपुर के डुडु और लाटी इलाकों में, सचिन गुप्ता सुरनकोट और पुंछ के बफलियाज इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियान की कमान संभालेंगे।

हेरंब संकष्टी चतुर्थी 22 को

भाद्रपद माह में बप्पा की पूजा का विशेष महत्व

भगवान गणेश को साक्षात् बुद्धि का स्वरूप, ज्ञान का देवता एवम् सभी बाधाओं या कष्टों को दूर करने वाला देवता माना जाता है । इसे भगवान गणेश की पूजा करने का एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। हर साल भाद्रपद के महीने में आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन हेरंब संकष्टी चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है, जो भगवान गणेश के 32 स्वरूपों में से एक हेरम्ब देवता को समर्पित है। इस साल भाद्रपद माह की हेरंब संकष्टी चतुर्थी 2024 में कब है, जान लें डेट, पूजा मुहूर्त।

भाद्रपद हेरंब संकष्टी चतुर्थी

भाद्रपद माह की हेरंब संकष्टी चतुर्थी 22 अगस्त 2024 को है। इसी दिन बहुला चौथ भी मनाई जाएगी। भगवान गणेश को किसी भी पूजा या अनुष्ठान का आरम्भ करने से पहले देवताओं में सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा की जाती है।

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 22 अगस्त 2024 को दोपहर 01 बजकर 46 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 23 अगस्त 2024 को सुबह 10 बजकर 38 मिनट पर इसका समापन होगा।

सुबह पूजा का समय - सुबह 06.06 - सुबह 07.42

पूजा मुहूर्त - शाम 05.17 - रात 09.41

चंद्रोदय समय - रात 08.51

हेरंब संकष्टी चतुर्थी पूजा मंत्र

हे हेरंब त्वमेह्योहि ह्याम्बिकात्र्यम्बकात्मज
सिद्धि-बुद्धि पते त्र्यक्ष लक्षलाभ पितु: पित:
नागस्यं नागहारं त्वां गणराजं चतुर्भुजम्
भूषितं स्वायुधौदव्यै: पाशांकुशपरश्रवधै:

भाद्रपद संकष्टी चतुर्थी महत्व

भाद्रपद माह में गणपति जी की पूजा का विशेष महत्व है क्योंकि इसी महीने में बप्पा का जन्म हुआ था। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है और ये उत्सव 10 दिन तक चलता है। भादो में बप्पा की पूजा से संकट, कष्ट, रोग, दोष दूर होते हैं।

हेरम्ब संकष्टी चतुर्थी की पूजा विधि

इस दिन सूर्योदय के समय उठकर स्नान आदि कार्य करने के बाद शुद्ध वस्त्र धारण करें। पीले रंग के कपड़े पहनें।

भगवान गणेश की विधिपूर्वक पूजा करें और व्रत का संकल्प लें।

गणेश जी को फूल, फल, सिंदूर, अक्षत, माला और दूर्वा अर्पित करें।इसी के साथ उन्हें मोदक का भोग लगाएं।

गणेश जी के सामने घी की दीपक जलाएं। इस दौरान गणेश मंत्र का उच्चारण करें।

अंत में देवता की आरती करें। रात में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत को खोलें।

ब्रजमंडल में बूरा खाने की परंपरा अब तोड़ रही है दम

समाज में आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के कारण रक्षाबंधन पर सामाजिक एकता और सद्भाव बनाने वाली ब्रजमंडल की ''बूरा खाने'' की परंपरा अब दम तोड़ रही है।

इतिहास साक्षी है कि पहले रक्षाबंधन पर बूरा खाने की परंपरा का चलन इतना अधिक था कि रक्षाबंधन पर न केवल नव विवाहित व्यक्ति ही अपनी ससुराल जाता था बल्कि बड़े बुजुर्ग भी इस परंपरा का पूरे जोश से निर्वहन करते थे तथा सजी सजाई बैलगाड़ी से ससुराल जाते थे। बूरा खाने के बहाने विवाहित व्यक्ति अपनी पत्नी को ससुलराल से विदा कराकर लाता है क्योंकि उसकी पत्नी हरियाली तीज के बाद अपने मायके चली जाती है। विवाहित व्यक्ति न केवल एक परिवार का बल्कि पूरे गांव का दामाद होता था तथा उसे मेहमान कहा जाता था, तथा गांव का हर परिवार उसे अपने यहां भोजन या नाश्ते के लिए बुलाता था।दामाद की जबर्दस्त खातिरदारी होती थी मगर इस परंपरा में अब बहुत अंतर आ गया है।

मथुरा के चैमुहा कस्बे के निवासी अधिवक्ता भारत मोहन भारद्वाज ने बताया कि जब वे पहली बार बूरा खाने के लिए अपनी ससुराल गए थे तो बैलगाड़ी की जगह कार से गए थे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विवाहित व्यक्ति को सौगी ले जाना आवश्यक होता है। सौगी में झूला, पटरी, घेवर, बूरा, खेल खिलौने आदि लेकर अपने छोटे भाइयों के साथ जाते हैं ।

उन्होने बताया कि उनके साथ 12 छोटे भाई बहन और गए थे।उस समय दामाद को कुश्ती लड़ने के साथ लम्बी कूद, कबड्डी आदि में भाग लेना आवश्यक था। लोग कम से कम तीन दिन और अधिकतम दास दिन तक ससुराल में रहते थे तथा पूरा गांव दामाद की खातिरदारी करता था। जब ससुराल से लौटते थे तो दामाद और उसके साथ गए लोगों को रूपए, कपड़े आदि देने के साथ शुद्ध घी और राशन तक दिया जाता था। दामाद के साथ उसकी पत्नी भी विदा होकर आती है। उन्होंने बताया कि अब तो बूरा खाना'कुछ घंटों का ही खेल रह गया है ।

मेहमान रक्षाबंधन पर या उसके एक दो दिन पहले आते हैं। दो तीन घंटे ही रूकते हैं तथा खाना खाकर भेंट लेकर चले जाते हैं बहन भी राखी देकर रक्षाबंधन के दिन बांधने का निर्देश देकर चली जाती है। मथुरा जिले के राधाकुंड के पाली ब्राम्हरान निवासी घनश्याम सिंह सेनी ने कहा कि अब प्रेम भाव खत्म हो गया है तथा गावों में गुटबन्दी के कारण एक दूसरे के दरवाजे पर जाना भी समाप्त होता जा रहा है तथा कुश्ती और लम्बी कूद आदि बीते जमाने की बात बनती जा रही हैं। सुरीर निवासी ज्ञानेन्द्र सिंह का कहना था कि पहले गावों में बूरा खाना एक पर्व और उत्सव की तरह मनाया जाता था जिसमें गांव के सभी लोग मिलजुलकर भाग लेते थे पर अब यह केवल औपचारिकता तक ही सीमित रह गया है।

माधुरीकुड अड़ींग निवासी 75 वर्षीय निरंजन सिंह ने बताया कि पहले रब्बा से बूरा खाने के लिए जाते थे। अपने साथ बूरा, घेवर, लड्डू, खिलौने आदि लेकर नये कपड़े पहनकर जाते थे। उन्होंने बताया कि ससुराल में उन्होंने कुश्ती में उस समय के गांव के एक युवक को न केवल हराया था बल्कि लम्बी कूद, कबड्डी आदि में भी भाग लिया था। बड़ी मौज थी। पूरा गांव ऐसी खातिरदारी करता था कि आज भी उसे भूले नही हैं। आठ दस दिन ससुराल में मौज मस्ती करते थे और जब ससुराल के लोग यह कहते थे कि सारी सब्जियां तो बन चुकी हैं अब आज चटनी से ही रोटी खा ली जाय तो कैसा रहेगा। चटनी का नाम आते ही अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश होता है कि अब ससुराल से चलना चाहिए। विदा में भी राशन, कपड़े , रूपए आदि इतना अधिक दिया जाता था कि अगले रक्षाबंधन की तैयारी विदा के साथ ही शुरू हो जाती थी।

बरसाना निवासी मनोज शर्मा ने कहा कि आधुनिकता की चकाचौंध में अब बूरा खाने की परंपरा एक प्रकार से दम तोड़ने लगी है। ससुराल में कुछ समय बिताने की जगह विवाहित व्यक्ति एक दो घंटे रूककर अपनी पत्नी को विदा कराकर आ जाता है। गौसना निवासी राजनसिंह का कहना था कि पहले जहां बूरा खाने के लिए दामाद के साथ उनके छोटे सगे और चचेरे भाई जाते थे अब उसकी जगह दामाद अकेले जाता है और एक रात भी ससुराल में बिताने को तैयार नही होता। बूरा खाने की इस निराली परंपरा के कारण पहले रक्षाबंधन के दो तीन दिन बाद तक न केवल सरकारी कार्यालयों से रौनक गायब रहती थी बल्कि स्कूल में बहुत कम बच्चे पढ़ने आते थे। कुछ इसी प्रकार के विचार छाता निवासी सोरन, कोसी निवासी गुलाब, मगोर्रा निवासी भोलू, फरह निवासी दीनू , गोवर्धन निवासी गोविन्द, जगदीश आदि के हैं। सभी का यह विचार था कि ब्रजमंडल का बूरा खाने का त्योहार अब अस्ताचल की ओर मुड़ गया है।

रविवार व्रत जीवन में दिलाता है सफलता और समृद्धि, जानें कैसे करें इस व्रत का उद्यापन

सप्ताह के हर दिन किसी न किसी देवी-देवता के लिए व्रत रखने या पूजा करने का विधान है। रविवार के दिन भगवान सूर्यदेव की पूजा की जाती है और बहुत से लोग इस दिन व्रत भी रखते हैं। रविवार का व्रत रखने से समस्त शारीरिक कष्टों से मुक्ति मिलती है और व्यक्ति असीम सुखों को प्राप्त करना है।

ज्योतिष में सूर्य देव को नवग्रहों का राजा कहा जाता है। इसलिए नवग्रहों की शांति के लिए भी सूर्य देव की उपासना की जाती है। वहीं जो लोग रविवार का व्रत रखते हैं उनका जीवन सुखों से भरा रहता है और सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है। लेकिन कोई भी व्रत तभी सफल माना जाता है, जब उसका उद्यापन किया जाए। जानते हैं रविवार व्रत के लाभ और व्रत उद्यापन की विधि के बारे में।

रविवार व्रत के लाभ

रविवार का दिन भगवान भास्कर को समर्पित होता है। इनकी पूजा और व्रत से घर सुख-समृद्धि से भर जाता है और शत्रुओं का नाश होता है।

रविवार का व्रत कम से कम एक वर्ष और अधिकतम 12 वर्षों तक किया जा सकता है। लेकन व्रत छोड़ने के बाद इसका उद्यापन जरूर करें।

मान्यता है कि जो लोग रविवार का व्रत रखते हैं या रविवार की व्रत कथा सुनते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

जो लोग रविवार के दिन मांसाहार या तामसिक भोजन और नमक का त्याग करते हैं उन्हें उत्तम स्वास्थ्य के साथ ही मान-सम्मान व यश की प्राप्ति होती है।

अगर कोई स्त्री इस व्रत को करे तो उसे संतान सुख मिलता है। साथ ही रविवार का व्रत मोक्ष प्रदान करने वाला माना गया है।

रविवार व्रत से सूर्य ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।

रविवार व्रत से चर्म रोग, नेत्र रोग और कुष्ठ रोग की समस्या भी दूर होती है।

रविवार व्रत उद्यापन पूजा सामग्री

सूर्य देव की प्रतिमा या तस्वीर, लकड़ी की चौकी, लाल कपड़ा, द्वादश दल वाला कमल का फूल, कलश, अक्षत, दीप-बाती, गंगाजल, कंडेल का फूल, लाल चंदन, गुड़, लाल वस्त्र, जनेऊ, रोली, नैवेद्य, पंचामृत, पान का पत्ता, सुपारी, लौंग, इलायची, नारियल, फल, कपूर, हवन सामग्री, घी, आम की लकड़ी और भोग के लिए खीर।

रविवार व्रत उद्यापन विधि

रविवार का व्रत उद्यापन वैदिक मंत्रो के साथ किया जाता है। अगर आपको वैदिक मंत्रों की जानकारी न हो तो आप किसी पुरोहित से व्रत का उद्यापन विधिपूर्वक करा सकते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं ही व्रत का उद्यापन करना चाहते हैं तो इसके लिए सबसे पहले प्रात:काल उठकर स्नान कर लें और पूजा की तैयारी करें। एक चौकी मे लाल रंग का कपड़ा बिछाकर गंगाजल छिड़कर शुद्ध कर लें। फिर चौकी में भगवान सूर्य की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। चौकी के बीच में जल से भरा एक कलश रखें। भगवान को लाल वस्त्र चढ़ाकर चंदन, रोली, अक्षत, जनेऊ आदि अर्पित कर फूल-फल, भोग और पंचामृत चढ़ाएं। अब धूप-दीप दिखाएं। सूर्य देव के साथ ही भगवान गणेश की भी पूजा करें। इसके बाद रविवार की व्रत कथा पढ़ें और सूर्य देव की आरती करें। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को दक्षिणा जरूर दें।

नारली पूर्णिमा कल

जानें पूजन विधि और इस दिन का महत्व

नारली पूर्णिमा का भारत के कई राज्यों में विशेष महत्व है। श्रावणी पूर्णिमा, रक्षा बंधन और कजरी पूर्णिमा की ही तरह नारली पूर्णिमा को भी मनाया जाता है। इस पर्व को विशेष तौर पर दक्षिण भारत के लोग मनाते हैं।

नारली शब्द का मतलब नारियल और पूर्णिमा शब्द का अर्थ पूर्णिमा का दिन होता है। नारली पूर्णिमा के दिन नारियल का काफी महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल ये पर्व 19 अगस्त 2024, सोमवार को मनाई जाएगी हैं। पढ़ें नारली पूर्णिमा पर पूजन विधि के बारे में।

नारली पूर्णिमा का महत्व

विशेष तौर पर ये त्यौहार मछुआरों समेत पूरे महाराष्ट्र में काफी लोकप्रिय है। हिंदी कैलेंडर में सावन को बेहद शुभ महीना माना जाता है। इस वजह से पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। नारली पूर्णिमा के दिन लोग मुख्य रुप से समुद्र के देवता, वरुण की पूजा आराधना करते हैं। इसके साथ ही समुद्र देवता को नारियल आर्पित करते हैं। ऐसा करने से समुद्र देवता प्रसन्न होते हैं और समुद्र के खतरों से रक्षा करते हैं।

मुख्य रुप से इस पर्व को तटीय क्षेत्र के आस पास रहने वाले मछुआरें मनाते हैं। नारली पूर्णिमा के दिन भगवान शिव की भी पूजा अर्चना की जाती हैं। मान्यता है कि नारियल में तीन छिद्रों को त्रिनेत्रधारी का प्रतीक माना जाता है और सावन मास भगवान शिव को काफी प्रिय होता है, इसलिए इस दिन शिव भगवान को

नारियल और भांग धतुरा जैसे वस्तुओं का भोग लगाया जाता है।

नारली पूर्णिमा का अनुष्ठान

इस दिन मछुआरे समुद्र में इस्तेमाल में आने वाले सभी तरह के औजारों की मरम्मत करते हैं ताकि समुद्र में मछली पकड़ते समय उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत न आए। ये पर्व पूर्ण रुप से मछुआरों का अपने भगवान और नौकरी के प्रति सम्मान देने का पर्व है। ऐसे में जो मछुआरे आर्थिक रुप से सम्पन्न है वे इस दिन नई नाव या मछली पकड़ने का जाल भी खरीदते हैं। नारली पूर्णिमा के दिन नावों को भी भव्य रुप से सजाया जाता है।

नारली पूर्णिमा पर क्या करें?

इस दिन मछुआरे मछली नहीं पकड़ते हैं, इसके साथ ही इस दिन मछली का सेवन भी नहीं किया जाता है।

लोग समुद्र किनारे जाकर समुद्र देवता से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए नारियल को समुद्र में प्रवाहित करते हैं।

नारियल को फेंकना शांति का प्रतीक कहा जाता है।

नारियल एकमात्र ऐसा पेड़ है जो मनुष्य को फल, उपयोगी पत्ते और छाल प्रदान करता है। नारियल के तीन नेत्र भगवान शिव का प्रतीक होते हैं, जो बेहद शुभ माने जाते हैं। कोई भी शुभ काम करने से पहले नारियल को तोड़ना और उसका सेवन करना अच्छा माना जाता है। दक्षिण भारत में समाज का प्रत्येक वर्ग इस त्यौहार को अपने तरिके से मनाता है। भारत में कई जगह इस दिन यज्ञोपवीत या उपनयन का अनुष्ठान भी किया जाता है। पितारों की आत्मा की शांति के लिए ब्राह्मण कुल के लोगों को भोजन और दान देने की परंपरा भी होती है।

क्या शिवलिंग पर चांदी का सिक्का चढ़ाते ही बरसने लगता है धन?

भगवान शिव के भक्त उनकी कृपा पाने के लिए शिवलिंग पर जल अर्पित करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग का एक उपाय आपको मालामाल बना सकता है। बस चंद पलों में आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है और आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत कर सकता है। धार्मिक विश्वास और ज्योतिष शास्त्र से जुड़ी ऐसी मान्यता है कि शिव जी धन के देवता कुबेर के गुरु हैं और चांदी को शुभ माना जाता है, इसलिए शिवलिंग पर चांदी का सिक्का चढ़ाने से धन प्राप्ति होती है। चांदी एक शुद्ध धातु मानी जाती है और ऐसा भी कहा जाता है कि ये भगवान शिव को प्रिय है।चांदी चमकदार और शीतल होती है, जो शिव जी के शांत स्वभाव का प्रतीक है। शिवलिंग पर चांदी चढ़ाने से धन

वृद्धि होती है और ये भी मान्यता है कि चांदी चढ़ाने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। अब आप खुद ही सोचिए कि शांत मन से जब आप कोई कार्य करेंगे तो उसमें सफलता मिलनी आसान हो जाएगी जिसका प्रभाव ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि दोष को दूर करने के लिए शिवलिंग पर चांदी चढ़ाई जाती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। लेकिन चांदी का सिक्का आपको शिवलिंग पर कैसे अर्पित करना है इसका भी शास्त्रीय तरीका है। चांदी के सिक्के के अलावा आप चांदी का एक छोटा सा पत्र या चांदी का आभूषण भी शिवलिंग को अर्पित कर सकते हैं। आप शुद्ध चांदी ही चढ़ाएं और जब आप शिवलिंग पर इसे अर्पित करें तो अपने मन को शुद्ध रखें। नियमित रूप से किसी भी उपाय को करने से उसका लाभ जल्द मिलता है।

शिवलिंग पर चांदी अर्पित करने का धार्मिक महत्व बहुत गहरा है। इससे भक्त शिव जी को प्रसन्न कर सकते हैं और धन, समृद्धि और शांति प्राप्त कर सकते हैं। वैसे ये सिर्फ एक धार्मिक विश्वास है। धन प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत और लगन भी बहुत जरूरी है।

इस मंदिर में दर्शन मात्र से दूर होगा मांगलिक दोष

बीकानेर को छोटी काशी कहा जाता है। यहां कई प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर है। ऐसे में बीकानेर में भगवान शिव के कई मंदिर है। इनमें से एक ऐसा मंदिर है, जो पूरे बीकानेर में भगवान शिव के स्वरूप का एकमात्र मंदिर है। हम नोखा रोड स्थित जैन कॉलेज के पीछे अर्द्धनारीश्वर भगवान के मंदिर की बात कर रहे हैं, जहां रोजाना सैकड़ों लोग दर्शन करने के लिए जाते हैं।

यह अर्द्धनारीश्वर भगवान का मंदिर बीकानेर का पहला और एकमात्र मंदिर है। इस मंदिर की स्थापना 2005 में हुई थी। यहां भगवान शिव की प्रतिमा 13 फुट ऊंची है। यहां लोग कई तरह की मान्यता लेकर आते हैं। वहीं लोग अपने बच्चों की शादी की मनोकामना लेकर भी आते हैं। साथ ही इस मंदिर में तेरस की विशेष पूजा होती है, जिसमें उन्हें लक्ष्मी का वर मिलता है।

पहले मांगलिक लोग अपना दोष दूर करने के लिए नेपाल जाते थे। लेकिन अब यहां पर ही मांगलिक लोग के दोष दूर करने के लिए पूजा होती है, जिससे मांगलिक दोष दूर होता है।

इसके अलावा ज्योतिर्लिंग भी है, जहां एक ही जलहरी में बारह ज्योतिर्लिंग एक साथ विराजमान है। इसके साथ ही दो नंदीश्वर भी विराजमान हैं और नागदेवता की भी प्रतिमा है।

भगवान शिव की अर्द्धनारीश्वर की प्रतिमा के अलावा पूरा शिव परिवार है, जहां कार्तिक, गणेश और मां पार्वती सहित भगवान शिव विराजमान हैं।

जब अनुष्का शर्मा को इस फिल्म निर्माता ने दिया रियलिटी चेक

बड़े पर्दे पर विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाकर दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने खुलासा किया है कि कैसे फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा ने उन्हें उनके अहंकारी स्वभाव के लिए रियलिटी चेक दिया था।इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक थ्रोबैक वीडियो में, हम अनुष्का को यह खुलासा करते हुए देख सकते हैं कि अभिनेत्री बनने से पहले वह कितनी घमंडी थीं।वीडियो में अनुष्का को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ईमानदारी से कहूं तो अभिनेता बनने से पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी। मैं स्कूलों और अन्य सभी जगहों पर बहुत अधिक लोगों से बात नहीं करती थी। मैं वास्तव में दंभी थी।अनुष्का ने कहा, एक बार जब मैं अभिनेत्री बन गई तो आदित्य चोपड़ा ने मेरा रियलिटी चेक किया। उन्होंने कहा, तुम फिल्म कर रही हो, लेकिन तुम्हें पता है क्या? तुम सबसे अच्छी दिखने वाली लड़की नहीं हो। तब तक मैं सोचता थी कि मैं सबसे बेहतर हूं।अनुष्का ने 2008 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित थी और उनके पिता यश चोपड़ा द्वारा यश राज फिल्म्स के प्रोडक्शन बैनर के तहत निर्मित की गई थी। फिल्म में शाहरुख खान ने सुरिंदर साहनी की भूमिका निभाई, जबकि अनुष्का ने तानी की भूमिका निभाई।इसके बाद उन्होंने बदमाश कंपनी में बुलबुल, बैंड बाजा बारात में श्रुति, पटियाला हाउस में सिमरन, लेडीज वर्सेज रिकी बहल में इशिका, जब तक है जान में अकीरा, मटरू की बिजली में बिजली का किरदार निभाया।वह फिल्म परी, फिल्लौरी और बुलबुल की प्रोड्यूसर भी हैं।अनुष्का की अगली फिल्म चकदा एक्सप्रेस है। अभिषेक बनर्जी द्वारा लिखित, प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित और क्लीन स्लेट फिल्म के बैनर तले कर्णेश शर्मा द्वारा निर्मित इस जीवनी पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में दिब्येंदु भट्टाचार्य, रेणुका शहाणे, अंशुल चौहान, कौशिक सेन, महेश ठाकुर जैसे कलाकार हैं।यह फिल्म झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, इसमें अनुष्का मुख्य भूमिका में हैं।उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की है। इस जोड़े ने 11 दिसंबर, 2017 को इटली में शादी की थी। उनकी एक लड़की, वामिका और एक बेटा है, जिसका नाम अकाए है।

सैफ ने परिवार के साथ मनाया जन्मदिन, सारा ने शेयर कीं तस्वीरें

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने शुक्रवार को परिवार के साथ अपना 54वां जन्मदिन मनाया। बेटी सारा ने इसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। सारा के इंस्टाग्राम पर 4.57 करोड़ फॉलोअर्स हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सैफ की केक कटिंग की कई तस्वीरें शेयर की हैं।इस तस्वीर में बर्थडे बॉय सैफ को हाफ व्हाइट स्लीव टी-शर्ट और ब्लू डेनिम जींस पहने दिखाया गया है। सारा ने ब्लू स्लीवलेस क्रॉप टॉप और ऑफ-व्हाइट ट्राउजर पहना हुआ है। सारा के छोटे भाई इब्राहिम व्हाइट शर्ट और ब्लू डेनिम जींस में काफी अच्छे लग रहे हैं।इस तस्वीर में सैफ की दूसरी पत्नी और अभिनेत्री करीना कपूर भी दिखाई दे रही हैं। वह पूरी तरह से डेनिम आउटफिट में हैं। तस्वीरों में गुब्बारों की सजावट दिख रही है, जिन पर बेस्ट डैड लिखा हुआ है। सैफ चॉकलेट केक काटते हुए नजर आ रहे हैं।इस पोस्ट का कैप्शन है, हैप्पीएस्ट बर्थडे अब्बा।करीना की बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने बर्थडे बॉय के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, हैप्पी बर्थडे सैफू।सैफ भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी दो छोटी बहनें हैं, डिजाइनर सबा अली खान और अभिनेत्री सोहा अली खान।उनकी पहली शादी अभिनेत्री अमृता सिंह से हुई थी। उनसे सैफ के दो बच्चे अभिनेत्री सारा और बेटा इब्राहिम हैं। अमृता और सैफ 2004 में अलग हो गए थे।सैफ ने 16 अक्टूबर 2012 को मुंबई के बांद्रा में एक निजी समारोह में करीना से शादी की। इस शादी से भी उनके दो बच्चे तैमूर और जेह हैं।उन्होंने 1993 में फिल्म परंपरा में मुख्य भूमिका के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की। यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा में सुनील दत्त, विनोद खन्ना, आमिर खान, नीलम कोठारी, रवीना टंडन, अश्विनी भावे, राम्या कृष्णा और अनुपम खेर जैसे कलाकार थे।सैफ आशिक आवारा, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, कच्चे धागे, हम साथ-साथ हैं, कल हो ना हो, रहना है तेरे दिल में, दिल चाहता है, एलओसी कारगिल, ओमकारा, परिणीता, ता रा रम पम, लव आज कल, फैंटम, ताण्हाजी और विक्रम वेधा में नजर आ चुके हैं।उन्हें पिछली बार पौराणिक एक्शन फिल्म आदिपुरुष में देखा गया था।सैफ की अगली फिल्म कोराताला शिवा द्वारा लिखित और निर्देशित तेलुगु एक्शन ड्रामा देवरा: पार्ट 1 है। इसका निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है। फिल्म में जान्हवी कपूर, प्रकाश राज और श्रीकांत के साथ एन.टी. रामा राव जूनियर मुख्य भूमिका में हैं।उनके पास ज्वेल थीफ: द रेड सन चैप्टर भी है।सारा की अगली फिल्में मेट्रो..इन दिनो, स्काई फोर्स और ईगल हैं।

भारती सिंह ने कृष्णा अभिषेक को बांधी राखी कहा- हम एक-दूसरे को जमकर चिढ़ाते हैं

कॉमेडियन भारती सिंह ने लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के अपने को-स्टार कृष्णा अभिषेक को राखी बांधी और अपने खास बॉन्डिंग के बारे में बताया।शो के अपकमिंग एपिसोड में उस वक्त हर कोई इमोशनल हो गया, जब भारती ने कृष्णा की कलाई पर राखी बांधी।कृष्णा के बारे में भारती ने कहा, कृष्णा और मेरे बीच एक अनोखा रिश्ता है। हम स्टेज पर और स्टेज से बाहर दोनों जगह लोगों को हंसाते हैं। भाई-बहनों की तरह, हम एक-दूसरे को जमकर चिढ़ाते हैं, लेकिन जब जरूरत होती है तो हम हमेशा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। हमारा रिश्ता शब्दों से परे है, हम एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं और साथ ही बातों को हल्के-फुल्के अंदाज में रखते हैं। हालांकि मेरे इंडस्ट्री में कई दोस्त हैं, लेकिन कृष्णा और मेरे बीच जो रिश्ता है, वह वाकई खास है।इस शो को शेफ हरपाल सिंह सोखी जज करते हैं। इसमें अली गोनी, अर्जुन बिजलानी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, जन्नत जुबैर रहमानी, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, सुदेश लहरी, कश्मीरा शाह और निया शर्मा शामिल हैं।लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट कलर्स पर प्रसारित होता है।कृष्णा को अब से पहले कपिल शर्मा द्वारा होस्ट किए जाने वाले सेलिब्रिटी चैट शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में कई किरदारों में देखा गया था।वह जल्द ही वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगे। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है, इसमें अक्षय कुमार के साथ-साथ संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडीज, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पाटनी, अरशद वारसी, परेश रावल, तुषार कपूर, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े जैसे कई सितारे शामिल हैं।वहीं, भारती की बात करें तो वह कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज और कॉमेडी सर्कस में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं। उन्होंने कृष्णा अभिषेक के साथ कॉमेडी नाइट्स बचाओ शो को होस्ट भी किया है।वह कई रियलिटी शो की होस्ट भी रह चुकी हैं, जैसे इंडियाज गॉट टैलेंट 5, इंडियाज गॉट टैलेंट 7, इंडियाज गॉट टैलेंट 8, इंडियाज बेस्ट डांसर, डांस दीवाने 3 और डांस दीवाने 4।भारती ने स्टंट बेस्ड रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 9 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी-मेड इन इंडिया में भी हिस्सा लिया।

अपने देवर जो जोनस के सामने प्रियंका चोपड़ा ने दिए निक के साथ रोमांटिक पोज

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी फैमिली के साथ अमेरिका में क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। इस बीच उनका एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक्टर पति निक जोनस के साथ रोमांटिक पोज देती दिख रही हैं। फोटो में वह निक की बांहों में नजर आ रही हैं और पीछे उनके देवर जो जोनस खड़े हैं।दरअसल, यह फोटो प्रियंका ने अपने देवर जो जोनस के लिए इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्हें बर्थडे विश किया।बता दें कि निक जोनस आज अपना 35वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं।प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक फोटो पोस्ट की। इसमें वह अपने पति निक जोनस और देवर जो के साथ नजर आ रही हैं।फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा: शहर के सबसे फैशनेबल मैन को जन्मदिन की बधाई।जो ने 2019 में मशहूर एक्ट्रेस सोफी टर्नर से शादी की और 2023 में दोनों का तलाक हो गया था। इस शादी से उनकी दो बेटियां हैं।हाल ही में इंटरनेट पर दोनों का एक वीडियो काफी वायरल हुआ, जिसमें प्रियंका और निक रोमांटिक पल बिताते नजर आ रहे हैं। वीडियो में निक ने सेल्फी कैमरा ऑन किया हुआ है और वह प्रियंका की ओर बढ़ते हैं। पहले प्रियंका उन्हें लिप किस करती हैं, जिससे वह सरप्राइज हो जाते हैं। इसके बाद निक उन्हें किस करते हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो लॉस एंजेलिस वाले घर के स्विमिंग पूल के पास का है।हाल ही में प्रियंका ने द ब्लफ की शूटिंग पूरी की। इस फिल्म का डायरेक्शन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया, साथ ही जो बल्हारिनी के साथ मिलकर फिल्म की कहानी को लिखा है। फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और वेदांतेन नायडू भी हैं।फिल्म की कहानी 19वीं सदी के कैरेबियाई द्वीप पर आधारित है। कहानी एक ऐसी महिला की है जो पहले समुद्री डाकू होती है। समय बदलता है और अतीत उसके वर्तमान पर हावी होने लगता है। उसके परिवार पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं। वो कैसे नई परिस्थिति का सामना करती है, किन रास्तों से गुजरती है इस पर ही फिल्म है। प्रियंका ने इसमें परिवार को बचाने की जद्दोजहद करती महिला का किरदार निभाया है।फिलहाल, वह सिटाडेल की तैयारियों में बिजी हैं। यह जोश एपेलबाम, ब्रायन ओह और डेविड वील द्वारा निर्मित और रूसो ब्रदर्स द्वारा निर्देशित एक स्पाई थ्रिलर सीरीज है। सीरीज की कहानी प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन के इर्द-गिर्द घूमती है। वह सीरीज में नादिया सिंह और मेसन केन की भूमिका में हैं, जो एजेंट्स हैं।इसके अलावा, प्रियंका चोपड़ा के पास हेड्स ऑफ स्टेट भी है। वहीं चर्चा है कि वह फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा में आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी।

जब सनी और विक्की कौशल में हुआ बॉक्सिंग मैच, देखने आया था पूरा मोहल्ला

बॉलीवुड में विक्की कौशल हिट फिल्मों के जरिए पहले से ही अपना पैर जमा चुके हैं। अब उनके भाई सनी कौशल भी उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं। दोनों भाइयों की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। इस बीच सनी ने विक्की के कुछ शरारतों से भरे किस्से शेयर किए। उन्होंने पंजाब में अपने बचपन की छुट्टियों से जुड़ी एक कहानी साझा की, जहां दोनों बॉक्सिंग मैच खेला करते थे।सनी कॉमेडियन और एक्टर जाकिर खान द्वारा होस्ट किए गए आपका अपना जाकिर में बतौर स्पेशल गेस्ट पहुंचे। इस दौरान उनके साथ रोमांटिक थ्रिलर फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के कलाकार तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी भी थे।बातचीत के दौरान सभी ने अपने भाई-बहनों के साथ बॉन्डिंग पर खुलकर बात की।सनी ने कहा, विक्की और मुझमें सिर्फ एक साल और चार महीने का अंतर हैं। हम कपड़ों से लेकर टीवी पर क्या देखना है, हर चीज पर लड़ते थे। उन्हें स्पोर्ट्स में दिलचस्पी थी, और मुझे कार्टून में। हमारे घर में सिर्फ एक ही टीवी था, उसमें अपने पसंदीदा शो देखने के लिए लड़ाइयां होती थी।किस्सा शेयर करते हुए सनी ने बताया, हम छुट्टियां मनाने पंजाब गए थे, हमने टैरेस पर बॉक्सिंग मैच किया। ऐसा लग रहा था कि पूरा मोहल्ला देखने आया था। इस दौरान चीजें थोड़ी बेकाबू हो गई। हर कोई मजाक कर रहा था और कह रहा था कि हम मुंबई के किसी भी दूसरे भाई की तरह ही हैं, हमेशा मुसीबत में पड़ जाते हैं। कभी-कभी यह मजेदार भी होता था और हम जल्दी ही अपने झगड़े भी सुलझा लेते थे।आपका अपना जाकिर सोनी पर प्रसारित होता है।

जब अपने बोल्ड सीन्स देख मनीषा कोइराला के पैरों तले खिसकी जमीन, घबराकर कोर्ट से लगाई गुहार

हिंदी सिनेमा में अपनी खूबसूरती और बोल्ड अदाओं से लाखों दिलों को धड़काने वाली एक्ट्रेस मनीषा कोइराला को कौन नहीं जानता। उनका बॉलीवुड सफर काफी सुर्खियों में रहा। करियर में एक ऐसा दौर भी आया, जब उन्हें अपनी इज्जत की खातिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और अपनी ही फिल्म को रिलीज होने से रोकने की गुहार लगानी पड़ी। क्या था ये पूरा मामला!मनीषा कोइराला ने नेपाली फिल्म से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साल 1989 की नेपाली फिल्म फेरी भेटुला में एक छोटा रोल निभाया था, लेकिन बॉलीवुड में डेब्यू उन्होंने राजकुमार और दिलीप कुमार स्टारर में फिल्म सौदागर (1992) से की। इसमें उनका इलू इलू सॉन्ग काफी पसंद किया गया, जिसके बाद वह इलू इलू गर्ल के नाम से जानी गई।इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1942 ए लव स्टोरी में काम किया। वह फिल्म बॉम्बे, अग्नि सखी, गुप्त, खामोशी, दिल से और मन में भी नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड पर्दे पर कई हिट फिल्में दीं, लेकिन कुछ वक्त बाद फिल्म फ्लॉप होने लगी और वह डिप्रेशन में चली गईं। डिप्रेशन के चलते उन्हें शराब की लत गई, जिसका असर उनके करियर पर भी पड़ा। कई बड़े प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उनके साथ काम करने में कतराने लगे।साल 2002 में उनके पास कोई काम नहीं था। इस बीच निर्देशक शशिलाल के नायर ने उन्हें ऐसी फिल्म का ऑफर दिया, जिसमें कई बोल्ड सीन्स थे। फिल्म की कहानी एक टीनएज लड़के की थी, जिसको अपने से बड़ी उम्र की लड़की से प्यार हो जाता है और वह उसे पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार होता है। कोई काम न होने की वजह से मनीषा ने इस फिल्म के लिए हां कर दी। मूवी थी एक छोटी सी लव स्टोरी।शूटिंग पूरी होने के बाद जब मनीषा ने फिल्म का प्रिंट देखा तो वह हैरान रह गई। आरोप है कि नायर ने मनीषा से छिपाकर उनके बॉडी डबल से कई बोल्ड और बेड सीन्स सूट कराए थे। एक्ट्रेस को लगा कि अगर यह फिल्म रिलीज होती है, तो यह उनके इज्जत पर धब्बा लगाने का काम करेगी। अपनी इज्जत को बचाने के खातिर उन्होंने फिल्म की रिलीज को रोकने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हालांकि रिलीज तो नहीं रुकी, लेकिन जो हुआ वह एक्ट्रेस की सोच से परे था। लोगों ने फिल्म को और मनीषा के काम को काफी सराहा।मनीषा का जन्म 16 अगस्त 1970 में नेपाल के काठमांडू में हुआ था। वह प्रकाश कोइराला की बेटी और नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बिशेश्वर प्रसाद कोइराला की पोती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई वाराणसी के वसंत कन्या महाविद्यालय से की। वाराणसी में वह अपनी नानी के पास रहती थीं, इसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली आ गई और धौला कुआं में आर्मी पब्लिक स्कूल में एडमिशन लिया। इस दौरान उन्हें कई मॉडलिंग ऑफर्स भी मिले, जिसे करते हुए उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ गया।ह हिंदी के अलावा, तमिल, तेलुगू, बंगाली, मलयालम, नेपाली और अंग्रेजी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने 4 फिल्मफेयर समेत कई बड़े अवॉर्ड्स अपने नाम किए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। किसी बच्चे या बूढ़े के स्वास्थ्य को लेकर हुई परेशानी अप्रत्यक्ष रूप से आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं।
एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन इससे अधिक रंगों से भरा कभी नहीं रहा है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। प्रेम-संबंध में गुलाम की तरह व्यवहार न करें। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर सफ़र कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठीक हो जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 18 अगस्त 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 03:07 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रात: 10:15 तक
योग : आयुष्मान प्रात: 07:50 तक
करण : गर सायं 04:33 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : भद्रा उत्तर रात्रि 03:05 से , सूण माण्डणा – पूरा दिन शुद्ध है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही जजपा में इस्तीफ़ों की झड़ी

देवेंद्र बबली-ईश्वर सिंह समेत चार विधायकों ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले जननायक जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पूर्व पंचायत मंत्री रहे टोहाना के विधायक देवेंदर बबली ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष अजय चौटाला को पत्र भेज सभी पदों से त्यागपत्र दे दिया है। वहीं, कैथल के गुहला आरक्षित विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2019 में जजपा पार्टी से जीत दर्ज करने वाले ईश्वर सिंह ने भी पार्टी को अलविदा कह दिया है। वर्तमान विधायक ईश्वर सिंह ने जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय चौटाला को लिखित में अपना त्यागपत्र दिया है।

इतना ही नहीं शाहबाद से विधायक रामकरण ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी को दो दिन में चार विधायक अलविदा कह चुके हैं। ईश्वर सिंह और रामकरण ने निजी कारणों से इस्तीफा देने की बात कही है। उधर उकलाना से विधायक एवं पूर्व मंत्री अनूप धानक ने जननायक जनता पार्टी के सभी दायित्वों व पदों से इस्तीफा दे दिया है। विधायक अनूप धानक ने आचार संहिता लागू होने के दो घंटे में ही यह एलान किया था। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला को अपना इस्तीफा भेजा है।

अनूप धानक के इस्तीफे से पार्टी को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। उनको पार्टी के सबसे वफादारों में गिना जाता था। हिसार में जजपा के तीन विधायक हैं, जिसमें तीनों ही अब पार्टी के खिलाफ हो चुके हैं। नारनौंद से विधायक रामकुमार गौतम सबसे पहले बागी हो गए थे। लोकसभा चुनाव से पहले बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर भाजपा प्रत्याशी चौधरी रणजीत सिंह के लिए प्रचार किया। जजपा उनकी सदस्यता रद्द कराने के लिए प्रयास कर रही है। अब पूर्व मंत्री अनूप धानक ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। अनूप धानक इंडियन नेशनल लोकदल से 2014 में विधायक बने थे। वर्ष 2019 में विधानसभा चुनाव से पहले वह जजपा में शामिल हो गए थे। जजपा ने उन्हें उकलाना से प्रत्याशी बनाया और वे जीतकर विधायक बने। गठबंधन की सरकार में वे राज्यमंत्री बनाए गए थे। लोकसभा चुनाव के समय से ही पार्टी में उनकी सक्रियता कम हो गई थी। लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान वह गुरुग्राम में अस्पताल में भर्ती बताए गए थे।

जजपा में अब दुष्यंत चौटाला तथा उनकी माता नैना चौटाला के अलावा विधायक अमरजीत ढांडा तथा विधायक रामकुमार गौतम बचे हैं। वह पहले ही दुष्यंत चौटाला के खिलाफ हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम मनोहर लाल से मिले भी थे, लेकिन खुलकर अभी किसी पार्टी में नहीं गए। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जननायक जनता पार्टी में भगदड़ मच गई थी। जजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह समेत कई नेताओं ने जजपा को अलविदा कह दिया था। अब यही स्थिति विधानसभा चुनाव से पहले बन गई है।

उदयपुर में स्कूली छात्रों के झगड़े के बाद सांप्रदायिक हिंसा

स्कूलों में छुट्टी, इंटरनेट सेवा बंद

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई।

उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में लिया गया है। दोनों छात्र नाबालिग हैं।

उदयपुर जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उदयपुर शहर और उदयपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार से अगले आदेश तक बंद रहेंगे। उदयपुर शहर, बेदला, बड़गांव, ब्लीचा, देबारी, एकलिंगपुरा, कानपुर, ढीकली और भुवाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 10 बजे से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। इंटरनेट बंद करने का आदेश संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने जारी किया।

उदयपुर में शुक्रवार को 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद सांप्रदायिक तनाव के बीच भीड़ ने कारों में आग लगा दी और पथराव किया।

हालात को देखते हुए शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह घटना भट्टियानी चोहट्टा स्थित सरकारी स्कूल के बाहर हुई। पुलिस ने बताया कि इस घटना के विरोध में कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य शहर के मधुबन इलाके में एकत्र हुए। उसने बताया कि भीड़ ने पथराव किया और तीन-चार कारों में आग लगा दी।

शुक्रवार शाम को तनाव बढ़ने पर बापू बाजार, हाथीपोल, घंटाघर, चेतक सर्किल और आसपास के इलाकों में बाजार बंद कर दिए गए। पुलिस के अनुसार, हिंदू संगठनों के लोगों ने बाजारों में दुकानें बंद करवा दीं। कुछ हिंसक तत्वों ने एक शॉपिंग मॉल पर भी पथराव किया, जिसमें दुकानों के कांच के दरवाजे क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं, सरकारी अस्पताल के बाहर सैकड़ों लोग जमा हो गए और पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया।

राजस्थान में राज्यसभा उपचुनाव में शनिवार को एक नामांकन पत्र दाखिल

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी तीन सितंबर को राज्यसभा की एक सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए शनिवार को निर्दलीय उम्मीदवार बबीता बाघवानी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया गत 14 अगस्त से शुरू हुई और शनिवार को इसके लिए यह पहला नामांकन पत्र भरा गया। इसकी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा परिसर में होगी। उपचुनाव के लिए 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी जबकि 27 अगस्त तक उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र वापस भी ले सकेंगे। आवश्यक होने पर मतदान तीन सितम्बर को सुबह नौ बजे से अपराह्न चार बजे तक होगा। मतगणना इसी दिन सायं पांच बजे से होगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल के राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने पर रिक्त हुए स्थान के लिए यह उपचुनाव कराया जा रहा है।

लोकसभा की तर्ज पर विधानसभा का नया सत्र बुलाने का प्रयास किया जाएगा : देवनानी

अजमेर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि लोकसभा की तर्ज पर 'राजस्थान विधानसभा सभा' का नया सत्र बुलाने का प्रयास किया जायेगा।

श्री देवनानी ने शनिवार को यहां पत्रकारों को बताया कि जिस तरह लोकसभा के तीन सत्र होते हैं, उसी अनुसार वह राजस्थान विधानसभा का भी नया सत्र आहूत करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र कागज रहित होगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा को कागज रहित बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आगामी सत्र डिजिटल होगा और विधानसभा सचिवालय का कार्य भी कागज रहित हो जायेगा। इसके लिये वन नेशन - वन एप्लीकेशन के तहत ई-विधान एप्लीकेशन 'नेवा' का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने विधानसभा के नवाचारों का जिक्र करते हुये कहा कि भविष्य में प्रत्येक विधायक की टेबल पर टैबलेट रहेगा ताकि सुविधाजनक कार्य हो । इस पर 12 से 15 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा को देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनाया जायेगा।

सरिस्का से निकला बाघ हरियाणा पहुंचा

अलवर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के बाघ संरक्षण क्षेत्र सरिस्का से निकला नर बाघ एसटी-2303 अब हरियाणा सीमा में घुस गया है। सरिस्का के रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि शनिवार पूर्वाह्न 10.21 बजे इस बाघ के पदचिह्न हरियाणा सीमा के साबी नदी के निकट झाबुआ गांव के जंगल में मिले हैं, जिससे इसके हरियाणा सीमा में प्रवेश करने की पुष्टि हो गयी है। उन्होंने बताया कि इस नर बाघ को बचाने के लिये वन विभाग के दल तैनात हैं।

श्री सिंह ने बताया कि 15 अगस्त को निकला यह बाघ पहले मुंडावर के दरबारपुर में गया। उसके बाद यह हरियाणा में पहुंच गया। हरियाणा के झाबुआ गांव के खेतों में इसकी तलाश की जा रही है। पिछली बार यह अलग रास्ते से गया, इस बार अन्य रास्ते से गया है। जहां इसको देखा गया है वह हरियाणा का संरक्षित वन क्षेत्र है। जयपुर से आये डॉक्टर अरविंद माथुर ने बताया कि बाघ पर निगाह रखी जा रही है। उसे बेहोश तभी किया जाएगा तब वह पूरी तरीह से स्वस्थ महसूस करे। यह बाघ रात्रि में चल रहा है और दिन में फसलों के बीच में छुप जाता है। इसकी रफ्तार भी काफी तेज है। अभी उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के निर्देश हैं कि पूर्ण स्वस्थ होने की स्थिति में आने के बाद ही इसको बेहोश किया जाये।

विनेश के सम्मान में कोई कमी नहीं आने देगी भाजपा : सैनी

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को कहा कि ओलंपियन विनेश फौगाट हरियाणा ही नहीं देश की बेटी है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उसके सम्मान में कोई कमी नहीं आने देगी। श्री सैनी ने कहा कि विनेश के पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन से पूरे देश का सीना चौड़ा हुआ है। हमें विनेश पर गर्व है और हम उनके सम्मान में कोई कसर नहीं रखेंगे।

25 अगस्त को नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित

जोधपुर,17 अगस्त (एजेंसियां)। श्री शीतला माता (कागा तीर्थ) ट्रस्ट जोधपुर और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 25 अगस्त को जोधपुर में विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा। नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में वैदिक जन्म कुंडली, लाल किताब, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, केपी पद्धति और मंत्र ज्योतिष आदि विधाओं से ज्योतिषीय परामर्श दिया जायेगा।

शीतला माता ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्मल कच्छवाह ने बताया कि रविवार 25 अगस्त को नागोरी गेट के बाहर स्थित शीतला माता का मंदिर कागा में सुबह 10:00 से 2:00 तक विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श आयोजित किया जा रहा है। जिसमें वैदिक, जन्मकुंडली, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, टैरो कार्ड, लाल किताब, केपी और मंत्र ज्योतिष चिकित्सा सहित अन्य विधाओं के विद्वान ज्योतिषाचार्य लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। ज्योतिष परामर्श शिविर में पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास जन्मकुंडली के माध्यम से लोगों की ज्योतिषीय समस्याओं का समाधान करेंगे।

शीतला माता ट्रस्ट के महासचिव देवेश कच्छवाह ने बताया कि विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 15 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे। इसमें पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी, पंडित अभिषेक जोशी, पंडित डॉ. अनीष व्यास, भैरू प्रकाश दाधीच, खींवराज शर्मा, शंकर सिंह राजपुरोहित, सुकांत पांडे, सपना सारस्वत, नितिका शर्मा, शिवानी गौतम, नीता शर्मा, सकेत भारद्वाज, नीतू जोशी प्रकाश गौड़, विनोद कानूनगो सहित अन्य ज्योतिषी अपनी सेवाएं देंगे। निशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में जोधपुर के अलावा जयपुर उदयपुर कोटा नई दिल्ली अहमदाबाद इंदौर भोपाल सूरत मुंबई के विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे।

सिंचाई को लेकर किसानों का फूटा गुस्सा महम-गोहाना रोड रखा ढाई घंटे जाम

सोनीपत, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के गांव कथूरा में सिंचाई का संकट झेल रहे ग्रामीणों ने शनिवार को गोहाना-महम रोड को जाम कर दिया। करीब ने मार्ग को करीब ढाई घंटे तक जाम रखकर प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बार-बार मांग के बावजूद नहर में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। जिससे उनकी फसल प्रभावित हो रही है। बरोदा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर लाल सिंह ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया। जिसके बाद वाहन चालकों को राहत मिल सकी।

मानसून की बेरुखी से किसानों को परेशानी हो रही है। उस पर सिंचाई विभाग की तरफ से नहर में पानी नहीं छोडऩे से उनकी मुसीबत ज्यादा बढ़ गई है। किसानों को धान की फसल में ट्यूबवेल से सिंचाई करनी पड़ रही है। जिससे उनकी लागत लगातार बढ़ रही है। नहर में नियमित पानी नहीं छोड़े जाने से गुस्साए गांव कथूरा के किसानों ने शनिवार सुबह गांव के सामने गोहाना-महम रोड को जाम कर दिया। ग्रामीणों ने सड़क पर पेड़ काट कर डाल दिए। जिससे यातायात प्रभावित हो गया। जाम के कारण वाहनों की कतार लग गई। जिस पर कई वाहन चालक दूसरे मार्ग से गंतव्य की तरफ रवाना हो गए। किसानों ने इस दौरान रोष जताते हुए नहर में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

जाम की सूचना के बाद बरोदा थाना प्रभारी लाल सिंह टीम सहित मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाकर शांत किया। उन्होंने किसानों की समस्या को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जिस पर ढाई घंटे बाद मार्ग खुल सका। गोहाना-महम मार्ग पर जाम के चलते वाहन चालकों को चक्कर काट कर अपने गंतव्य की तरफ जाना पड़ा। पहले काफी वाहन चालक जाम में फंसे रहे। जब जाम नहीं खुला तो गर्मी में उन्होंने दूसरे मार्ग का सहारा लेना ही मुनासिब समझा। जाम खुलने के बाद ही वाहन चालकों को राहत मिल सकी।

राजस्थान में बस की टक्कर से श्रद्धालु की मौत

भरतपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग थाना क्षेत्र में शनिवार को बस की टक्कर लगने से एक श्रद्धालु की मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजमार्ग पर स्थित बहज रोड पर करीब 50 श्रद्धालुओं का समूह किसी धार्मिक स्थल पर पैदल जा रहा था। वे सड़क के पास ही ढाबे में भोजन कर रहे थे। उनमें कुछ लोग सड़क किनारे खड़े थे उसी दौरान तेजी से आई बस ने उनके टक्कर मार दी। इससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर के बाद बस चालक बस छोड़कर फरार हो गया।

इस घटना से आक्रोशित श्रद्धालुओं ने शव बीच सड़क पर रखकर राजमार्ग अवरुद्ध कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी बल के साथ मौके पर पहुंच गये। उधर आसपास के सेंकड़ों ग्रामीण भी घटना स्थल पर पहुंच गये और श्रद्धालुओं के साथ रास्ता पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया। वे चालक की गिरफ्तार की मांग पर अड़ गये हैं।

हुड्डा ने ओलंपिक से लौटी विनेश का किया स्वागत

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा शनिवार को ओलंपिक स्वदेश लौटी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट के स्वागत के लिये दिल्ली इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे और सबसे पहले विनेश को जीत का प्रतीक हनुमान जी की गदा भेंट कर उनका जोरदार स्वागत किया।श्री हुड्डा ने कहा कि विनेश फोगाट को 140 करोड़ देशवासी ओलंपिक का स्वर्ण पदक विजेता मानते हैं। पूरे देश को अपनी बेटियों पर गर्व है। विनेश फोगाट हवाई अड्डे पर दीपेन्द्र हुड्डा को देखकर भावुक हो गईं और हुड्डा की आँखों में भी आँसू छलक आये। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में विनेश के स्वागत में पहुंचे लोगों का काफिला विनेश को लेकर चल पड़ा। इस दौरान सांसद दीपेन्द्र हुड्डा के साथ विनेश फोगाट, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया, बॉक्सर विजेंदर भी मौजूद रहे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम नीतीश के राज में लगातार पुल ढह रहे : तेजस्वी

पटना (एजेंसियां)।

भागलपुर में सुल्तानगंज-अगुवानी पुल का हिस्सा तीसरी बार गिरने पर बिहार में सियासत शुरू हो गई है। विपक्ष के नेता नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोल रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने टूटने की खबरों पर राजद नेता तेजस्वी यादव का कहना है, ''जब पहली बार पुल टूटा तो तय हुआ कि पुल को तोड़कर दोबारा बनाया जाए। कोर्ट में मामला जाने के बाद यह तय हुआ कि कंपनी अपने खर्च पर यह पुल बनाएगी। जब हमारी सरकार थी तो कारणों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया था और उसके निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई की जानी थी।

सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के राज में लगातार पुल, पुलिया या मेगा पुल हो, सभी ढह रहे हैं। इसमें जिम्मेदारों

पर कार्रवाई होनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि पुल गिरने के बाद जो कमेटी बनी थी, उसकी रिपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण है। अब किसी को विश्वास नहीं है कि पुल बनेगा या नहीं। मुझे नहीं लगता कि जो नए मंत्री बने हैं, उन्होंने कोई समीक्षा बैठक की है। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के बारे में हम क्या बोले, वह हमारे अभिभावक हैं। हमलोगों को गाली देकर उनको खुशी मिलती है तो उन्हें बोलने दीजिए। 15 अगस्त के अवसर पर भी वह राजनीतिक भाषण देते हैं। यह दुखद है।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि अप्रैल 2022 में जब पहली बार पुल ध्वस्त हुआ था तो नेता प्रतिपक्ष के तौर पर हमलोगों ने इसकी डिजाइन की जांच की मांग की थी। आईआईटी की टीम ने जांच में पाया कि डिजाइन में गड़बड़ी थी। विभाग में भी हमलोगों ने भी समीक्षा की थी। मैंने पहले ही पुल ढहने पर एक बैठक की है। जो ढांचा गिरा है उसे हटा देना चाहिए था। हमलोग इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डेढ़ महीना पहले भी हमलोगों ने इस मामले में बैठक की थी। संवेदक का गैरजिम्मेदार हैं।

विभाग ऐसे लोगों पर कार्रवाई करेगी। तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष ने पर्याप्त कदम उठाए होते तो ऐसी स्थिति कभी नहीं होती। आप हमलोग जांच करवा रहे हैं इसलिए कुछ लोग अकबकाहट में हैं।

परेशान हैं। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी कभी भी जनता के साथ गलत करने वाले को माफ नहीं करेंगे।

जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाले बचेंगे नहीं। इधर बिहार के मंत्री अशोक चौधरी का कहना है कि गिरने के पीछे कोई तकनीकी समस्या हो सकती है। यह तीसरी बार है जब पुल टूटा है। जांच कराई जाएगी और बाद में कार्रवाई की जाएगी।

प्रिंस हत्या मामले को लेकर विश्वकर्मा समाज की चेतावनी

अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं तो घेरेंगे विधानसभा

गया (एजेंसियां)।

छात्र प्रिंस कुमार की हत्या के मामले में विश्वकर्मा समाज के लोग शामिल हुए और समाज के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया। प्रदर्शनकारियों ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह ठप करते हुए धरना पर बैठ गए। प्रदर्शन में शामिल हुए लोगों ने हाथों में पोस्टर और तख्ती लेकर नारे लगाते हुए विरोध की भावना को व्यक्त किया।

इस घटनाक्रम पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद ने प्रिंस की हत्या को सरकार और प्रसाशन की असफलता करार देते हुए सख्त कारवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि प्रिंस की हत्या की घटना से पूरा प्रदेश गुस्से में है। इसे लेकर जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं।

खासकर दलित और अतिपिछड़ा समाज के लोग

लगातार इस मामले को लेकर न्याय की मांग उठा रहे हैं। कहा गया कि अब यह प्रदर्शन राज्य स्तर पर पहुंच गया है।

सभी लोग इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठा रहे हैं और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

प्रिंस हत्या मामले में इतने दिन बाद भी अपराधियों की गिरफ्त-ारी नहीं होने से पुलिस - प्रसाशन की इसमें अब संलिप्तता नजर आने लगी है। कुछ सामंतवादियों द्वारा इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

वहीं अपने संबोधन में लोहार संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि प्रिंस कुमार के साथ जो अन्याय हुआ है, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ प्रिंस के साथ नहीं बल्कि अन्य लोगों के साथ भी हो सकती है। इसीलिए हम सभी को अब राजनीतिक समर्थन की आवश्यकता है, ताकि इस प्रकार की घटना को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि 10 दिनों में अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म व हत्या मामले में पुलिस का एक्शन, आरोपी के घर चला बुलडोजर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में बीते दिनों नाबालिग लड़की के साथ निर्मम तरीके से हत्या मामले में पुलिसिया कार्रवाई तेज हुई है। अब तक बीते 24 घंटे पूर्व हुए इश्तहार को चस्पा करने के बाद मामले में पुलिस ने आज दोपहर बाद कार्रवाई करते हुए कांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपी के घर बुलडोजर चलवा दिया, इसके साथ ही कुर्की की कार्रवाई भी की गई है।

इस पूरे मामले को लेकर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि बीते दिनों पारू थाना क्षेत्र में एक नबालिग के साथ जघन्य अपराध किया गया था। इस मामले में गांव के रहने वाले

संजय अपने अन्य सहयोगी के साथ फरार चल रहा है। जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई शुरू की है।

इस पूरे मामले को लेकर मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी संजय राय के खिलाफ अदालत से वारंट हासिल किया गया है, जिस पर मृतक के परिवार के लोगों ने इसी सप्ताह की शुरुआत में पीड़िता को उनके घर से उठाने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले के बाद पुलिस ने आरोपी के घर की दीवार पर एक अदा-लती नोटिस चिपकाया था, जिसमें उसे शनिवार दोपहर तक आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था। चूंकि वह नहीं आया, इसलिए उसकी संपत्ति कुर्क की गई। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस ने तलाशी अभियान भी शुरू किया है और उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीएमसीएच में चिकित्सा व्यवस्था चरमराई सर्जरी ऑर्थो में ऑपरेशन व्यवस्था ठप

विभागों से मरीजों का पलायन शुरू

दरभंगा (एजेंसियां)।

कोलकाता में हुई घटना के बाद जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल के कारण डीएमसीएच में मरीजों का इलाज पूरी तरीके से ठप पड़ गया है। यहां का इनडोर में मरीजों के इलाज की व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गया है। बता दें कि डॉक्टरों के हड़ताल के कारण डीएमसीएच मरीजों का होने वाला ऑपरेशन, सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड सहित सभी सेवाएं ठप कर दी गई है। दूर-दूर से आये मरीजों को आज इमरजेंसी वार्ड सहित ओपीडी और निजी नर्सिंग होम में इलाज नहीं होने के

कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। आज से 24 घण्टे के लिए जूनियर डॉक्टरों को आईएमए और सीनियर डॉक्टरों का समर्थन मिल जाने जाने हड़ताल का प्रभावी हो गया है।

आईएमए के अध्यक्ष डॉ हरि दामोदर सिंह ने कहा कि जबतक मेडिकल प्रोटेक्शन को लागू नही कर दिया जाता है, तब तक हमारे डॉक्टर असुरक्षित है। हम लोगों की मांग है कि देशभर के सभी अस्पतालों में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट को लागू किया जाए, जिससे इलाज करने डॉक्टर मरीजों का इलाज सही और सुरक्षित ढंग से कर सकेंगे।

जूनियर डॉक्टर अभिषेक झा ने कहा कि जब तक हम लोगों की मांग नहीं मानी जाती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगा। कोलकाता में हुए ट्रेनी रेजिडेंट डॉक्टर के परिजन को न्याय नहीं मिल जाता है और देशभर में मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट नहीं लागू होता तबतक हड़ताल जारी रहेगा।

इस संबंध डीएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ के एन मिश्रा ने कहा कि हड़ताल के कारण ओपीडी के सेवा बन्द है।

नॉन क्लिनिकल 30 डॉक्टर को मरीज के इलाज के लिए लगाया गया है।

वहीं उन्होंने कहा कि अगर आवश्यकता हुई तो सिविल सर्जन से अतिरिक्त डॉक्टर की मांग की जाएगी। प्रिंसिपल ने दावा किया कि इमरजेंसी सेवा पूरी तरीके से चल रहा है।

नदी के कटाव से गांव व कब्रिस्तान को बचाने का अथक प्रयास, अधिकारियों ने नहीं ली सुध

अब ग्रामीण अनशन पर

बेतिया (एजेंसियां)।

मामला जिले के गौनाहा प्रखंड के पंचायत राज माधोपुर के बैरिया माधोपुर गांव का है। जहां हरबोड़ा नदी से गांव व कब्रिस्तान को कटाव से बचाने के लिए शनिवार से सैकड़ों ग्रामीणों के साथ मुखिया मंजूला मिश्रा अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर हैं।

मुखिया प्रतिनिधि राजा मिश्रा ने बताया की वर्ष 2022 से जिला स्तरीय पदाधिकारी, सांसद व विधायक से हरबोड़ा नदी से कटाव हेतु गाइड बंद बांधने की मांग होती रही है। परंतु प्रशासन

चुप्पी साधे हुए है। यही कारण है कि मुखिया सहित ग्रामीण जनता आमरण अनशन पर उतारू हुए हैं। इधर ग्रामीण अवध बिहारी यादव, दिनेश शर्मा, बलिराम शर्मा, ललित शर्मा, पूनम शर्मा, मदन राम, बीरबल राम, हेवंती देवी, निर्मला देवी, कलावती देवी, जमीला खातून, हृदया देवी, झुना देवी, राधिका देवी वार्ड सदस्य संजय सिंह, अमर बैठा, दयानंद यादव, नबीउन नेशा आदि मे काफी आक्रोश देखा गया।

आक्रोश व्यक्त करते हुए ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक दशक में वार्ड नंबर 5 व 6 के सैकड़ों घर हरबोड़ा नदी में विलीन हो चुके हैं। प्रशासन से गुहार लगाते लगाते गांव की जनता थक चुकी है, लेकिन अभी तक प्रशासन के द्वारा गांव और कब्रिस्तान को नदी के कटाव से बचने के लिए कोई सार्थक पहल नहीं किया गया। जो प्रशासन के लापरवाही को दर्शाता है।

इधर सीओ विवेक कुमार सिंह ने बताया कि गांव व कब्रिस्तान को हरबोड़ा नदी के कटाव से बचाने हेतु जिला प्रशासन को पत्र भेजा जा चुका है। वहीं जब इस बावत बीडीओ शिव जन्म राम से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि जल्द ही बैरिया माधोपुर गांव में कटाव रोधी कार्य शुरू कर दिया जाएंगा। जिसे ग्रामीणों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर से पलायन को मजबूर हुए लोग

प्रशासन की व्यवस्था ठप, जीना हुआ दुभर

बेगूसराय (एजेंसियां)।

गंगा नदी के रौद्र रूप होने के बाद लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके जिला प्रशासन के स्तर से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। खासतौर पर बेगूसराय के बलिया अनुमंडल के कई गांव पूरी तरीके से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। कई गांव जलमग्न हो गए हैं, जिससे गांव के लोगों को न सिर्फ जानमाल के साथ पलायन करना पड़ रहा है, बल्कि जान खतरे में डालकर गांव से जरूरत के सामान को लेकर पैदल निकलना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि चौदह

हजार की आबादी बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ की इस विभीषिका के बाद भी नाव की व्यवस्था नहीं होने से लोग जैसे तैसे जान जोखिम मे डाल कर ऊंचे स्थान पर अपना ठिकाना बना चुके है। वहीं कुछ लोग अभी भी गांव में ही शरण लिए हुए हैं। बाढ़ के कारण डूब चुके हजारों एकड़ की फसल ही नहीं मवेशियों के चारे भी एक बड़ा संकट बन चुके है।

सीएम नीतीश कुमार ने दी रक्षाबंधन की सौगात पटना के सिटी बस में फ्री में यात्रा करेंगी महिलाएं

पटना (एजेंसियां)।

रक्षाबंधन को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को बड़ा गिफ्ट दिया है। 19 अगस्त को पटना में चलने वाली सिटी सर्विस बस में यात्रा करने के लिए महिलाओं को पैसे नहीं देने होंगे। यानी राखी के दिन महिलाएं बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सिटी सर्विस की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। उन्हें किसी तरह का कोई पैसा नहीं देना होगा। बिहार सरकार में परिवहन विभाग की मंत्री शीला कुमारी की ओर से यह निर्देश जारी किया गया। पटना शहरी क्षेत्रों में रक्षाबंधन पर महिलाओं एवं छात्राओं को निः शुल्क यात्रा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

इधर, परिवहन विभाग के सचिव और सीनियर आईएएस अधिकारी सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा राजधानी में कुल 135 सिटी सर्विस की बसों का परिचालन किया जा रहा है। इसमें 25 इलेक्ट्रिक बसें हैं। बाकी सारी बरें सीएनजी से परिचालित हैं। इन सभी सभी बसों में रक्षाबंधन के दिन महिलाओं एवं छात्राओं के लिए बस सेवा पूरी तरह मुफ्त रहेगी। अगर किसी तरह का पैसा मांगा जाता है कि फौरन विभाग को इसकी शिकायत करें।

सहरसा में युवक की हत्या, घर से निकलते ही पड़ोसी ने धारदार हथियार वार कर मार डाला

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के सौर बाजार थाना क्षेत्र के कांप में एक पड़ोसी ने दूसरे पड़ोसी की शनिवार की सुबह हत्या कर दी। सूचना मिलते ही सौर बाजार थानाध्यक्ष अविनाश कुमार मौके पर पहुंच मामले की तहकीकात शुरू की। वही हत्या के आरोपी जयप्रकाश भगत को काफी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान कांप गांव निवासी बनारसी भगत के पुत्र मुकेश भगत के रूप में हुई। वह अपने घर से निकल कर बाहर निकला थ। अचानक पूर्व से घात लगाए जयप्रकाश भगत ने उस पर धारदार हथियार (दबिया) से प्रहार कर दिया। जयप्रकाश भगत ने मृतक मुकेश भगत के सिर और शरीर पर दबिया से वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। इससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

परिजनों के अनुसार वह नित्य सबेरे उठ कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर खेत की ओर जाता था। शनिवार को भी वह निकला कि पड़ोसी ने उसकी हत्या धारदार हथियार से मारकर कर दिया गया है। मारने वाला उसका पड़ोसी जयप्रकाश भगत है। लोग उसे मानसिक तौर पर बीमार बता रहे। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना के बाद गांव में लोग अचंभित हैं। लोगों ने कहा पुलिस इस मामले में गंभीरता से ले और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई करे।

सौर बाजार थानेदार अविनाश कुमार ने बताया कि आरोपी को काफी मशक्कत के बाद गिरफ्तार किया गया है। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है। पूर्व में भी एक व्यक्ति पर हमला कर चुका है। वही एक बार हाथ में बंद बैंक का दरवाजा खटखटा रहा था। वह बोरा लेकर बोल रहा था जो प्रधानमंत्री इसके लिए उसके खाता में पैसा भेजा है। जो उसे चाहिए। इसके बाद उसे थाना लाया गया था और उसकी भाई को इलाज कराने का हिदायत दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com